# हरियाणा विधान सभा

# की

# कार्यवाही

## 11 मार्च, 1983

**खण्ड 1, अंक 5**

**अधिकृत विवरण**

**विशय सूची**

**भाुक्रवार, 11 मार्च, 1983**

**पृश्ठ संख्या**


| | |
|---|---|
| तारांकित प्र न एंव उतर | (5)1 |
| नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उतर | (5)33 |

| | |
|---|---|
| अतारांकित प्र न एवं उतर | (5)36 |
| विभिन्न विशयों को उठाया जानाः– | |
| (1) बिजली के बिलों को बढ़ा–चढ़ा कर चार्ज करने संबंधी | (5)43 |
| (2) गांव मुणसर के समीप ट्रैक्टर के जलने से अंतर्ग्रस्त घटना संबंधी | (5)43 |
| (3) श्रीमती करतार देवी एम0एल0ए0 द्वारा सांपला विश्राम गृह में एक महिला के अभिकथित बलात्कार के मामले में जांच रिपोर्ट देने संबंधी | (5)44 |
| ध्यानाकर्शण सूचनाः– | |
| मिट्टी के तेल की दोहरी नीति संबंधी | (5)44 |
| राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ) | (5)44 |
| बैठक का समय बढ़ाना | (5)189 |
| राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ) | (5)89 |
| राज्यपाल के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान | (5)94 |

# हरियाणा विधान सभा

## भुक्रवार, 11 मार्च, 1983

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चन्डीगढ़ में प्रातः 9:30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एंव उतर

**श्री अध्यक्ष:** आनरेबल मैम्बर्ज अब सवाल होंगे।

**Extension of Rithal Minor**

***104. Shri Kitab Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the construction work for the extension of Rithal Minor which will provide water to Anwali, Katwal, Rewara and Moi has been stopped; if so, the reasons therefor and; if not, the present stage of work; and

(b) whether it is a fact that width of all the outlets in Gohana has been reduced; if so, the reasons therefor?

**सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला):**

(अ) रिठाल वित्रिका को बढ़ाने का कार्य भाुरू नहीं किया गया क्योंकि भूमि का कब्जा नहीं लिया जा सका। भूमि अभिग्रहण करने की कार्यवाही की जा रही है। सैक ान 4 तथा 6 के अधीन अधिसूचनायें जारी की जा चुकी है। भूमि मुआवजा का अवार्ड घोशित किए जाने के बाद कार्य भाुरू हो सकेगा।

(ब) नहीं जी। नहरों के आधुनिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत डिस्ट्रीब्यूटरियों तथा माईनरों को पक्का किया जा रहा है, जिसके फलस्वरूप मोघों को नये ऊंचे जल स्तर के आधार पर उनके अधिकृत डिस्चार्ज अनुसार एडजस्ट किया जाना होता है।

**श्री किताब सिंहः** स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है वह संतोशजनक नहीं है। इन्होंने बताया है कि काम भाुरू नहीं किया गया है जबकि तथ्य यह है कि वहां पर काम भाुरू हो चुका है और यह कह देना कि काम भाुरू ही नहीं किया गया है, यह जवाब संतोशजनक नहीं है और गलत है। (व्यवधान)

**Mr. Speaker:** This is not a supplementary question.

**श्री बीरेंद्र सिंहः** स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय के नोटिस में यह बात है कि मोघों के साईज को तबदील कर दिया गया है? जहां–जहां पर लाईनिंग का काम चल रहा है केवल वहीं पर नहीं, बल्कि सारे प्रांत में सारी माइनर्ज और नहरों के मोघों के साईज को पिछलें एक साल के दौरान बदल दिया गया है और

उनका साईज रिड्यूस कर दिया गया है। क्या यह बात उनके नोटिस में है।

**चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, यह बात बिल्कुल ठीक नहीं है और यह कहना बिल्कुल गलत है कि सारे प्रांत में मोघों का साईज छोटा कर दिया गया है। सारे प्रांत का तो यह सवाल ही नहीं था। इस सवाल में गोहाना एरिया के बारे में पूछा गया है, उसके बारे में मैं बता देता हूं। वहां के बारे में इंफर्मे ान यह है कि गोहाना में 9 डिस्ट्रीब्यूट्रीज/माइनर्ज है, उनको पक्का किया जा रहा है। इनमें से 6 तो पक्की की जा चुकी है और दो नियरिंग कम्पली ान है। एक पर 75 प्रति ात काम हो चुका है, बाकी का हो रहा है। इन नौ चैनल्ज के खाल तब पक्के किए जाएंगे जब यह काम पूरा हो जायेगा क्योंकि आपको पता है कि बाद में लैवल की एडजस्टमैंट करनी पड़ती है।

**श्रीमती चंद्रावतीः** स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि यह जो मोघों का साईज छोटा किया गया है, क्या इसके बारे में कोई इन्कवायरी की गयी है या नहीं, अगर की गई है तो उसके ऊपर क्या कार्यवाही की गई है?

**चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः** अध्यक्ष महोदय, कोई भी मोघा छोटा नहीं किया गया है। मैं आपके माध्यम से लीडर आफ दी अपोजी ान को यह बताना चाहता हूं कि जो नौ चैनल्ज पक्की हो रही है, उनके नाम इस प्रकार से हैः गोहाना

डिस्ट्रीब्यूटरी, लोहारी माईनर, कुड़ाड़ा माईनर, मडलोढ़ा माईनर, इसराना डिस्ट्रीब्यूटरी, चिराना माईनर, रोहतक डिस्ट्रीब्यूटरी, बूटाना डिस्ट्रीब्यूटरी और बड़ौदा माईनर। इनमें से 6 तो कम्पलीट हो चुकी है, दो नीयरिंग कम्पली ान है और एक पर 75 प्रति ात काम हो चुका है, बाकी का हो रहा है। इनको पक्का करने के बाद मोघों को एडजस्ट किया जायेगा अदरवाईज किसान को पानी नहीं मिलेगा।

**डा0 भीम सिंह दहिया:** स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या कोई ऐसी ि ाकायत प्राप्त हुई है कि आउटलैटस का साईज नौर्म्ज के मुकाबले में छोटा कर दिया गया है? नहरों की लाईनिंग का काम इरीगे ान डिपार्टमैंट करता है और खालों को पक्का करने का काम एम0आई0टी0सी0 करती है। बहुत सी जगहों पर ऐसा हुआ है कि खालों को पक्का पहले कर दिया गया और नहरों की लाईनिंग बाद में की गई जिसका नतीजा यह होता है कि पानी किसान के खेत में नहीं पहुंचता। क्या इस प्रकार की कोई ि ाकायत आपके पास आई है और अगर आई है तो उस ि ाकायत को दूर करने के लिए क्या कदम उठाये गये है?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला:** अध्यक्ष महोदय, किसान के किसी आउटलैट का साईज रिड्यूस कर दिया गया हो या किसी मोघे का साईज कम कर दिया गया हो, ऐसी पार्टीकुलर ि ाकायत इस इलाके के बारे में ही नहीं, बल्कि बाकी इलाकों के

बारे में भी नहीं आयी। हां, जनरल ि ाकायतें मोघों के बारे में बहुत आती रहती है। जहां–जहां से ऐसी ि ाकायतें आती है, हम उनको उसी तरह से डील करने के लिये और एक ान लेने के लिये लिख देते है। जहां तक इनके दूसरे सवाल का संबंध है, नहरों को तो पहले पक्का किया जाता है और बाद में खालों को पक्का किया जाता है। नौर्मली इरीगे ान विभाग और एम0आई0टी0सी0 ऐसा नहीं करते कि पहले खालों को पक्का करें और बाद में नहरों को पक्का करें। अगर किसी व्यक्ति ने दबाव देकर या अपनी मर्जी से ऐसा करवाया हो तो उसके लिये सरकार जिम्मेदार नहीं है। उसके लिये किसान की अपनी जिम्मेदारी बनती है।

**चौधरी साहब सिंह सैनीः** स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अभी बताया है कि सैक ान 4 और सैक ान 6 के नोटिस इ ाु किये जा चुके है। क्या मैं उनसे यह जान सकता हूं कि ये नोटिफिके ान कब इ ाु किये गये थे? इसके अलावा मैं यह भी जानना चाहता हूं कि लैंड एक्वीजी ान का प्रौसैस कब कम्पलीट हो जायेगा?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** अध्यक्ष महोदय, सैक ान 4 और सैक ान 6 नोटिफीकेशंज 1981 के एंड में और 1982 के भाुरू में ई ाु किये गये है। जहां तक इस काम का पूरा होने का सवाल है, यह 1982–83 के फाइनैं ाियल ईयर में कम्पलीट हो जायेगा।

**श्री हरि चंद हुड्डा:** स्पीकर साहब, मैं एक बात मंत्री महोदय से और चीफ मिनिस्टर साहब से पूछना चाहता हूं। पिछले सै ान में मैंने राइटिंग में इनकों एक चिट दी थी और मंत्री महोदय ने वह चिट मुख्य मंत्री जी के हवाले कर दी थी। वह खड़वाली और चमारियां माईनर्ज के बारे में थी। क्या अब भी उनको चटि लिखक दूं क्योंकि पिछले सै ान के बाद अब तक तो वह काम हुआ नहीं है। (व्यवधान व भाोर)

**चौधरी भाम ोरसिंह सुरजेवाला:** वहां पर ये माइनर्ज क्यों नहीं बन रही है यह भी बता दें।

**श्री हरि चंद हुड्डा:** वहां पर कुछ झगड़ा है, अगर आप चाहें तो वह झगड़ा एक मिनट में हल हो सकता है। (व्यवधान व भाोर)

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला:** अगर हमारे करने से कुछ हो सकता है, तो मुझे मिल लेना, हम अव य कर देंगे।

**श्री राम बिलास भार्मा:** स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने यह बताया है कि नहरों और मोघों को एक कार्यक्रम के अंतर्गत पक्का करवाया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि यह काम कितने जिलों में भाुरू हो चुका है और कितने जिलों में भाुरू होने वाला है।

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला:** ब्रिकलाईनिंग आफ चैनल्ज का जो काम था, यह 1979 में भाुरू किया गया था। इस

साल के अंत में इसका फर्स्ट फेज कम्पलीट हो जायेगा और सैंकण्ड फेज अगले फाइनैं ि ायल ईयर से भाुरू हो जायेगा।

**श्री बीरेंद्र सिंहः** स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने यह कहा है कि मोघों का साईज छोटा–बड़ा करने की जनरल ि ाकायतें इनके पास आयी है। क्या इन ि ाकायतों को दूर करने के लिये मंत्री महोदय सारे हरियाणा प्रांत के आउटलैटस चैक करवाने के लिये कोई स्पे ाल कमेटी मुकर्रर करने की कृपा करेंगे ताकि ऐसी ि ाकायतों को दूर किकया जा सके?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस की इंफर्मे ान के लिये यह बताना चाहता हूं कि जहां तक छोटे या बड़े मोघें करने का सवाल है, अगर किसी को कानूनी तौर पर टैम्पर करने का अख्तियार है तो वह एस0 ई0 को है। इससे छोटा अफसर चाहे वह जे0ई0 हो, एस0डी0ओ0 हो या कोई दूसरा छोटा अफसर हो, टैम्पर नहीं कर सकता। जहां तक कोई कमेटी मुकर्रर करने का सवाल है। ऐसी बातों को कंट्रोल किया जा सके, इस बात की इम्पौर्टेंस को देखते हुए मैंने कोई दो हफ्ते पहले कमी ानर इरीगे ान के साथ ई0आई0सी0 के दफ्तर में जाकर चीफ इंजीनियर्ज के साथ मीटिंग की थी। इस मीटिंग में इन ि ाकायतों को डिस्कस किया था। इस बारे में हम फील्ड से डैटा कुलैक्ट करके फिर एक मीटिंग करेंगे। अगर मोघें चैक करवाने की जरूरत पड़ी तो वह भी करेंगे। हम इस बात को पूरी

तरह से इं ाोयर करेंगे कि हर चैनल या आउटलैट का साईज गवर्नमैंट की इंस्ट्रक ांज के मुताबिक हो।

**श्री फतेह चंद विजः** मंत्री जी ने अभी बताया था कि कई जगह पर लोगों ने पहले मोघों को पक्का करवाया है और बाद में नहर पक्की हुई है। क्या मैं यह जान सकता हूं कि ऐसा करना आम आदमी को एलाउड है या नहीं? अगर आम आदमी ऐसा नहीं कर सकता तो क्या कोई खास आदमी ही कर सकता है?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, मैंने यह नहीं कहा कि लोग ऐसा कर सकते है। मैंने यह कहा कि नहरें या चैनल्ज पहले पक्केग किये जायेंगे और बादम ें वाटर कोर्सिज पक्के किये जायेंगे। लेकिन कई बार प्राइवेट आदमी प्राइवेट तौर पर अपने वाटर कोर्सिज नहर पक्की होने से पहले ही पक्के कर लेते है। अगर किसी ने अपना वाटर कोर्स नहर के पक्का होने से पहले पक्का किया है औरसरकार की मर्जी के बगैर किया है तो पानी पहुंचना उसकी अपनी जिम्मेवारी है, सरकार की नहीं।

**श्री भले रामः** स्पीकर साहब, आम तौर पर देखा गया है कि टेल पर पानी नहीं पहुंचता। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि टेल पर पानी पहुंचाने के लिए सरकार कोई कदम उठाएगी?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, टेल भाोर्ट होने के हो कारण है, उनका सब को पता है और हाउस में सभी सदस्य जानते है और स्पीकर साहब आप भी जानते है। स्पीकर साहब, जो इरिगेटर्ज है, उनमें से कुछ अनअथोराइज्ड तरीके से इरिगे ान करते है और कई दफा आउटलेट को टैम्पर विद कर लेते है, इस कारण से टेल भाार्ट हो जाती है। स्पीकर साहब, जीरी के टाईम पर तो मोघों की होड़ लग जाती है। इस चीज को दूर करने के लिए सरकार ने पीछे भी कोि ा ा की थी और इस दफा भी कोि ा ा करेगी कि टेल पर पूरा पानी पहुंचें।

**चौधरी धीरपाल सिंहः** स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय रोहट और बादली गए थे। वहां पर लोगों ने नहर को पक्का करने तथा मोघों को पक्का करने की बात की थी। वहां पर आधी नहर को तो पक्का कर दिया और बाकी काम बीच में ही छोड़ दिया गया है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि आधी नहर को कब तक पक्का कर दिया जायेगा?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** अध्यक्ष महोदय, मेरे पास पूरी डिटेल्ज तो नहीं है लेकिन अगर आनरेबल मैम्बर कोई स्पेसिफिक बात बताएंगे तो इनकी पूरी तसल्ली करवाउंगा। स्पीकर साहब, सरकार की कोई ऐसी पालिसी नहीं है कि आधी चैनल को पक्का कर दिया जाए और बाकी को छोड़ दिया जाए।

**श्रीमती बसंती देवीः** स्पीकर साहब, जूनियर स्टाफ पैसे लेकर मोघे छोटे बड़े कर देता है। मैंने यह बात ग्रिवैन्सिज कमेटी में भी कही थी लेनि किसी औफिसर ने कहा बहन जी, रि वत का तो कोई स्कोप ही नहीं है। गरीब आदमी रि वत कहां दे सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, सीनियर औफिसर्ज को तो पता ही नहीं लगता और जूनियर औफिसर्ज पैसा लेकर मोघे चेंज कर देते है। क्या मंत्री महोदय इस ि ाकायत को दूर करने की कृपा करेंगे?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** स्पीकर साहब, इस बात को केवल दूर ही नहीं किया जाएगा बल्कि अगर बहन जी कोई इंस्टांस बताएंगी तो जिस व्यक्ति ने पैसा लेकर ऐसा किया होगा उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

**श्री किताब सिंहः** स्पीकर साहब, जसराना माईनर को पहले पक्का कर दिया गया और मोघे भी लगा दिए गए लेकिन एक या डेढ़ महीने के बाद उन मोघों को उखाड़ दिया गया और नए मोघें लगाए गए। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि ऐसा क्यों किया गया?

**चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः** अध्यक्ष महोदय, जो सवाल पूछा गया वह बहुत स्पश्ट नहीं है कि नहर पक्की कर दी गई, मोघे लगा दिए गए और फिर उखाड़ कर नए मोघे लगाए गए। अगर ये लिखकर देंगे कि कौन सी नहर है और कौन से

मोघे उखाड़ कर नए लगाए गए तो मैं उसके बारे में पता करवा लूंगा।

**Cases of murder registered in Rohtak City**

***131. Shri Mangal Sein:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the number of cases of murders, if any, registered in Rohtak City during the year 1980, 1981 and 1982.

(b) the names of the persons, if any, arrested in connection with the said cases togetherwith the details of the cases in which they were arrested; and

(c) the details of cases out of those referred to in part (a) above in which punishments were imposed and acquitals ordered separately?

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

| (क) | 1980=5<br>1981=7<br>1982=14 | | **विवरण** | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (ख) और (ग) | वर्श | क्रम संख्या | मुकदमा नंः | बंदी बनाये गये व्यक्तियों के नाम | मुकदमों का विवरण |
| | 1980 | 1 | मुकदमा नंः 290 तिथि 13.4.80 धारा 302/34 भः दः सः थाना भाहर रोहतक। | 1— कुलदीप उर्फ दीपा निवासी कैम्प रोहतक। | कुलदीप उर्फ दीपा निवासी गांधी कैम्प रोहतक ने संतोश कुमार का कतल किया था। वजह रंजि । यह थी कि |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | मृतक संतोश कुमार का भाई श्री बलदेव राज, कुलदीप उर्फ दीपा के विरूद्ध धरा 395 भः दः सः के एक मुकदमें में गवाह था। दोशी के विरूद्ध न्यायालय में चालान दिनांक 27–7–80 को हो गया था। तत्प चात अपराधी कुलदीप उर्फ दीपा का कतल 12–12–80 को हो गया था और इस संबंध में मुकदमा 879/80 थाना भाहर रोहतक में |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | दर्ज हुआ था। |
| | | 2 | मुकदमा नंः 338 तिथि 4–5–80 धारा 302/34 भः दः सः थाना भाहर रोहतक। | 1. सत्यवान (रोहतक भाहर का होटल मालिक)<br>2. कि ान चंद निवासी भाहर रोहतक | होटल में भोजन की मांग पर होटल मालिक सत्यवान और ग्राहक तसबीर सिंह का झगड़ा हो गया था। इस झगड़े पर होटल मालिक और कि ान चंद ने तसवीर सिंह को चाकू से जख्मी किया था जिस वजह से तसवीर सिंह की मृत्यु हो गई थी दोशियों के विरूद्ध तिथि 3–7–80 को न्यायालय में चालान |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | दिया गया था। दोनों दोशियों को दिनांक 29–11–80 को आजीवन कारावास की सजा दी जा चुकी है। |
| | | 3 | मुकदमा नंः 622 तिथि 3–9–80 धारा 302/148/149 भः दः सः थाना भाहर रोहतक | (1) भाादी लाल<br>(2) अ ाोक कुमार उर्फ भाोकी<br>(3) हरी ा कुमार<br>(4) रमे ा कुमार<br>(5) सुभाश उर्फ भाशी | इस मुकदमा का संबंध बिहार के एक मजदूर उजेंद्र सिंह के कतल से है। दोशियों ने उजेंद्र सिंह के ऊपर पानी फैंका था जिस कारण उजेंद्र सिंह और दोशियों के मध्य गर्मा गर्मी हो गई थी। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | (6) ई वर<br>(7) राम कुमार<br>(8) सुरेंद्र कुमार<br>(9) बृज मोहन निवासी रोहतक | दोशियों ने उजेंद्र सिंह को चाकुओं से जख्मी किया था जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई थी। सभी दोशियों के विरूद्ध चालान न्यायलय में तिथि 9–10–80 को दयिा गया था और सभी दोशी न्यायालय से दिनांक 3–3–81 से बरी किये गये थे |
| | | 4 | मुकदमा नंः 637 तिथि 8–9–80 धारा 302 भः दः सः थाना | (1) महेंद्र निवासी भाहर रोहतक | इस मुकदमा का संबंध श्री भारी लाल के कतल से है जो रोहतक में एक |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | भाहर रोहतक | | भाराब की दुकान पर नौकरी करता था। झगड़े का कारण यह था कि दोशी महेंद्र सिंह ने तिथि 8–9–80 की रात को मृतक भाोरी लाल से भाराब मांगा था जिसको भाोरी लाल ने मना कर दिया था। दोशी के विरूद्ध दिनांक 3–11–80 को न्यायालय में चालान दिया गया था जो वह दिनांक 21–8–81 को न्यायालय से बरी हो |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | गया था। |
| | | 5 | मुकदमा नं: 879 तिथि 12–12–80 धरा 302 / 307 / 324 / 34 भ: द: स: थाना भाहर रोहतक। | (1) बहादुर चंद<br>(2) भयाम सुंदर उर्फ कालू<br>(3) जगदी ा<br>(4) बलदेव राज उर्फ बालू निवासी गांधी कैम्प रोहतक। | दिनांक 12–12–80 को बहादुर चंद, भयाम चंद उर्फ काला, जगदी ा और बलदेवरात पर कुलदीप उर्फ असली, कुलदीप उर्फ दीपा और सोमनाथ ने हमला किया था। भयाम सुंदर उर्फ कालू ने कुलदीप उर्फ दीपा का वध कर दिया था। तिथि 3–3–81 को दोशियों के विरूद्ध चालान न्यायालय में |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | दिया गया था। सभी दोशियों को न्यायालय से 7–7 वर्श की सजा हो चुकी है। (29–8–81 को) |
| | 1981 | 1 | मुकदमा नंः 218 तिथि 15–3–81 धारा 307/302/34 भः दः सः थाना भाहर रोहतक। | (1) परस राम<br>(2) बलबीर<br>(3) अजय कुमार निवासी रोहतक | इस मुकदमा में दोशी परस राम, बलबीर और अजय कुमार ने चाकू मार कर श्री ि ाव दत की हत्या कर दी थी। वजह कतल यह था कि ि ाव दत को दोशी अपना विरोधी समझते थे। दोशियों के विरूद्ध |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | चालान तिथि 31–3–81 को न्यायालय में दिया गया था और दोशियों को न्यायालय से तिथि 12–6–81 को आजीवन कारावास की सजा मिल चुकी है। |
| | | 2 | मुकदमा नंः 364 तिथि 28–5–81 धारा 302 भः दः सः थाना भाहर रोहतक | इस मुकदमा में दोशी गिरफ्तार नहीं हुए है। | कुमारी दयावंती पुत्री श्री रामचंद्र महाजन आयु 13/14 वर्श निवासी रोहतक दिनांक 27–5–81 को भारत टेक स्कूल में पढ़ने गई थी क्योंकि वह उस स्कूल |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | की विद्यार्थी थी परंतु स्कूल समय के बाद वह घर नहीं पहुंची। खोज करने पर उसका भाव, मैडिकल कालेज रोहतक की एक पानी की टंकी में तैरता हुआ मिला। इस मुकदमा में तफती ा जारी है। |
| | | 3 | मुकदमा नंः 490 दिनांक 26–7–81 धारा 307/304/302 भः दः सः थाना भाहर | (1) राजबीर निवासी रिधांऊ जिला सोनीपत।<br>(2) सितार सिंह निवासी सैनीपुर | इस मुकदमा में दोशियों ने राम कुमार पर जैलियों और लाठियों से हमला करके चोटें मारी थीं। यह घटना एक |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | रोहतक | रोहतक<br>(3) राम निवास पुत्र चांद राम निवासी खिलवाई<br>(4) चांद राम निवासी खिलवाई<br>(5) राम कि ान पुत्र चांद राम निवासी खिलवाई | फैक्ट्री जोकि गोहाना रोड़ रोहतक पर है में हुई थी। बाद में रामकुमार की मृत्यु मैडिकल कालेज रोहतक अस्पताल में हो गई थी। इस मुकदमा का चालान दिनांक 24–9–81 को न्यायालय में दिया गया था। दोशी न्यायालय से दिनोंक 19–1–82 को बरी किये जा चुके है। |
| | | 4 | मुकदमा नंः 668 तिथि 10–10–81 | इस मुकदमा में दोशी गिरफ्तार | दिनांक 10–10–81 को एक अनजान लड़की |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | धारा 302 भः दः सः थाना भाहर रोहतक। | नहीं हुए है। | आयु 11/12 वर्श का भाव रेलवे लाईन रोहतक के पास से मिला था। पोस्टमार्टम से यह पाया गया था कि लड़की की हत्या उसके साथ बलात्कार करने के बाद की गई थी। इस मुकदमा में 23–2–82 को अदमपता रिपोर्ट भेजी गई है क्योंकि अनुसंधान के दौरा दोशियों का पता नहीं चल सका था। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | 5 | मुकदमा नंः 731 तिथि 31—10—81 धारा 302 भः दः सः थाना भाहर रोहतक। | इस मुकदमा में अपराधी बंदी नहीं बनाये गये है। | इस मुकदमा में एक अनजान नौजवान व्यक्ति का भाव रेलवे लाईन के पास से मिला था। इस मुकदमा में दिनांक 27—6—82 को अदमपता रिपोर्ट भेजी गई थी क्योंकि पुलिस द्वारा घोर प्रयत्न करने पर भी अपराधियों का पता नहीं चल सका था। |
| | | 6 | मुकदमा नंः 754 तिथि 9—11—81 धारा 302 भः दः सः | (1) जिले सिंह निवासी सुखपुरा<br>(2) बलदेव राज | दिनांक 9—11—81 को दोशी जिले सिंह व बलदेव राज ने पुरानी |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | थाना भाहर रोहतक | निवासी इंदिरा कालोनी रोहतक | रंजि ा के कारण सुरे ा उर्फ बाबा की हत्या की थी। दोशियों के विरूद्ध दिनांक 972–82 को न्यायालय में चालान दिया गया था दोशी से दिनांक 23–3–82 को बरी हो चुके है। |
| | | 7 | मुकदमा नंः 843 तिथि 18–12–81 धारा 302/34 भः दः सः थाना भाहर रोहतक | (1) सुरे ा कुमार<br>(2) राजपाल<br>(3) बिरेंद्र<br>(4) अनिल कुमार | सर छोटू राम कालेज के सुरे ा कुमार और 5 अन्य विद्यार्थियों ने तिलक राज, जो एक सिलाई की दुकान पर |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | (5) जय भगवान<br>(6) सुखबीर | सिलाई का काम करता था कि हत्या की थी। हत्या का कारण यह था कि तिलक राज ने उसके कपड़े सिलने में देरी की थी। दोशियों के विरूद्ध न्यायालय में चालान दिनांक 14–5–82 को दिया गया था। दोशी न्यायालय से दिनांक 5–11–82 को बरी किये जा चुके है। |
| | 1982 | 1 | मुकदमा नंः 143 तिथि 24–3–82 | (1) सुंदर लाल उर्फ होती | इस मुकदमा में श्री वासुदेव पुत्र जगन्नाथ |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | धारा 307 / 302 / 34 भः दः सः थाना भाहर रोहतक | (2) पूरन सिंह<br>(3) ओम प्रका ा उर्फ बिकी निवासी किला मुहल्ला रोहतक | खत्री निवासी मकान नंः 26, भगत सिंह कालोनी रोहतक की हल्या उक्त दोशियों ने पुरानी रंजि ा के कारण की थी। दोशियों के विरूद्ध चालान न्यायालय में दिनांक 29–5–82 को दिया गया था। दोशी दिनांक 28–10–82 को न्यायालय से बरी किये जा चुके है। |
| | | 2 | मुकदमा नंः 186 तिथि 30–4–82 | (1) सतदेव उर्फ सते | श्रीमती लक्षमी बाई और उसके पति श्री माम चंद |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | धारा 364 / 302 / 201 भः दः सः थाना भाहर रोहतक | (2) रमे ा<br>(3) अमर सिंह<br>(4) रामरती पत्नी रमे ा निवासी रोहतक<br>(5) हरफूल निवासी जुलाना | निवासी गढ़ी मोहल्ला रोहतक की हत्या उसके लड़कों एवं पुत्र वधु और एक रि तेदार ने घरेलू झगड़े के कारण किया था। सभी दोशियों के विरूद्ध चालान न्यायालय में दिनांक 26–7–82 को दिया गया था। यह मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। |
| | | 3 | मुकदमा नंः 199 तिथि 21–5–82 धारा 302 भः दः सः | (1) बलदेव राज उर्फ पिंका | इस मुकदमा में दोशियों ने श्री नंद लाल उर्फ पप्पू निवासी भाहर |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | थाना भाहर रोहतक | (2) सूरजभान<br>(3) राजेंद्र कुमार निवास किला मोहल्ला रोहतक | रोहतक की हत्या चाकू मार कर की थी। हत्या का कारण पुरानी रंजि ा थी। दोशियों के विरूद्ध चालान न्यायालय में 20–8–82 को दिया गया था। दिनांक 3–12–82 को दोशी न्यायालय से बरी हो चुके है। |
| | | 4 | मुकदमा नंः 229 तिथि 16–6–82 धारा 302 / 324 / 323 / 34 | (1) दुनी चंद<br>(2) राजेंद्र उर्फ राजा | इस मुकदमा में दोशियों ने दरया सिंह पुत्र माई राम धानक निवासी गांव डोभ की हत्या पुरानी |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | भः दः सः थाना भाहर रोहतक | (3) दयानंद<br>(4) मुरारी निवासी डेरी मोहल्ला रोहतक। | रंजि ा पर किया था व राम कि ान और धर्मबीर को घायल किया था। इस मुकदमा में दोशियों के विरूद्ध चालान दिनांक 18–9–82 को न्यायालय में दिया गया था। दोशी दिनांक 3–11–82 को न्यायालय से बरी किये गये है। |
| | | 5 | मुकदमा नंः 425 तिथि 22–11–82 धारा 307/302 भः दः सः थाना रोहतक | (1) भगवत सरूप उर्फ बग्गा उर्फ भगत सिंह निवासी डेरी मोहल्ला | इस मुकदमा में भगवत सरूप उर्फ बग्गा उर्फ भगत सिंह हरिजन ने अमर सिंह उर्फ उमरी |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | भाहर | रोहतक। | हरिजन की पुरानी रंजि ा के कारण हत्या की थी। इस मुकदमा में चालान न्यायालय में दिनांक 4–2–83 को दिया गया था। जो न्यायालय में विचाराधीन है। |
| | | 6 | मुकदमा नंः 94 तिथि 13–4–82 धारा 302 भः दः सः थाना सिविल लाईन रोहतक | (1) दिलबाग सिंह निवासी रोहतक | दोशी दिलबाग सिंह ने अपनी पत्नी श्रीमती की हत्या की थी क्योंकि वह अपनी पत्नी को पसंद नहीं करता था और अपनी दूसरी भाादी कहीं |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | अन्य जगह करना चाहता था। दोशी के विरूद्ध चालान दिनांक 4–6–82 को तैयार किया गया था और न्यायालय में दिनांक 10–7–82 को दिया गया यह दोशी न्यायालय से दिनांक 24–8–82 को बरी किया जा चुका है। |
| | | 7 | मुकदमा नंः 98 तिथि 18–4–82 धारा 302/34 भः दः सः थाना सिविल लाईन रोहतक | (1) अरविंद<br>(2) य ापाल<br>(3) कुलदीप<br>(4) इंद्रजीत | दोशी भाराब पी कर मैडिकल कालेज रोहतक के ग्राउंड पर भाोर मचा रहे थे। जब उनको भाांत रहने के लिए कहा |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | (5) हरजीत<br>(6) नसीब<br>(7) सुरेंद्र<br>(8) ज्ञान प्रका ा<br>(9) अजय कुमार<br>(10) मुके ा<br>(11) अजय साहनी<br>(12) अनिल कुमार<br>सभी मैडिकल कालेज और गवर्नमैंट कालेज रोहतक के | गया तो वे सूरजभान व 3 अन्य विद्यार्थियों को चाकू मार कर घायल कर दिये। सूरजभान की अस्पताल में मृत्यु हो गई। चालान दिनांक 26–5–82 को तैयार करके दिनांक 3–6–82 को न्यायालय में दिया गया था। दोशियों में से अनिल कुमार दोशी को दिनांक 7–8–82 को आजीवन कारावास की सजा मिल चुकी है। अन्य 11 दोशियों को |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | विद्यार्थी। | न्यायालय से दिनांक 7–8–82 को बरी किया जा चुका है। |
| | | 8 | मुकदमा नं: 140 तिथि 25–5–82 धारा 302/भः दः सः थाना सिविल लाईन रोहतक | (1) बलदेव उर्फ बालू<br>(2) जिले सिंह निवासी सुखपुरा रोहतक। | दोशी बलदेव उर्फ बालू और जिले सिंह ने चाकू मार कर हरी ा कुमार पुत्र हंस राज सहगल निवासी रामपुरा रोहतक को जख्मी किया था जिसके परिणामस्वरूप हरी ा कुमार की अस्पताल मैंडिकल कालेज रोहतक में मृत्यु हो गई थी। हत्या का |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | कारण यह था कि दोशियों ने हरी ा कुमार से पैसे (धन रा ि ा) मांगी थी और हरी ा कुमार ने देने से इंकार कर दिया था। दोशियों के विरूद्ध न्यायालय में चालान तिथि 4–8–82 को दिया गया था। दोशियों को न्यायालय से दिनांक 24–12–82 को सजा दी जा चुकी है। |
| | | 9 | मुकदमा नं: 154 | (1) सुभाश | दोशियों ने दरयाव सिंह |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | तिथि 8–6–82 धारा 302 भः दः सः थाना सिविल लाईन रोहतक | (2) राम चरण बाल्मीकी निवासी रोहतक | बालमीकि को चाकुओ से जख्मी किया था जिसके फलस्वरूप दरयाव सिंह की मृत्यु मैडिकल कालेज रोहतक में हो गई थी। दोशियों के विरूद्ध चालान दिनांक 26–7–82 को न्यायालय में दिया गया था। दोशी दिनांक 24–12–82 को न्यायायलय से बरी हो चुके है। |
| | | 10 | मुकदमा नंः 297 | (1) देव राज | दोशी देव राज पुत्र बिधा |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | तिथि 13–11–82 धारा 302 भः दः सः थाना सिविल लाईन रोहतक | (2) धर्मपाल निवासी गांव समचाना (रोहतक में विद्यार्थी) | राम महाजन और धर्मपाल पुत्र गिरधारी ब्राहाम्ण श्री राजे ा कोि ाक निवासी समचाना की रोहतक में हत्या कर दी थी। इन विद्यार्थियों के मध्य ि ाक्षा संबंधी प्रतियोगिता एवं स्पर्धा थी। इन दोशियों के विरूद्ध तिथि 10–1–83 को चालान तैयार करके न्यायालय में तिथि 8–2–83 को दिया गया है। यह मुकदमा |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | न्यायालय में विचाराधीन है। |
| | | 11 | मुकदमा नंः 298 तिथि 14–11–82 धारा 302 भः दः सः थाना सिविल लाईन रोहतक | (1) राके ा उर्फ होती<br>(2) भगवान दास उर्फ भग्गू निवासी प्रताप मोहल्ला रोहतक | दोशियों ने श्री राजेंद्र कुमार उर्फ पप्पी की हत्या अचानक झगड़ा होने पर चाकू मार कर कर दी थी। ये दोनो पार्टियां बदमा ाों की है। दोशियों के विरूद्ध चालान दिनांक 31–12–82 को तैयार करके दिनांक 8–2–83 को न्यायालय में दिया जा चुका है। मुकदमा |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | न्यायलय में विचाराधीन है। |
| | | 12 | मुकदमा नंः 314 तिथि 5–12–82 धारा 302/34 भः दः सः थाना सिविल लाईन रोहतक | (1) अ ाोक कुमार<br>(2) कृश्णावंती<br>(3) वीना | श्रीमती वीना पत्नी अ ाोक कुमार को, अ ाोक कुमार उसकी मां कृश्णावंती और बहन वीना ने जला कर मार दी थी। झगड़ा दहेज के लेन देन का था। मुकदमा का चालान दिनांक 15–2–83 को तैयार करके दिनांक 20–2–83 को न्यायालय में दिया गया हैं। |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। |
| | | 13 | मुकदमा नंः 316 तिथि 5–12–82 धारा 307/302/34 भः दः सः थाना सिविल लाईन रोहतक | (1) जोगिंद्र सिंह निवासी गांव गौच्छी<br>(2) कृश्ण निवासी गांव झोझं खुर्द<br>(3) फतेह सिंह निवासी बसीटा<br>(4) हरबंस लाल निवासी रामगढ़ | दोशियों में ब्रहमजीत निवासी जनता कालौनी रोहतक की हत्या भाराब पीने और जुआ खेलने के ऊपर उत्पन्न झगड़े के कारण किया था। ये दोनों पार्टियां बदमा ाों की है। दोशियों के विरूद्ध दिनांक 31–1–83 को चालान तैयार करके दिनांक 15–2–83 को न्यायालय में दे दिया |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | गया है। मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। |
| | | 14 | मुकदमा नं: 320 तिथि 9–12–82 धारा 307/302/34 भः दः सः थाना सिविल लाईन रोहतक | इस मुकदमा में दोशी गिरफ्तार नहीं हुए है। | एक नौजवान व्यक्ति का भाव मिला था। बाद में ला ा सुभाश पुत्र रतन सिंह निवासी बडवाली ढानी, जिला हिसार की भानाख्त की गई थी जिसने अपनी टैक्सी में एक बीमार आदमी को मैडिकल कालेज रोहतक में भर्ती कराने के लिए लाया था। यह मुकदमा |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | अभी अनुसन्धानाधीन है। |

**श्री मंगल सैनः** अध्यक्ष महोदय, जो विवरण सदन के पटल पर रखा गया है। उसको देखने से पता लगता है कि काफी लोग कत्ल के मामले में बरी हुए है। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगें कि पुलिस ने कोई इंक्वायरी कि कि इतने लोग कत्ल के मामले मेें क्यों बरी हुए है?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, डा0 मंगल सैन काफी सीनियर मैम्बर है। इनको पता होना चाहिए कि इन लोगों को कोर्ट ने बरी किया है पुलिस ने बरी नहीं किया है।

**श्री मंगल सैनः** क्या मुख्य मंत्री के नोटिस में यह बात है कि पुलिस की कोताही की वजह से और क्योंकि कुछ लोगोें ने गवाहों को डरा दिया था इस वजह से गवाही नहीं मिली और ये लोग बरी हो गए?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, डा0 साहब ने कभी ऐसी बात नहीं बताई।

**श्री राम बिलास भार्माः** अध्यक्ष महोदय, जो विवरण सदन के पटल पर रखा गया है उसमें नम्बर एक पर बताया गया है कि 13—4—1980 को एफ0आई0आर0 दर्ज हुई और संतोश कुमार का कत्ल 12—12—1980 को हुआ क्योंकि वह एक केस में कुलदीप उर्फ दीपा के खिलाफ गवाह था। स्पीकर साहब, इसका मतलब यह हुआ कि दोशी आठ महीने तक गिरफतार नहीं हुआ। अगर वह गिरफतार हो जाता तो यह दूसरा कत्ल न होता। क्या मुख्य

मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह सब पुलिस की लापरवाही नहीं है?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, कल भी मैंने एक सवाल के जवाब में कहा था कि बहुत से केसों में मुलजिम कत्ल करके भाग जाते है और उनको हम इ तहारी मुलजिम करार देते है। उनकी जो जायदाद वगैरह होती है उसको अटेच करने की कोि ा ा की जाती है। कई केसिज में मुलजिम मिलता ही नहीं है। ऐसे केसिज में पुलिस की मजबूरी होती है। पुलसि पर इल्जाम लगाना मैं समझता हूं ठीक नहीं है। पुलिस की नाकाबलियत की वजह से मुलजिम नहीं मिलते, यह कहना ठीक नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बताना चाहता हूं कि हरियाणा की पुलिस बहुत ही काबिल और अच्छी है, ऐसी फोर्स किसी भी प्रांत में नहीं है।

**श्रीमती चंद्रावतीः** क्या मुख्य मंत्री महोदय इस बात की इंक्वायरी करवाएंगे कि रि वत लेकर एफ0आई0आर0 बिगाड़ी जाती है और इस तरह मुकदमें खराब होते है।

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या को कम से कम ऐसा कहने से पहले कोई इंस्टांस देना चाहिए था कि इस केस में पुलिस ने पैसा लेकर एफ0आई0आर0 बिगाड़ दी। माननीय सदस्या लिखकर दें। मैं इंक्वायरी करवाऊंगा और अगर

कोई औफिसर दोशी पाया जाएगा तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

**श्री मंगल सैनः** अध्यक्ष महोदय, जो विवरण सदन के पटल पर रखा गया है उसके पृश्ठ 4 पर केस नं02 के बारे में बताया गया है कि–

"Kumari Dayawanti aged about 13/14 year daughter of Sh. Ram Chander Mahajan r/o Rohtak had gone to Bharat Tek School Rohtak on 27-5-81 as usual as she was a student fo that school, but she did not reach home after school time. On search her dead body was found floating in a water tank of Medical College, Rohtak. This case is under investigation.

स्पीकर साहब, यह मामला 27–5–81 का है। 1982 साल निकल गया और 1983 का मई का महीना आने वाला है। दो साल इस केस को होने वाले है। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह सच है कि कलप्रिट इसलिए पकड़े नहीं जा रहे है कि इसमें एक बहुत बड़ा आदमी इंवाल्वड है जिस पर सरकार हाथ नहीं डालना चाहती?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, यह लड़की भारत टेक स्कूल की विद्यार्थी थी और उसकी आयु 13–14 साल की थी। लड़की स्कसूल गई और छुट्टी होने के बाद घर नहीं पहुंची। पुलिस में रिपोर्ट की गई । तला ा करने पर उसकी ला ा मैडिकल कालिज रोहतक के पानी के टैंक में मिली। उस ला ा को मैडीकल कालिज के एक चौकीदार ने देखा था लड़की के

मैडीकल एग्जामिने ान से पता लगा कि उस लड़की को गला घोटकर मारा गया है। अध्यक्ष महोदय, इस केस में पुलिस ने कम से कम तीन सौ आदमियों से पूछताछ की है। अध्यक्ष महोदय, जिस व्यक्ति का यह नाम लेते है उसका नाम लेना मुनासिब नहीं होगा। यह यूथ काग्रेस (इंटक) का कार्यकर्ता है और उसने डा0 साहब के इलैक ान में इनकी डटकर मुखालिफत की थी। इसलिए इनको तकलीफ हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, उससे भी पूछा गया। पूरी तफती ा की गई है लेकिन मुलजिम का पता नहीं लग सका है। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी आदमी का बियाबान में कत्ल हो जाए, किसी ने कत्ल करने वाले को देखा न हो तो पुलिस के लिए मुलजिम को तला ा करना मु कल होता है। पुलिस की पूरी कोि ा ा के बावजूद अभी तक असली मुलजिम का पता नहीं लग सका है।

**श्री बीरेंद्र सिंहः** अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने कहा कि अगर कोई स्पैसिफिक ि ाकायत इनके नोटिस में लाई जाए तो उसकी पूरी इंक्वायरी करवाई जायेगी और पूरा इंसाफ दिलाया जाएगा। क्या मुख्य मंत्री महोदय को याद है कि इन्होंने जब सिरसा जिलें में दरबार लगाया था तो उस वक्त दरबाकलां के एक इंसीडेंट के बारे में इनको कहा था। दरबाकलां में एक फारमर एम0एल0ए0 ने यह कहा था। चीफ सेक्रेटरी को एक मैमोरैंडम भी सबमिट किया था। पुलिस के चीफ के सामने एक मैमोरैंडम रखा गया। पुलिस में पर्चा दर्ज कराया गया। पर्चा दर्ज

होने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की गई। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो केस उनके नोटिस में लाया गया था उसके बारे में क्या कार्यवाही की गई है?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इस सप्लीमैंटरी का इस सवाल से कोई ताल्लुक नहीं है लेकिन फिर भी मैं हाउस की जानकारी के लिये यह बता देना चाहता हूं कि सिरसा में जब हमने लोगों की ि ाकायतें सुनी थी, तो उस वक्त विधान सभा के भूतपूर्व एम0एल0ए0 श्री जगदी ा कुमार बेनीवाल मुझे मिलें थे और वे कुछेक बातें मेरे नोटिस में भी लाए थे कि हमारे गांव में कुछ लोगों में झगड़ा चल रहा है और वहां पर हो सकता है कि कत्ल भी हो जाएं इस बारे में पहले भी मुकदमें दर्ज है और दोनों तरफ से गिरफतारियां भी हुई है, इसलिये आप हमें प्रोटेक ान दीजियेगा। साथ में उन्होंने यह भी कहा कि मुझे भी जान का खतरा है तो मैंने उसी समय पुलिस अधिकारियों को बुलाकर जगदी ा कुमार की रक्षा के लिये सारे इंतजाम करने के लिये आदे ा दिये लेकिन चार दिनों के बाद जगदी ा कुमार के कहने पर उनके आदमियों ने दूसरी पार्टी के आदमियों का कत्ल कर दिया। इसका मतलब यह हुआ.....
.और उनके दिमाग में यह सारी बातें पहले से ही थीं लेकिन फिर भी हमने पुलिस द्वारा पूरी कार्यवाही की है।

**श्रीमती चंद्रावतीः** अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय स्वयं खड़े होकर एक एक्स एम0एल0ए0 के खिलाफ खुद इलजाम

लगा रहे है कि उनके कहने पर उनके आदमियों ने कत्ल किया है। ( ाोर व व्यवधान) यह इनके लिये भााभा की बात नहीं है। जो हाउस में मौजूद न हो, उसके बारे में ऐसा नहीं कहा जाना चाहिये। यह सारी कार्यवाही एक्सपंज होनी चाहिये।

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, हकीकत को तो बताना ही पड़ता है। पहले उन्होंने स्वयं यही बात मेरे नोटिस में लाई लेकिन बाद में उनके आदमियों ने दूसरी पार्टी के आदमियों का कत्ल कर दिया। ( ाोर व व्यवधान)

**श्री बीरेंद्र सिंहः** स्पीकर साहब मुख्य मंत्री महोदय ने बैनीवाल के ऊपर गलत ऐलीगे ान लगा दिया कि उनके कहने पर कत्ल हुआ है और साथ यह भी कह दिया कि ..... .....यह केस सबजूडिस है, इसलिये यह सारी बातें असैम्बली रिकार्ड पर नहीं आनी चाहिये और एक्सपंज होनी चाहिए।

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, इन्होंने सप्लीमेंटरी पूछा, हालांकि इस प्र न से उसका कोई ताल्लुक नही है लेकिन फिर भी हाउस की जानकारी के लिये मुझे हकीकत बतानी पड़ी।

**श्री अध्यक्षः** चौधरी बीरेंद्र सिंह जी, आप तो सीनियर लेजिसलेटर है और बड़े काबिल वकील भी है, इस क्वे चन में आपकी यह सप्लीमेंटरी नहीं बनती थी।

**श्री बीरेंद्र सिंहः** अध्यक्ष महोदय यह.....
...वाले लफज कार्यवाही में से एक्सपंज होने चाहियें।

**श्री अध्यक्षः** पे ाबंदी वाल लफज कार्यवाही में से निकाल दिया जाए।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री महोदय ने पुलिस की पीठ ठोककर उन की बड़ी सराहना की कि हमारी पुलिस सारे हिंदुस्तान में अव्वल दर्जे पर है। अगर ऐसी बात है तो बहुत अच्छा है लेकिन मेरे स्टार्ड क्वै चन को आपने अन–स्टार्ड कर दिया, यह मेरे साथ ज्यादती कर दी, अगर वह क्वै चन स्टार्ड रहता तो इन को पता चलता। चलो छोड़िये, आप यह बताइये कि जो रोहतक पुलिस स्टे ान पर 14 मुकदमें दर्ज हुए, जिनमें से 6 अंडर ट्रायल, दो अंडर इंवेस्टीगे ान और 6 बरी हुए है। क्या आप पुलिस की भाानदार कामयाबी के लिये कोई इन्कवायरी बैठाने के लिये तैयार है कि आपकी पुलिस ने इतना एफी ाीऐंटली काम किया है?

**चौधरी भजन लालः** स्पीकर साहब, इन्होंने तीस सालों का सारा इक्ट्ठा ही बता दिया।

**श्री मंगल सैनः** अध्यक्ष महोदय, मैंन 1982 के 14 केसिज के बारे में ब्यौरा दिया है कि 6 अंडर ट्रायल है, दो इंवेस्टीगे ान और 6 बरी हो चुके है। क्या इस बारे में ये अपनी पुलिस की इनएफी ाीऐंसी और कार्यकु ालता की इंकवायरी करवाएंगे कि

पुलिस ने इन केसिज में रूचि क्यों नहीं ली? क्या यह पुलिस की कोताही नहीं है?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी बताया कि कोई गवाह बैठ जाए, कोई आपसी राजीनामा कर ले तो पुलिस उसमें क्या कर सकती है पुलिस की लापरवाही और कोताही तो तब कही जा सकती है अगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने से इंकार किया हो और पुलिस ने मुजरिम पकड़ने में देरी की हो लेकिन हमारी पुलिस ने अपनी ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभायी है।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, अगर गवाहों को गुण्डों से धमकाया या मरवाया जाए तो गवाह क्या करेंगे पुलिस भी चुप रहेगी।

**Mr. Speaker:** Next question.

**Post fo Naib Tehsildars**

**@*114. Shri Kanwal Singh, Chaudhri Kulbir Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether any vacancies for the posts of Naib Tehsildars were advertised by Subordinate Services Selection Board, Haryana during the year, 1982; and

(b) if so, the total number of vacancies advertised, together ith the names and addresses of the persons selected

for the said posts, and the number out of those, who have actually been given appointments?

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल)**

(क) नहीं जी।

(ख) प्र न ही उत्पन्न नहीं होता।

**श्री कंवल सिंहः** अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरे पार्ट (ए) के जवाब में कहा है कि 'नहीं'। क्या ये बताएंगे कि कितने नायब तहसीलदारों की सलेक ान हुई है?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, उन्होंने 1982 के बारे में पूछा है। 1982 में कोई एडवार्टाइजमैंट नहीं हुई और न ही कोई सलेक ान हुई है।

**श्री कंवल सिंहः** अध्यक्ष महोदय, पार्ट (बी) के उत्तर में इन्होंने यह नहीं बताया कि सलेक ान कितनी हुई है। लाखों रूपया कैंडीडेट्स से खा गये है और अब ये यहां पर हमें इस बात की जानकारी देने से हिचकिचाते है। कितनी अजीब सी बात कर रहे है। ये यहां पर इंफर्मे ान देने से इंकार कर रहे है और कह रहे है कि कोई सलेक ान नहीं हुई है।

**चौधरी भजन लालः** अजीब बात तो ये खुद कर रहे है। जो इन्होंने पूछा है, उसकी सूचना हमने इनकों दे दी है। जो सवाल पूछा ही नहीं, उसका हम कैस जवाब दे सकते है? 1982

में न कोई एडवरटाइजमैंट की गयी और न ही कोई सिलेक ान ही हुई। ये खुद भी वकील है पता नहीं..... ( ाोर एवं व्यवधान)

**श्री मंगल सैनः** अध्यक्ष महोदय, चीफ मिनिस्टर साहब, ने अभी कहा कि पता नहीं.....यह यूनिवर्सिटीज के ऊपर रिफलेक ान है इसलिए यह लफ्ज सदन की कार्यवाही में से निकाल दिये जाएं। ( ाोर)

**श्री अध्यक्षः** ठीक है, यह लफज रिकार्ड न किया जाये।

**श्री मंगल सैनः** मुख्य मंत्री महोदय यह बता दें कि क्या 1980–81, 1981–82 तथा 1982–83 में विज्ञापन दिये गये थे, अगर दिए गए थे तो क्या उनके बेसिज पर इंटरव्यू ली गई थी और इंटरव्यू के अगेंस्ट क्या आपके पास कोई ि ाकायतें आई है?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, मुझे कोई ि ाकायत नहीं मिली। अगर **(10.00 बजे)** ये डिटेल में पूछना चाहते है तो नोटिस दे दें, जवाब दे दिया जाएगा।

**चौधरी ओम प्रका ः** स्पकीर साहब, मैं मुख्य मंत्री जी का ध्यान एक बात की तरफ दिलाना चाहता हूं कि वे झज्जर में 10–11–82 को दरबार में गये थे और उनके सामने नायब तहसीलदार की सिलैक ान के बारे में ि ाकायत की गई थी। इन्होंने वहां माना था कि नायब तहसीलदार की सिलैक ान में

गड़बड़ हुई है। मैं ंजानना चाहता हूं कि उस ि ाकायत के बारे में क्या कार्यवाही हुई?

**चौधरी भजन लालः** मैंने यह बात बिल्कुल नहीं मानी।

**श्री निहाल सिंहः** स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी की काबलियत पर मुझे कोई भाक नहीं है मुझे यह भी भरोसा है कि इनके जुबानी नाम याद है कि कौन–कौन सा आदमी नायब तहसीलदार सिलैक्ट हुआ है। यहां बताने में क्या हर्ज है? वैसे तो ये उस सवाल का भी जवाब दे देते है, जो पूछा भी नहीं जाता।

**श्री अध्यक्षः** जब मैंने यह सवाल कल पढ़ा तो साथ ही इसका जवाब भी पढ़ा। कंवल सिंह जी, मैंने उस वक्त आप की गलती महसूस की। आपने इसमें साल 1982 डाल दिया यह आपसे गलती हो गई। अब आप लोग इसके ऊपर सप्लीमेंटरी पूछते जाओंगे और मुख्य मंत्री जी कहते जाएंगे कि दोबारा नोटिस दो तो it will lead no where.

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री जी ने बैठे–बैठे कहा कि इनका नाम मुख्य मंत्री पद के लिये मैंन परपोज किया था। मैं इस बारे में एक भोर पढ़ता हूं–

करीनाये मसलहत ऐसा ही होता है जमाने में,

राहतन को अमीरे कारवां भी कहना पड़ता है ( ाोर)

**Mr. Speaker:** Next question, please.

**Unemployed persons in the State**

***121. Chaudhri Kundan Lal:** Will the Minister for Labour and Employment be pleased to state-

(a) the total numb er of Graduates, Matriculates and under Matriculates registered with the Employment Exchanges in the State as on 1-1-1983;

(b) the steps so far taken or proposed to be taken to remove unemployment in the State; and

(c) wether there is any proposal under consideration of the Government to give unemployment allowance to unemployed persons in the State, if so, the details thereof?

**श्रम तथा रोजगार राज्य मंत्री (श्री राजे ा कुमार):**

(ए) 31—12—82 को हरियाणा राज्य के रोजगार कार्यालयों के सजीव रजिस्टर पर रोजगार के लिये प्रतीक्षा कर रहे स्नातक, मैट्रिकुलेटस तथा मैट्रिक से कम ि ाक्षित प्रार्थियों की संख्या निम्न है:—

| | |
|---|---|
| स्नातक | 37528 |
| मैट्रिक | 143770 |
| मैट्रिक से कम | 81186 |

(बी) राज्य सरकार ने बेरोजगार व्यक्तियों के लिये अपना रोजगार/वैतनिक रोजगार के अवसर उत्पन्न करने हेतु ग्रामीण उद्योग योजना, उद्यमियों को मार्जन मनी सहायता, खादी एवं ग्रामीण उद्योग बोर्ड द्वारा अपना रोजगार कार्यक्रम, अधीन औद्योगिक भौड, लघु डायरी ईकाइयां, संगठीत ग्रामीण विकास कार्यक्रम, ग्रामीण गोदामों का निर्माण तथा पानी के खालों को पक्का करना एवं गहरे नलकूपों का लगाना इत्यादि, रोजगार को बढ़ावा देने वाली कई वि ोश योजनायें चालू की है। आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के प्रार्थियों को अपना रोजगार आरम्भ करने या उसके विस्तार के लिये वित्तीय सहायता हेतु एक स्वतंत्र निगम की स्थापना भी की गई है।

(सी) राज्य के बेरोजगार व्यक्तियों को बेरोजगारी भत्ता देने के बारे कोई स्कीम राज्य सरकार के विचाराधीन नहीं है।

**श्री राम बिलास भार्मा:** अध्यक्ष महोदय, रोजगार मंत्री ने अपने ब्यान में कहा है कि बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए कई कार्यक्रम उन्होंने बनाए है। क्या ये कुछ पर्टिकुलर नम्बर बताएंगे कि इनके रहते हुए कितने बेरोजगारों को रोजगार दिया गया?

**श्री राजे ा कुमार:** फाइनल आंकड़े मेरे पास नहीं है आप अलग से नोटिस दें, बता दिया जाएगा।

**श्री मनफूल सिंहः** अध्यक्ष महोदय, जब वैस्ट बंगाल में बेरोजगारों को भत्ता दिया जाता है तो यहां क्यों नहीं दिया जाता?

**श्री अध्यक्षः** इन्होंने अपने जवाब में कह दिया है कि ऐसी कोई परपोजल नही है। आप इसका रीजन नहीं पूछ सकते है।

**श्री राजे ा कुमारः** अगर फंड्ज अवेलेबल होंगे तो विचार किया जा सकता है।

**चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः** मंत्री महोदय ने मैट्रिक, अंडर मैट्रिक और ग्रेजुएटस का नम्बर तो बताया है। क्या पोस्ट ग्रेजुएटस का नम्बर भी बताने की कृपा करेंगे?

**श्री राजे ा कुमारः** यह सवाल में पूछा नहीं गया था।

**श्रीमती चंद्रावतीः** स्पीकर साहब, इनके हिसाब से करीब अढ़ाई लाख लोग अन–एम्पलायड है। इसके अलावा क्या और लोगों के नाम दर्ज नहीं होंगे? मैं यह जानना चाहती हूं कि आपने उनको एम्पलायमैंट देने के लिये क्या कोई स्कीम बनाई है?

**श्री राजे ा कुमारः** मैंने अभी बताया कि हमारे पास कई स्कीमें है। आप रिप्लाई को अच्छी तरह से पढ़ें मालूम हो जाएगा।

**श्री हीरा नंद आर्य:** क्या मंत्री महोदय कोई सर्वे करवाएंगे कि एम्पलायमैंट एक्सचेंज में जिनके नाम दर्ज है उनके अलावा और कितने आदमी बेरोजगार है?

**श्री राजे ा कुमार:** इस प्रकार का कोई सर्वे नही करवाया गया है। आप दुबारा नोटिस देंगे तो विचार कर लिया जाएगा।

**श्री मंगल सैन:** मंखी महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि बेकारी को दूर करने के लिये उन्होंने कई पग उठाए है जिन में अलाटमैंट आफ इंडस्ट्रियल भौड्ज भी भाामिल है। मैं जानना चाहता हूं कि आपने कितने बेकार लोगों को यह भौड्ज दिये है?

**श्री राजे ा कुमार:** यह इंडस्ट्री डिपार्टमैंट से ताल्लुक रखता है। ( ाोर)

**श्री मंगल सैन:** स्पीकर साहरब, मेरी सबमि ान यह है कि सप्लीमेंटरी करने का कायदा यह है कि जो इन्होंने जवाब दिया है उसमें से हम अतिरिक्त सूचना मांग सकते है। मैंने पूछा है कि जो बेरोजगारों को आपने इंडस्ट्रियल भौड्ज देने की योजना बना रखी है उसमे आपके कितने लोगों का भौड्ज दिये है। ये कहते है कि यह इंडस्ट्रीज डिपार्अमैंट वाले देते है। ( ाोर)

**श्री अध्यक्षः** इनका कहने का मतलब यह है कि प्रावधान तो है लेकिन जो इंडस्ट्रियल प्लाट्स दिये गये है उसका रिकार्ड इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंट के पास है।

**श्री मंगल सैनः** इनके पास भी तो होना चाहिए।

**श्री अध्यक्षः** ये कहते है कि इनके पास नहीं है।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, अगर नहीं है तो होना चाहिए। इनकों इसके लिये तैयार होकर आना चाहिये था। स्पीकर साहब, आप भी इनको गाइड कर सकते है। हाउस में क्वै चन आवर इसलिये होता है कि मिनिस्टर सारी सूचना के बारे में पूरी तरह से तैयारी करके आए।

**प्रो0 सम्पत सिंहः** मंत्री महोदय, ने आने जवाब में बताया है कि 2,62,484 आदमी 31–12–82 तक एम्पलायमैंट एक्सचेंजिज में रजिस्र्ड है। अगर आप 31–12–81 की रिपोर्ट देखें तो 2,12,000 ही रजिस्टर्ड है। यह जो अन–एम्पलायमैंट में इंकीज हर साल हो रही है क्क्या इसको घटाने के लिये मंत्री महोदय कोई ए योरैंस देंगे?

**श्री राजे ा कुमारः** आपकी जानकारी के लिये मैंने पहले ही बता दिया है कि हमने तो कई स्कीमें चालू की है, लेकिन अनएम्पलायमैंट की प्रोबलम पापूले ान और एजुके ान के साथ–साथ बढ़ती जा रही है। फिर भी हम ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार मुहैया करने की कोि ा ा कर रहे है।

**डा0 भीम सिंह दहिया:** मंत्री जी ने बताया कि पढ़े लिखे लोगों को रोजगार देने के लिये कई नई स्कीमें चालू की गई हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि जो एम्पलायमैंट के एग्जिस्टिंग एवेन्यू है क्या उनके बारे में भी कभी जांच की गई है कि उनको फुली यूटिलाइज किया गया है? मुझे मालूम हुआ है कि कई स्कूलों में अंडर एम्पलायमैंट है। ऐसे कई स्कूल है जहां एक ही टीचर है। हमारे यहां बहुत बी0एड0 टीचर बेकार फिर रहे है, उनको एम्पलायमैंट क्यों नही दी जाती?

**श्री राजे ा कुमार:** स्पीकर साहब, डिस्ट्रिक्ट मैंन–पावर एंड एम्पलायमैंट जनरे ान कौंसल हर जिलें में होती है और हो सकता है डाक्टर साहब आप भी उस कौंसिल के मैम्बर हो क्योंकि हर जिलें के एम0एल0ए0 और एम0पी0 उसके मैम्बर बनाए जाते है। वह जो रिपोर्ट देती है उसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्यवाही की जाती है।

**श्री सागर राम गुप्ता:** स्पीकर साहब, हरियाणा प्रांत की आबादी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और इसके साथ–साथ बेरोजगारी भी बढ़ती जा रही है। हमारा भिवानी जिला बैकवर्ड एरिया घोशित किया हुआ है। भिवानी जिले में इरीगे ान की कोई फैसिलिटीज नहीं है और पिछले पांच साल से ड्राउट चल रहा है। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या भिवानी जिले के एजुकेटिड अन–एम्पलायड को रोजगार दिलाने के लिए कोई खास स्कीम सरकार के विचाराधीन है?

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** अध्यक्ष महोदय, भिवानी जिला इंडस्ट्रीज के हिसाब से बैकवर्ड डिक्लेयर किया हुआ है। वहां के पढ़े–लिखें नौजवान अपने छोटे उद्योग धंधें लगा सकते है सरकार उनको लोन देगी। इसके अलावा जो बैकवर्ड एरियाज है, उनमें छोटे उद्योग धंधे लगाने वाले नौजवान को सरकार की तरफ से 15 परसैंट सबसिडी भी मिलती है। यदि भिवानी जिले में कोई नोजवाप अपना कोई छोटा उद्योग लगाएगा तो उस पंद्रह परसैंट की सबसिडी मिलेगी। इसके अलावा उसके माल को बेचने के लिए सरकार मदद करेगी और उसके रा–मैटीरियल का भी इंतजाम करेगी। अध्यक्ष महोदय, सभी पढ़े लिखें नौजवानों को रोजगार देना बहुत ही मु कल है। हरियाणा प्रांत में हर साल लगभग एक लाख लड़के लड़कियां पढ़ लिख कर तैयार हो जाते है सबको नौकरी देना बहुत मु कल है। कल भी हाउस में एक रैजोल्यू ान अम्बाला तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर करने के बारे में आया था, उस पर सभी मैम्बर्ज बोलें है और उन्होंने यह कहाकि उनके इलाकों को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड घोशित किया जाए ताकि हमारे इलाकों के पढ़े लिखे नौजवान अपने छोटे उद्योग धंधें लगा कर अपना जीवन निर्वाह कर सकें।

**श्री नेकी राम:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि डिस्ट्रिक्ट–वाइज एम्पलायमैंट एक्सचेंजिज में कितने टैक्नीकल हैडज के नाम दर्ज हो जाते है? दूसरा मेरा सवाल यह है कि यदि एक बार किसी टैक्नीकल हैड

को इंट्रव्यू पर बुला लेते है और उसकी सिलैक ान नहीं होती तो उसे दोबारा इंटरव्यू पर बुलाया जाता है या नहीं?

**श्री राजे ा कुमारः** स्पीकर साहब, पिछले साल 1402 साईंस ग्रेजुएट, 296 डाक्टर्ज और 244 इंजीनियर्ज ने अपने नाम एम्पलायमैंट एक्सचेंजिज में दर्ज करवाए थे। जैसे–जैसे डिमांड होती है, इंटरव्यू काल भेज दी जाती है ओर यदि किसी की सिलैक ान नहीं होती है तो उसे दोबारा नैकस्ट टाईम इंटरव्यू पर बुलाते है।

**श्री भागी रामः** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि डिस्ट्रिक्ट–वाइज हरियाणा के एम्पलायमैंट एक्सचेंजिज में कितने बी0ए0 ि ाड्यूल्ड कास्टस अन–एम्पलायड के नाम दर्ज है और कितने मैट्रिक पास ि ाड्यूल्ड कास्टस अन–एम्पलायड के नाम दर्ज है।

**श्री राजे ा कुमारः** स्पीकर साहब, मैंने पहले ही कह दिया है कि इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

**श्री अध्यक्षः** जो मेन सवाल पूछा गया ळे उसमें यह नहीं पूछा गया कि हरियाणा के एम्पलायमैंट एक्सचेंजिज में कितने मैट्रिक पास अन–एम्पलायड ि ाडयूल्ड कास्टस के नाम दर्ज है और कितने ग्रेजुएट अन–एम्पलायड ि ाड्यूल्ड कास्टस के नाम दर्ज है।

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि जब भी इंटरव्यू काल करके किसी पोस्ट के लिए सिलैक ान की जाती है तो उस समय बाकायदा हरिजन कंडीडेटस का पूरा ध्यान रखा जाता है और यदि उस समय कोई हरिजन नहीं मिलता है तो उसकी रिजर्वे ान को पूरा करने के लिए दोबारा इंटरव्यू काल करते है। यदि दूसरी बार भी हरिजन कंडीडेट नहीं मिलता है तो दूसरे कंडीडेटस भर्ती करते है।

**श्री निहाल सिंहः** स्पीकर साहब, मंत्री जी ने 37528 ग्रेजुएटस, 143770 मैट्रीकुलेटस और 81186 अंडर मैट्रिकुलेटस अन–एम्पलायड की लिस्ट दी है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इनमें से कितने ऐसे अन–एम्पलायड कंडीडेटस है जिन्होंने दो साल से अपने नाम एम्पलायमैंट एक्सचेंजिज में दर्ज करवाए हुए है। जिनका अभी तक कोई इंटरव्यू भी नहीं हुआ है?

**श्री राजे ा कुमारः** स्पीकर साहब, इसके लिए सैपरैट नोटिस चाहिए।

**श्री फतेहचंद विजः** स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अपने जवाब में एक बहुत लम्बी लिस्ट दी है जिनका नाम एम्पलायमैंट एक्सचैंजिज में दर्ज है और उनको अभी तक रोजगार नहीं मिला है। स्पीकर साहब, गवर्नमैंट के कई अदारे ऐसे है जो सीधी भर्ती कर लेते है जैसे कोआप्रेटिव बैंकस है और अपैक्स बोडीज है ये

सीधी भर्ती कर लेते है और दूसरी तरफ जिन लोगों ने अपने नाम एम्पलायमैंट एक्सचैंजिज में दर्ज करवा रखे है वे इंटरव्यू क`लिए इंतजार कर रहे है। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार उन अदारों को यह हिदायत देगी कि वे सीधी भर्ती न करें, एम्पलायेमैंट एक्सचेंजिज के थ्रू भर्ती करें?

**श्री राजे ा कुमारः** स्पीकर साहब, एक दो अदारों को छोड़कर कोई भी ऐसा अदारा नहीं है जो सीधी भर्ती करता हो। एक या दो अदारों को छोड़ कर सभी अदारे एम्पलायेमैंट एक्सचेंजिज के थ्रू भर्ती करते है।

**Forests in the State**

***134. Chaudhri Roshan Lal Arya:** Will the Minister for Revenne be pleased to state-

(a) the total area of land under the forests in the State at present;

(b) the purpose for which the Forest Development Board has been set up recently in the State; and

(c) whether it is a fact that the Chairman of the above said Board has been vested with more powers than any other Chairman of the existing Boards/Corporations; if so, the reasons thereof?

**राजस्व मंत्री (चौधरी फूल चंद):**

(क) 1,69,659 हैक्टेयर।

(ख) राज्य में वन स्त्रोतों तथा सघन पौधारोपण व पूर्ण विकास के लिए हरियाणा वन विकास बोर्ड की स्थापना की गई।

(ग) नहीं, जी।

**चौधरी रो ान लाल आर्यः** स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या केंद्रीय सरकार ने वन विकास बोर्ड गठित करने के बारे में कोई आपति की है?

**चौधरी फूलचंदः** स्पीकर साहब, हम इस बारे में तथ्यों की जांच कर रहे है। केंद्रीय सरकार की ओर से हरियाणा सरकार को इस बारे में दो पत्र आए है। हमने उन दोनों पत्रों का जवाब केंद्रीय सरकार को भेज दिया है। इसके अलावा एक और पत्र आया है उस पर अभी विचार विम र्ा किया जा रहा है। ( ाोर एवं विघ्न)

**श्रीमती चंद्रावतीः** स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि जो तीन पत्र केंद्रीय सरकार की ओर से हरियाणा सरकार के पास आए है, उन्हें सदन की मेज पर रखने में सरकार को क्या एतराज है?

**चौधरी फूलचंदः** स्पीकर साहब, केंद्र और राज्य सरकार के बीच में जो पत्र व्यवहार होता है, उसका विवरण सदन की मेज पर नहीं रखा जा सकता। ( ाोर एवं विघ्न)

**Shrimati Chandravati:** Sir, this is in public interest (Noise & interruptions). The House has a right to

know this information, Sir. That is why we have asked the information. (Noise & interruptions).

**Shri Mangal Sein:** These documents are public property, Sir, and these should b elaid on the Table of the House (Interruptions & noise).

**चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः** स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या प्राईवेट लैंड पर अफौरस्टे ान के लिए गवर्नमैंट के माध्यम से एक्सपैंडिचर हो सकता है?

**चौधरी फूल चंदः** स्पीकर साहब, यह स्कीम अब नहीं है लेकिन पहले यह स्कीम थी कि फारैस्ट डिपार्टमैंट अपने खाते से प्राईवेट लैड पर पौधें लगाता था।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो तीन पत्र केंद्रीय सरकार की ओर से आपके पास आए है, वे पत्र आप सदन की मेज पर क्यों नही रखना चाहते? कहीं उन पत्रों में यह तो नहीं लिखा हुआ है कि जो फारैस्ट बोर्ड बनाया गया है, वह गलत बनाया गया है, इस बोर्ड को जो पावर्ज दी गई है वे गलत दी है और चेयरमैंन को जो पुलिस की पावर दी गई है, वह गलत दी गई है?

**चौधरी फूल चंदः** स्पीकर साहब, यह मामला हाईकोर्ट में है। इसलिए इस बारे में यहां पर इस स्टेज पर कुछ नहीं कहा जा सकता।

**Shri Mangal Sein:** It is no justification. He cannot hide the information.

**श्री बीरेंद्र सिंहः** अभी मंत्री जी ने कहा है कि यह मामला हाई कोर्ट में है, इसलिए इस बारे में हाउस में कुछ नहीं कहा जा सकता। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जिन पत्रों के आधार पर ये हाईकोर्ट में रिटन स्टेटमेंट दे रहे है, क्या वह पब्लिक डाकुमैंट नहीं बन जाता? इसलिए स्पीकर साहब हम सिर्फ यही पूछना चाहते है कि क्या इस बोर्ड की स्थापना पर केंद्र सरकार ने कोई आपत्ति की है?

**चौधरी फूलचंदः** अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेंद्र सिंह जी बड़े सुलझे हुए वकील है। मैं भी वकील हूं। मैं इनको बताना चाहता हूं कि जब कोई मामला हाई कोर्ट में चल राह हो तो उसके ऊपर यहां पर कुछ नहीं कहा जा सकता।

**Shrimati Chandravati:** Is it a fact that the Central Government has disapproved of the creation and constitution of this Board? I want a specific answer to this question in yes or no.

**Chaudhri Phool Chand:** I have already replied that whatever letters were received, the replies thereto were sent to the Government of India.

**Shrimati Chandravati:** We want definite answer.

स्पीकर साहब, ये हमें एवाईड करने की कोि ा ा कर रहे है। ये बड़ा वेग और इवेसिव रिप्लाई दे रहे है। हम तो सिर्फ अपने सवाल का उत्तर चाहते है।

**श्री अध्यक्षः** मैंने कौल एंड भाकधर की बुक को पढ़ा है इसमें लिखा है कि सैंट्रल गवर्नमैंट और स्टेट गवर्नमैंट के बीच जो पत्र व्यवहार चल रहा हो, उसके बारे में यहां पर सवाल नहीं पूछे जा सकते।

**श्रीमती चंद्रावतीः** हमने तो सिर्फ एक पर्टीकुलर चीज के बारे में पूछा है कि is it a fact taht the Central Government has disapproved of the creation and constitution of this Board? I want the answer to this question in yes or no. Whether they have objected or not?

**Mr. Speaker:** This is what has been written in this book that no question can be asked about the correspondence going on between the Central and State Governments.

**श्रीमती चंद्रावतीः** स्पीकर साहब, मैं आपको बताना चाहूंगी कि हम पार्लियामैंट प्रोसिजर के बारे में ब्रिटेन को फालों करते है। इसके साथ ही साथ मैं यह भी बताना चाहूंगी कि जब वहां पर बम्बारी हुई थी उस समय डे टू डे की घटनाओं पर डिस्क ान हुआ करती थी। स्पीकर साहब, इस बोर्ड के अंदर करोड़ों रूपये का घपला होने जा रहा है और घपला हो रहा है। ( ाोर)

**डा0 भीम सिंह दहिया:** मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि इस बोर्ड की स्थापना स्पीडियर और इंटेग्रेटिड डिवैल्पमैंट के लिए की गई है। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि क्या इस बोर्ड के बनने से पहले वन विभाग में इन–एफीि ाएंसी और इंटेग्रेटिड डिवैल्पमैंट की जगह हैफहैजर्ड वे से डिवैल्पमैंट हो रही थी?

**चौधरी फूल चंद:** स्पीकर साहब, प्रधान मंत्री महोदय के बीस सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत हम इस काम को आगे बढ़ा रहे है। मुझे हाउस में बताते हुए यह हर्श हो रहा है कि हरियाणा वन विकास के क्षेत्र में सारे भारत वर्श के मानचित्र पर पहले नम्बर पर है।

**श्रीमती चंद्रावती:** स्पीकर साहब, हम इनकी स्पीच सुनना नहीं चाहते। हम तो अपने सवाल का डैफीनेट आनसर चाहते है। ये हमें एवाइड कर रहे है और बड़ा वेग रिप्लाई दे रहे है। We want your protection, Sir.

**श्री मंगल सैन:** स्पीकर साहब आपने अभी कौल एंड भाकधर की बुक के बारे में कहा है। इस संबंध में मेरी अर्ज यह है कि जिस पेज को आपने पढ़ा है वह मेंने भी पढ़ा है। इस पेज के अंदर जो लिखा हुआ है वह तो हम को स्पोर्ट करता है। इसमें लिखा है कि–

"In matters which are or have been the subject of correspondence between the Government of India and the

Government of a State, no question is permitted except as to a matter of fact, and the answer to such a question is confined to a statement of facts."

हम तो सिर्फ यही पूछना चाहते है कि क्या इस बोर्ड की स्थापना के संबंध में सैंट्रल गवर्नमैंट ने कोई एतराज किया है या नहीं?

**चौधरी फूल चंदः** यह सही है कि सैंट्रल गवर्नमैट ने कोई ऐतराज नहीं किया।

**चौधरीर रो ान लाल आर्यः** स्पीकर साहब, अभी बहन जी ने कहा है कि इस बोर्ड के अंदर बहुत घपला हो रहा है और घपला होने जा रहा है। मै तो सिर्फ यही कहना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री महोदय सिर्फ एक सुंदर पौधे को बढ़ावा देने के लिए ही इस बोर्ड का गठन कर रहे है जो कि मुख्य मंत्री की निजी पसंद है और हरियाणा की जनता पर नाजायज बोझ डाल रहे हे।

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** स्पीकर साहब, मैं आर्य साहब को काफी अच्छा एम0एल0ए0 समझता था। ये संस्कृत भी अच्छी पढ़े हुए है। इनकें संबंध में मैं यदि कुछ कहूंगा तो वह मुझे भी अच्छा नहीं लगता। इनको यह पता होना चाहिए कि इस बोर्ड का जो गठन किया गया है, वह प्रधानमंत्री के बीस सूत्री कार्यकम के अंतर्गत किया है। दूसरे प्रांतों में भी इस तरह के बोर्ड और कार्पोरे ान्ज है। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि वर्श 1980–81 के अंदर सिर्फ डेढ़ करोड़ वृक्ष लगे

थे और वर्श 1981–82 के दौरान, जिस समय यह महकमा श्री देवेंद्र भार्मा के पास था, उस समय 6 करोड़ वृक्ष लगे थे। इलाके के हिसाब से सारे भारत वर्श में हरियाणा के अंदर सबसे ज्यादा पेड़ लगे है। क्षेत्रफल के हिसाब से मध्यप्रदे ा और जनसंख्या के हिसाब से उत्तर प्रदे ा सबसे बड़े राज्य है। इन राज्यों के अंदर नौ करोड़ वृक्ष लगाने की योजना है। स्पीकर साहब, मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि वर्ल्ड बैंक ने हमें वृक्ष अधिक लगाने के बारे में एक बहुत बड़ा सर्टिफिकेट दिया है और हमारे काम की सराहना की गई है। हमने इस काम में बेमिसाल तरक्की की हैं। हम बीस सूत्री कार्यकम के तहत इस काम को अधिक से अधिक बढ़ा रहे है। इसलिए इस बोर्ड की स्थापना की गई है।

**श्री बीरेंद्र सिंहः** जैसा कि मुख्य मंत्री जी ने बताया कि इस बोर्ड की स्थापना इसलिए कि गई है ताकि एफि ाएंसी बढ़ाई जा सके। क्या मुख्य मंत्री जी बतायेंगे कि दूसरे विभागों के काम को भी बढ़ावा देने के लिए उनके अंदर बोर्ड आदि बनाने का विचार है?

**चौधरी भजन लालः** इनको पता होना चाहिए कि दूसरे विभागों में भी बोर्ड और कार्पोरे ान बने हुए है। एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट के अंदर एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड है, एग्रो इडस्ट्रीज कार्पोरे ान है। इसी प्रकार से दूसरे विभागों के अंदर

कार्पोरे ान और बोर्ड बने हुए है। इनको इस बात का पता होना चाहिए क्योंकि ये मंत्री भी रहे है।

**श्री मंगल सैनः** क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि किसी बोर्ड में या कार्पोरे ान में तीन या तीन से अधिक आफिसर डैपूटे ान पर जा सकते है? इन्होंने इस बोर्ड के अंदर तीन आफिसर डैपुटे ान पर भेजे है। इसलिए मंत्री महोदय इस संबंध में स्थिति स्पश्ट करें कि क्या केंद्र ने इस बात पर भी आपत्ति की है?

**चौधरी फूल चंदः** यह मामला हाई कोर्ट में चल रहा है। इसलिए यहां पर उस संबंध में कुछ नहीं कहा जा सकता।

**श्री हीरा नंद आर्यः** स्पीकर साहब, यह सवाल बड़ा इम्पौरटैंट है, इस पर हाफ एन आवर डिस्क ान अलाउ कर दें। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्षः** 14 तारीख को फौरेस्ट पर एक बिल आ रहा है, उस पर आप बोल लेना। (व्यवधान)

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, इस क्वे चन के औकईयन पर मिनिस्टर साहब का जवाब बड़ा असंतोशजनक है। यह इस क्वै चन के जवाब को इवेड कर रहे है, कुछ छुपा रहे है। (व्यवधान)

**Mr. Speaker:** Question Hour is now over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

**Linning of Channels**

***141. Shri Hira Nand Arya:** Will the Minister for Irrigation and Power to pleased to state-

(a) the total amount of expenditure incurred by the MITC for brick lining the channels in the State togetherwith the quantity of water saved as a result thereof; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to bear the whole cost of lining the channels?

**सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला):**

(क) हरियाणा राज्य लघु सिंचाई (नलकूप) निगम ने खालों को पक्का करने पर 31—3—82 तक 5583.39 लाख रूपये व्यय किये तथा 1—4—1982 से 31—12—82 तक लगभग 650 लाख रूपयै अतिरिक्त खर्च किए जा चुके है। 31—12—82 तक लगभग पांच लाख एकड़ फुट पानी की बचत खालों को पक्का करने द्वारा हुई है।

(ख) नहीं, जिन भूस्वामियों के पास 2.5 एकड़ से कम भूमि है उनसे जलमार्गों को पक्का करने पर किये गये खर्च की कोई वसूली नहीं की जा रही है तथा जिन भूस्वामियों के पास 2.

5 एकड़ से अधिक भूमि है उनसे खर्च की पचास प्रति ात वसूली की जा रही है। अतः 2.5 एकड़ से अधिक भूस्वामियों से जलमार्गों को पक्का करने पर हुये खर्च को स्वयं सहन करने बारे, कोई प्रस्ताव नहीं है।

**Water Works at Ellenabad and Dudiawali**

***167. Shri Bhagi Ram:** Will the Minister of State for Public Health be pleased to state whether the construction work on the water works at Ellendabad and Dudiawali in district Sirsa has been started; if so, the date/dates thereof and the time by which it is likely to be completed?

**Minister of State for Public Health (Chaudhri Lal Singh):** Yes. Dudiawali and Ellenabad water supply schemes were partially put in operation in Aprila & May, 1982 respectively. The exact date by which the remaining parts of the schemes will be implemented cannot be specified at this stage.

**Hostel for Girl Students**

***156. Shri Ram Bilas Sharma:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Hostel for the girl students fo Government High School, Mohindergarh; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Hostel is likely to be constructed?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):

(क) जी नहीं।

(ख) प्र न ही नहीं उठता।

**Conditions laid down for the opening of Schools in villages**

***162. Smt. Basanti Devi:** Will the Minister fo State for Education be pleased to state-

(a) whether for opening schools in the rural areas in the State the residents of the concerned villages are required to fulfil certain conditions laid down for the purpose; and

(b) if so, whether the conditions mentioned in part (a) above are applicable for opening schools in the urban areas also?

**Minister of State of Education (Shri Jagdish Nehra)A**

(a) Yes.

(b) Yes.

**T.A./D.A. and Telephone Bills of the Council of Ministers**

***209. Chaudhri Om Parkash, Shri Fateh Chand Vij:** Will the Chief Minister be pleased to state the amount of expenditure incurred on the T.A./D.A. and telephone bills of the Chief Minister and each of the Ministers, including the

Chief Parliamentary Secretary and Parliamentary Secretaries during the period from 23&5&1982 to date?

**Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):** A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House (Annexure-A).

ANNEXURE-A

| Sr. No. | Name and Designation | T.A./D.A. | Telephone Bills | Remarks |
|---|---|---|---|---|
| | S/Shri- | | | |
| 1 | Bhajan Lal C.M. | 8632-75 | 1,18,593-67 | |
| 2 | Shamsher Singh Surjewal I.P.M. | 5419-00 | 23,703-20 | |
| 3 | Harpal Singh T.C.M. | 6980-50 | 54,898-20 | |
| 4 | Lachhman Singh I.M. | 6374-00 | 36,432-00 | |
| 5 | Col. Rao Ram Singh T.M. | 8931-00 | 22,354-80 | |
| 6 | Rajinder Singh F.S.M. | 3111-00 | 20,183-85 | |
| 7 | Smt. Sharda Rani D.M. | 5624-50 | 24,599-60 | |
| 8 | Smt. Parsanni Devi | 3978-00 | 28,111-10 | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | H.A.M. | | | |
| 9 | Sh. Surinder Singh A.M. | 3535-00 | 26,385-00 | |
| 10 | Smt. Shakuntla Bhagwaria S.W.M. | 4845-00 | 19,464-00 | |
| 11 | Birender Singh C.D.M. | 4543-00 | 22,996-00 | |
| 12 | Phool Chand R.M. | 12949-00 | 15,025-20 | |
| 13 | Katar Singh F.M. | 3825-00 | 26,101-30 | |
| 14 | Kalyan Singh H.J.M. | 5286-00 | 25,410-20 | |
| 15 | Brij Mohan Singla E.T.M. | 6528-00 | 28,526-35 | |
| 16 | Goverdhan Dass Chauhan M.P.W. | 4809-00 | 24,459-50 | |
| 17 | Lal Singh M.P.H. | 4016-25 | 17,862-00 | |
| 18 | A.C. Chaudhary M.L.G. | 8466-00 | 9,108-30 | |
| 19 | Rajesh Kumar Sharma M.L.E. | 5137-25 | 12,269-80 | |
| 20 | Chanda Singh M.T. | 6241-50 | 24,148-50 | |
| 21 | Rahim Khan M.I.P. | 4316-00 | 18,351-50 | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 22 | Jagdish Nehra M.E. | 6411-00 | 63,475-00 | |
| 23 | Lachhman Dass Arora M.T.E. | 5658-50 | 23,461-50 | |
| 24 | Amar Singh Dhanak C.P.S. | 2040-00 | 6,747-80 | |
| 25 | Mohan Lal Pipal P.S. | 2040-00 | 4,056-75 | |

**Construction of Kungar Minor**

***192. Shri Inder Singh Nain:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether the construction work on the Kungar Minor (Hissar Circle) is in progress; if so, the time by which it is likely to be completed?

**Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala):** Yes. The Construction of Kungar Minor is likely to be completed by the end of April, 1983.

**Tractors sold by Haryana Agro Industries Corporation on Hire-purchase Basis**

***184. Prof. Sampat Singh, Chaudhri Om Parkash:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether the Haryana Agro-Industries Corporation has sold any tractor to any of its entrepreneur on hire-purchase basis during the period from January, 1976 to-date; if so, the number thereof;

(b) the total cost price of such tractors in 1976;

(c) whether the cost thereof was reduced in 1979; if so, the reasons therefor; and

(d) the total outstanding principal amount on account of tractors sold under the Hire-Purchase Scheme, referred to in part (a) above, alongwith the amount of interest accrued thereon as on 31&12&1982, and the details of security the Corporation is having for its recovery?

**कृशि मंत्री (चौधरी सुरेंद्र सिंह):**

(क) जी हां, 58।

(ख) 1976 में कोई ट्रैक्टर नहीं खरीदा गया था, इसलिए 1976 में कुल कीमत का प्र न नहीं उठता। इसलिए उत्तर के भाग (क) में निर्दिश्ट ट्रैक्टर 1969 से 1973 तक खरीदे गये थे और उनकी कुल कय मूल कीमत 16,71,923.27 रूपये थी। 1976 में बुक वैल्यु 9,58,135.01 रूपये थी।

(ग) जी नहीं।

| | | रूपये |
|---|---|---|
| (घ) (1) | कुल बकाया मूल रा ि | 20,13,779.48 |
| (2) | 31—12—82 तक उपार्जित ब्याज | 52,53,239.90 |

| | | |
|---|---|---|
| (3) | प्रतिभूतियां | 2,19,677.00 |

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

**Adjustment of unemployed J.B.T. Teachers**

**30. Prof Sampat Singh:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) what is the number of vacancies of S.S. Masters in Schools at present; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government for adjusting J.B.T. teachers (who have already been given pay scales of S.S. Masters) agaisnt S.S. Masters post; if not, the reason therefor?

**ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):**

(क) 880

(ख) जी नहीं। फिर भी 203 पुरूश तथा 87 महिला अध्यापकों को उनके पदोन्नति कोटे के अनुसार मास्टरज/मिस्ट्रैसिज के पदों पर समायोजन करने का प्रस्ताव विभाग के विचाराधीन है। भोश को उसी समय समायोजित किया जा सकेगा, जब 33 प्रति ात विशयानुसार कोटे के अनुसार पदोन्नति के पद उपलब्ध हो जायेंगे।

उन सभी जे0बी0टी0 अध्यापकों को जिन्हें पहले ही एस0एस0 मास्टर का वेतनमान दिया गया है, को पदोन्नत नहीं किया जा सकता, क्योंकि पदोन्नत करने के लिए निर्धारित नियम है, जिसके अनुसार केवल 33 प्रति ात जे0बी0टी0 अध्यापकों को विशय अनुसार पदोन्नत किया जाता है।

**Raj Hans Hotel at Surajkund**

**31. Prof. Sampat Singh:** Will the Minsiter of State for Technical Education be pleased to state the total expenditure incurred on the Raj Hans Hotel at Surajkund and the monthwise income by occupation thereof after its completion up to date?

**तकनीकी ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री लछमन दास अरोड़ा):** सूरज कुण्ड में स्थित होटल राज हंस पर दिसम्बर, 1982 तक का कुल खर्च 2,27,66,982/– रूपये था। होटल के कुछ स्थान पर निर्माण कार्य चल रहा है। होटल का कुछ भाग दिसम्बर, 1982 में चालू कर दिया गया था और इससे हुई मासिक आय का ब्यौरा निम्मनलिखित है:

| | | |
|---|---|---|
| (क) | दिसम्बर, 1982 | 21,948.00रू0 |
| (ख) | जनवरी, 1983 | 36,197.00रू0 |
| (ग) | फरवरी, 1983 | 91,604.00रू0 |

**Stay of the Chief Minister at Delhi**

**32. Prof. Sampat Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the number of days he remained at Delhi during the period from May 23, 1982 to date; and

(b) the amount of expenditure incurred by the State Government on his visits and stay at Delhi during the said period?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) 142 दिन

(ख) 72648 रूपये

**Written off Debts/Bad Debts of Persons/Firms**

**38. Smt. Chandravati:** Will the Prime Minister for Industries be pleased to state the names of the persons, firms or companies with their full addresses whose debts/bad debts have been written off by the Government during the years 1980-81, 1981-82 and 1982-83 (todate) togetherwith the amount involved in ech case?

| Sr. No. | Name & address of the party | Amount | |
|---|---|---|---|
| | | Principal (in Rs.) | Interest (in Rs.) |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | S/Shri. | | |
| 1 | Walayati Ram s/o Jiwan Ram, Raipur Rani, Teh. Naraingarh, Distt. Ambala | 500-00 | 452-00 |
| 2 | Gurmukh Singh s/o Laxmi Chand, G.T. Road, Ambala City. | - | 704-00 |
| 3 | Mathura Dass s/o Nand Lal, 35, Rangia Mandi, Ambala Cantt. | 330-00 | 271-28 |
| 4 | Ganga Ram s/o Rulia Ram, VPO Ramgarh, Teh. Naraingarh Distt. Ambala | 100-00 | 419-65 |
| 5 | Parjan Ram s/o Ram Ji Lal Vill. Sudhir, Teh. Karnal | 400-00 | 421-00 |
| 6 | Gurdit Singh, H. No. 2492-A, Ambala Cantt. | 1000-00 | 1467-74 |
| 7 | Bharat Bhushan s/o Kalyan Chand, Jain, H.No. 5012 Moh. Gopal Sayay A/Cantt. | 1000-0 | 811-35 |
| 8 | Gobind Ram s/o Dhanpal, H.No. 4801, Mochi Mandi, A/Cantt. | 400-00 | 445-00 |
| 9 | Duli Chand s/o Chuni Lal Rangia Mandi, A/Cantt. | 525-00 | 383-83 |
| 10 | Pancham Lal s/o Devi Ram, 52, B.C. Bazar, A/Cantt. | - | 274-47 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 11 | Matu Ram s/o Bahadur Ram Majri H.No. 8471, A/City | 1000-00 | 891-20 |
| 12 | Prem Dass s/o Kala Ram, 73, Rangia Mandi, A/Cantt. | - | 382-90 |
| 13 | Ram Ji Lal s/o Khacheru Ram, H.No. 46, Rangia Mandi A/Cantt. | 460-00 | 458-90 |
| 14 | Girdhar Gopal bhatia s/o Sham Sunder, Karnal | 1439-0 | 1778-00 |
| 15 | Smt. Shallo Devi w/o Brij Mohan, A/769, Sadar Bazar, Karnal | 1439-00 | 1778-00 |
| 16 | Kesri Dass s/o Pusia Ram, H.No. 32, Rangia Mandi, A/Cantt. | 580-00 | 595-25 |
| 17 | Raipur Rani Weavers Co-op. Indl. Society, Raipur Rani | - | 960-0 |
| 18 | Ram Gopal s/o Surja Ram, Mochi Mandi, Sirsa | 750-00 | 910-00 |
| | | 8484.00 | 11,626. 77 |
| | S/Shri | | |
| 19 | Prabhu Dayal s/o Basant Ram, 77, Rangia Mandi A/Cantt. | 150-00 | 75-65 |
| 20 | Joginder Singh s/o Hari Singh. 7760/4, A/Cantt. | 800-00 | 1157-31 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 21 | Lala Ram s/o Badai Ram, 43, Rangia Mandi, A/Cantt. | 450-00 | 472-70 |
| 22 | Krishan Lal s/o Bansi Lal, A/Cantt. | 570-00 | 643-12 |
| 23 | Tek Chan s/o Ram Parshad, Karnal | 150-00 | 583-00 |
| 24 | Heri Kishan s/o Shankar Lal, 1267, Teli Mandi, A/Cantt. | 1000-00 | 1501-80 |
| 25 | Prabhu Dayal s/o Khood Ram, Near Tehsil Office, Dabwali | 270-00 | 698-75 |
| 26 | Kabul Ram s/o Shri Jai, Vill. Garhi Ajala, Sonepat | 100-00 | 170-90 |
| 27 | Dewa Ram s/o Harpal Singh, Anaj Mandi, Dadri | - | 1535-70 |
| 1982-83 (todate) | | 3120.0 | 4333.58 |
| 1 | Sewa Singh s/o Sadhu Singh H.No. 2436, D.C. Road A./Cantt. | 230-00 | 820-65 |
| | | 230.00 | 820.65 |

**Written off Debts/Bad Debts in the Cooperation Department**

**39. Smt. Chandravati:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state the names of the persons,

firms, companies or societies with their full address whose debts/bad debts have been written off in the Cooperation department by the Government during the years 1980-81, 1981-82 and 1982-83 (todate) togetherwith the amount involved each case?

**सहकारिता मंत्री (चौधरी बीरेंद्र सिंह):** सूचना एकत्रित करने में जो समय तथा परिश्रम लगेगा। उससे कोई वि ोश लाभ नहीं होगा।

**Erection of Police Barriers in the State during Asiad Gamees, 1982**

**40. Shri Mangal Sein:** Will the Chief Minister be pleased to state the names of places where police barriers were erected in the State during Asiad Games 1982 to check the Akalis from going to Delhi during the months of November and December, 1982 togetherwith the number of policemen posted there?

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** यातायात की समुचित व्यवस्था, नारकोटिक की चोरी की रोकथाम, अपराधियों को पकड़ने तथा नाजायज हथियारों की प्राप्ति के लिए पुलिस द्वारा राज्य में राश्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर समय समय पर नाके लगाये जाते है। इसके अतिरिक्त मास नवम्बर, 1982 में कुछ राजनैतिक समुदायों तथा व्यवस्था को खतरा हो गया था। इसके लिये यह आव यक हो गया था कि इस राज्य में इसके विरूद्ध कुछ पग उठाये जायें, जिनमें सड़कों पर बैरियर लगाना भी भाामिल था। इस संबंध में

वांछित सूचना एकत्रित करने में जो समय और धन रा ि ा व्यय होगी वह उस ध्येय की पूरक ना होगी, जिसके लिये यह सूचना मांगी गई है।

**Over head service reservoir at Julana**

**41. Chaudhri Kulbir Singh Malik:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether any over head service reservoir was constructed by the Marketing Board at Julana; if so, the date fo construction thereof: and

(b) whether the above said reservoir is working properly; if not, the reasons therefor, togetherwith the time by which it is likely to start functioning properly?

**कृशि मंत्री (चौधरी सुरेंद्र सिंह):**

(क) जी हां। जुलाना में हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड द्वारा 10,000 गैलन की क्षमता वाला एक ऊध्ववर्ती सेवा जलागार वर्श 1977 में बनाया था।

(ख) उक्त जलागार इसके बनाए जाने के तिथि से ही कार्य नहीं कर रहा है क्योंकि भूमिगत जल खारा तथा मानव उपयोग के लिए ठीक न होने के कारण नलकूप नहीं लगाया जा सका। गांव जुलाना की जल वितरण योजना के साथ जल उपलब्ध कराने के उद्दे य से मामला जन स्वास्थ्य प्राधिकारियों

से उठाया गया है। जब भी पानी का संबंध उपलब्ध हो जाएगा जलागार कार्य करना आरम्भ कर देगा।

**Food Storage Godown at Julana**

**42. Chaudhri Kulbir Singh Malik:** Will the Minister for Food & Supplies be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a food storage godown of 10,000 tonnes capacity at Julana; if so, the time by which it is likely to be constructed?

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** नहीं। दो–दो हजार टन की क्षमता के गोदाम जुलाना में बनाने का प्रस्ताव हरियाणा भंडार गृह निगम एंव हैफेड के विचाराधीन है। इनमें से किसी भी संस्था ने इस कार्य के लिए अब तक जमीन नहीं खरीद की है।

**House Rent Allowance**

**43. Chaudhri Kulbir Singh Malik:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the names of the cities in the State, the population of which is more than 25 thousand and one lakh, respectively, on the basis of census figures of 1981;

(b) whether the House Rent Allowance and other Allowances have been allowed to the Government employees posted in the cities, referred to in part (a) above, on the basis of 1981 census figures of population; if not, thereasons therefor; and

(c) whether it is a fact that House Rent Allowance of the Government employees posted at Jhajjar has been withdrawn on the basis of decrease in the population of the said city as revealed in 1981 census figures?

**वित मंत्री (चौधरी कटार सिंह छोकर):**

(क) वर्श 1981 की जनगणना के आधार पर निम्नलिखित भाहरों/कस्बों की जनसंख्या कम ाः 25,000 तथा एक लाख से अधिक हैः–

| (1) 25,000 से अधिक | |
|---|---|
| 1 | हांसी |
| 2 | रिवाड़ी |
| 3 | कैथल |
| 4 | जगाधरी |
| 5 | गुड़गांवां |
| 6 | पलवल |
| 7 | नारनौल |
| 8 | थानेसर |
| 9 | बहादुरगढ़ |

| | |
|---|---|
| 10 | जींद |
| (2) एक लाख से अधिक | |
| 1 | चण्डीगढ़ |
| 2 | अम्बाला कैंट |
| 3 | अम्बाला भाहर |
| 4 | रोहतक |
| 5 | फरीदाबाद |
| 6 | यमुनानगर |
| 7 | करनाल |
| 8 | पानीपत |
| 9 | सोनीपत |
| 10 | भिवानी |
| 11 | हिसार |

नोटः– पंचकूला सभी प्रैक्टीकल प्रयोजनों के लिए इस वर्ग में आता है यद्यपि यह अभी अधिसूचित नहीं किया गया है।

(ख) मकान किराया भत्ता

(1) मकान किराया भत्ता स्वीकृत करने के लिए वर्श 1971 की जनगणना को वास्तविक आधार माना गया था। सरकार द्वारा 1981 की जनगणना की रिपोर्ट को भीघ्र ही स्वीकार तथा अपनाए जाने की सम्भावना है। मैं इस संबंध में घोशणा वर्तमान सै ान में करने की आ ाा करता हूं।

प्रतिपूर्ति भत्ता

(2) भाहरी प्रतिपूर्ति भत्ता राज्य के उन सरकारी कर्मचारियों को देय है जो विभिन्न ऐसे भाहरों में स्थित तथा निवास करते हों जिनकी जनसंख्या एक लाख से ऊपर तथा उसका क्षेत्र 30 वर्ग किलोमीटर हो।

(ग) हां। झज्जर में नियुक्त सरकारी कर्मचारियों से मकान किराए की सुविधा को वापिस ले लिया गया है। यह भाहर वर्श 1971 तथा 1981 की जनगणना की रिपोर्ट के अनुसार मकान किराए के प्रायोजन के लिए योग्य नहीं बनता है क्योंकि इसकी जनसंख्या 25000 से कम है। झज्जर में मकान किराया भत्ता को जारी रखे जाने की प्रथा का तात्पर्य भेदभाव होता। दुर्भाग्यव ा उस समय के वित मंत्री ने मास मई 1979 में इस सुविधा को देते समय सभी तथ्यों को ध्यान में नहीं रखा था।

**Allotment of plot to Post Office, Jind**

**44. Chaudhri Kulbir Singh Malik:** Will the Minister for Local Government be pleased to state:

(a) whether it is fact that a sum of Rs. 3,12,500.00 was deposited by the Jind Post Office in March, 1981 with the Improvement Trust fo the said City for the allotment of a plot under Trust Scheme No. 19 in Vivekanand Nagar; and

(b) if so, whether the plot has been allotted and possession thereof given to the said Post Office and, it not, the reasons therefor togetherwith the time by which it is likely to be allotted and possession thereof given?

**स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (श्री ए0सी0 चौधरी):**

(क) जी हां।

(ख) जी, नहीं यह केस सरकार के पास विचाराधीन है और इस बारे में निर्णय जितना जल्दी संभव होगा लिया जायेगा।

## विभिन्न विशयों का उठाया जाना

## (1) बिजली के बिलों को बढ़ा चढ़ा कर चार्ज करने संबंधी

**श्री बीरेंद्र सिंहः** स्पीकर साहब,बिजली बोर्ड कें संबंध में मेरी एक काल अटैं ान मो ान है कि बिलों को काफी बढ़ा चढ़ा कर चार्ज किया जा रहा है, जो 9—10 दिन से पैंडिंग है, इसके बारे में क्या बना?

**श्री अध्यक्षः** वह मैंने एडमिट कर ली है और 15 तारीख के लिए रखी है।

**(2) गांव मुणसर के समीप ट्रैक्टर के जलने से अंतर्ग्रस्त घटना संबंधी**

**श्रीमती चंद्रावतीः** स्पीकर साहब, मेरी एक काल अटैं ान मो ान थी जिसमें गांव मुणसर के समीप एक ट्रैक्टर को जलाये जाने का जिक है। इसके बारे में कोसली गांव में 62 गांवों की पंचायत हुई थी। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्षः** इसको मैंने डिसअलाऊ कर दिया है। (व्यवधान)

**श्रीमती चंद्रावतीः** स्पीकर साहब, इस पर हाउस में डिस्क ान होनी चाहिए। हुकम सिंह एम0एल0ए0 के भाई श्री महा सिंह द्वारा एक ट्रैक्टर को जला दिया गया है, कम से कम चीफ मिनिस्टर साहब की तरु से स्टेटमैंट आनी चाहिए। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्षः** यह मैंने डिसअलाऊ कर दी है, आप बैठ जाइए।

**(3) श्रीमती करतार देवी, एम0एल0ए0 द्वारा सांपला विश्राम गृह में एक महिला के अभिकथित बलात्कार के मामले में जांच रिपोर्ट देने संबंधी**

**डा0 भीम सिंह दहिया:** स्पीकर साहब, पिछले सै ान में एक व्यक्ति श्री आनंद भार्मा के खिलाफ एक बलात्कार का केस आया था, उसने किसी लड़की के साथ बलात्कार किया था और इसकी इन्कवायरी के लिए एक आनरेबल मैम्बर को डिप्यूट किया था कि इन्कवायरी करके अगले सै ान में अपनी रिपोर्ट सबमिट करें। मैं आप से पूछना चाहता हूं कि क्या उन्होंने रिपोर्ट तैयार करके सबमिट कर दी है या नहीं?

**श्री अध्यक्ष:** आज की सिटिंग के बाद मैं मैम्बर साहिबा को अपने चैम्बर में बुला लूंगा और मंडे को इसका रिप्लाई दे दूंगा।

**ध्यानाकर्शण सूचना–**

**मिट्टी के तेल की दोहरी नीति संबंधी**

**श्री अध्यक्ष:** आनरेबल मैम्बर्ज, मुझे श्री राम विलास भार्मा की तरफ से कैरोसीन आयल की डुअल पालिसी के बारे में काल अटैं ान मो ान का नोटिस मिला है, मैं इसको एडमिट करता हूं। आनरेबल मैम्बर अपना नोटिस पढ़ दें और अगर मंत्री महोदय आज जवाब देना चाहे तो दे दें।

**श्री राम बिलास भार्मा:** मैं इस ध्यानाकर्शण प्रस्ताव के माध्यम से सरकार का ध्यान एक लोक हित के अत्याव यक मुद्दे पर दिलाना चाहता हूं। मिट्टी के तेल की जब से दोहरी नीति तय हुई है तब से पूरे प्रांत में मिट्टी का तेल गरीब आदमी, की पहुंच

से बाहर हो गया है। रा ान पर 1.95 रू0 प्रति लीटर मिलने वाला तेल गरीब जनता को मिल नहीं रहा है। खुल बाजार में तेल 3.20 रू0 प्रति लिटर भी नहीं मिल रहा है। पूरी गरीब आबादियों में इस दिक्कत और पेर ाानी को लेकर चिंता छाई हुई है। इस मंहंगाई के जमाने में गरीब आदमी के लिए काले बाजार में महंगा मिट्टी का तेल लेना संभव नहीं है। मैं इस महान सदन के माध्यम से इस संबंध में सरकार की कोई स्पश्ट नीति जो आम आदमी को राहत दे सके जानना चाहता हूं। सयरकार तुरन्त ऐसे आदे ा जारी करे ताकि तेल रा ान पर उपलब्ध हो सके और जो काले बाजार में सलिंप्त है चाहे वे अधिकारी हों या डीलर हो सख्त सजा की घोशणा करे।

**उद्योग मंत्री (श्री लछमन सिंह):** मैं इसका जवाब 14 तारीख को दे दूंगा।

**राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)**

**श्री अध्यक्ष:** अब गवर्नर एड्रैस पर डिस्क ान रिज्यूम होगी। चोधरी नरसिंह जी 9 तारीख को बोल रहे थे, अपनी स्पीच कंटीन्यू करें।

**चौधरी नरसिंह (पाई):** अध्यक्ष महोदय, परसों राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा करते हुए गवर्नर एड्रैस का विरोध कर रहा था। कुछ बातें तो मैंने उस दिन कह दी थी लेकिन अब मैं आपके सिर्फ दो मिनट लेना चाहता हूं। राज्यपाल महोदय ने

जो सुंदर अक्षरों में जो अभिभाशण पढ़ा है। वह डिपार्टमैंट ने तैयार किया हुआ था, इन्होंने तो केवल पढ़ा ही है। इस एड्रैस में जिन स्कीमों का जिक किया है, वे कुछ तो लागू हो गई है और कुछ लागू करेंगे। मिसाल के तौर पर इन्होंने पंजाब सरकार को रावी ब्यास की नहर बनाने के लिए बीस करोड़ रूपया दिया लेकिन अभी तक कोई काम नहीं हुआ है। यह रूपया पंजाब सरकार ने स्वयं खर्चा है। इतना रूपया देकर हरियाणा के ऊपर बहुत बड़ा बर्डन डाला गया है। इसके इलावा आज हरियाणा में इतना भ्रश्टाचार बढ़ गया है जिसकी कोई मिसाल नहीं मिलती। भााहबाद का एक केस है जो आपके हलके का एक गांव हैं आज एग्रीकलचर डिपार्टमैंट, एग्रीकलचर पर बहुत ज्यादा पैसा खर्च कर रहा है। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में बताया है कि मार्किटिंग बोर्ड पर और इसी तरह के दूसरे बोर्डज पर रूपया खर्च किया जा रहा है ताकि किसानें की हालत सुधारी जाये। (व्यवधान)

**श्रीमती चंद्रावतीः** आन ए प्वायंट आफ आर्डर, जनाब स्पीकर साहब। आपने अगला टाईम भाुरू कर दिया। हम एक मिनट के लिए बाहर गये थे और बाहर इसलिए गए थे क्योंकि हाउस में काल अटैं ान मो ान पर बात हो रही थी। जैसा कि आपसे बात हुई थी, श्री किताब सिंह से स्टेटमेंट दिलवानी थी, वह रह गई है, उनको बोलने का मौका दें।

**Mr. Speaker:** The hon. Member was not present. The business of the House cannot be stopped if the hon. Member is not present.

**श्रीमती चंद्रावतीः** किताब सिंह यहां बैठे है और आपने कहा था कि इन से स्टेटमेंट दिलवायेंगे। (व्यवधान)

**श्री अध्यक्षः** कहां बैठे है किताब सिंह?

**श्रीमती चंद्रावतीः** स्पीकर साहब, आपका कमिटमैंट है इसलिए आप उन्हें बोलने का मौका दें।

**श्री अध्यक्षः** कमिटमैंट तो किसी आदमी के साथ ही की जा सकती है, लेकिन वे अपनी सीट पर नहीं हैं। अगर वे बैठे होते तो ठीक था। चौधरी नर सिंह, कृपया अपनी स्पीच जारी रखें।

**चौधरी नर सिंहः** स्पीकर साहरब, मैं कह रहा था कि आज भ्रश्टाचार बहुत ज्यादा बढ़ गया है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट पर बहुत पैसा खर्च किया जा रहा है लेकिन मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि बीस सूत्रीय कार्यक्रम का नाम लेकर खेतीबाड़ी पर जो रूपया खर्चा जा रहा है वह निरा धोखा है। इस बीस सूत्रीय कार्यक्रम की आड़ में इस डिपाटमैंट में 1 लाख 72 हजार रूपये का घपला हुआ है और एग्रीकल्चर को खत्म कर दिया है। सरहेड़ी गांव के एक व्यक्ति द र्ान सिंह जी है, इन्होंने सैंटर के कृशि मंत्री श्री बीरेंद्र सिंह

और इस प्रदे ा के मुख्य मंत्री को लिख कर भी दिया है कि 1 लाख 72 हजार की जो हेराफेरी हुई है इसकी इन्कवायरी करवाई जाए। मेरे पास इस के बारे में एफिडैविट भी है, लेकिन सरकार उन अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं कर रही जिन्होंने हेराफेरी की है। जिन किसानों को बीज की चार बोरियां मिलनी थी उसको एक बोरी दी गई, जिसको चार कट्टे खाद के मिलने थे उसकी जगह एक कट्टा मिला और इसी तरह जिसको कीड़े मार दवाईयां के चार डिब्बे मिलने थे उसको एक डिब्बा मिला। इस तरह इस डिपार्टमैंट में 1 लाख 72 हजार रूपये का घपला हुआ। किसान के नाम पर ये सारे घपले होते है। सरकारी कर्मचारी आपस में मिल–मिलाकर यह पैसा खा गये। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस केस की इन्कवायरी करवाई जाये और जिन अधिकारियों का कसूर पाया जाए उनको सजा दी जाए।

इसके इलावा कुरूक्षेत्र में एक जनता हाई स्कूल है। इस में ड्रफ्टसमैंन की क्लासिज के लिए सरकर ने मंजूरी दे दी थी। इस में तीस बच्चों ने दो साल तक पढ़ाई की लेकिन उन्हें इम्तिहान देने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने इसके खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की और हाई कोर्ट ने उनको इत्तिहान दिलाने का हुक्म दे दिया। लेकिन अफसोस की बात यह है कि इम्तिहान देने के बाद भी वे दर दर की ठोकरें खा रहे है। (घंटी)

**श्री अध्यक्षः** अब राव निहाल सिंह जी बोलेंगे।

**श्रीमती चंद्रावती:** जनाब स्पीकर साहब, आपने स्वयं कहा था कि श्री किताब सिंह से स्टेटमैंट दिलायेंगे।

**श्री अध्यक्ष:** वे तो अब भी नहीं बैठे। अगर वे बोलना चाहेंगे तो बोल लेंगे। अब राव निहाल सिंह जी बोलेंगे।

**श्री अध्यक्ष:** वे तो अब भी नहीं बैठे। अगर वे बोलना चाहेंगें तो बोल लेंगे। अब राव निहाल सिंह जी बोलेंगे।

**श्री निहाल सिंह (अटेली):** स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बहस चल रही है, मैं इसका विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं। बहन करतार देवी ने धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है, इन्होंने तो रखना ही था, अगर ये न रखती तो मैं समझता हूं कि ये रूलिंग पार्टी की तरफ से सबसे बड़ी एहसानफरामो ाी होती क्योंकि गवर्नर महोदय ने उस सरकार को बनाया जो नहीं बन सकती थी। इनकी तरफ से अगर धन्यवाद का प्रस्ताव न आता तो बहुत गलत बात होती। इसी राज्यपाल महोदय ने पिछले साल प्रजातंत्र का गला घोंटा। हरियाणा की जनता ने जो फैसला दिया था उसे उल्ट करके रख दिया। इलैक ान में सौ परसैंट में 60 परसेंट वोट कांग्रेस के खिलाफ लोगों ने दिये थे। इसलिए कांगेस (आई) की सरकार किसी भी हालत में नही बन सकती थी। 90 सीटें अपोजी ान के लोगो ंने जीती थी लेकिन उसके बावजूद भी हरियाणा में कांग्रेस (आई) की सरकार बनायी गई। हरियाणा में जो यह सरकार बनी हैं, इसने

हरियाणा के नाम पर हरियाणा की जनता के नाम पर बड़ा भारी कलंक लगा दिया है जो भी गलत काम हरियाणा में हुए है..... .....और उन्हें हम से यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि हम उन्हें धन्यवाद का प्रस्ताव भेजें। इस सरकार के आने से पूर्व हरियाणा का नाम सारे दे ा और दुनियां में ऊंचा रहा है लेकिन इस प्रदे ा का नाम अगर नीचा हुआ है तो आया राम और गया राम प्रोग्राम चलने के प चात ही हुआ है। इस प्रोग्राम के चलने से हमारे प्रदे ा को बहुत भारी नुकसान हुआ है। हरियाणा में जिस समय चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री थे, उस समय हरियाणा का नाम बहुत ऊंचा हुआ था। जहां भी हम लोग जाते थे, लोग यही कहते थे कि आप हरियाणा प्रदे ा के रहने वाले है जहां पर हर क्षेत्र में बहुत ज्यादा उन्नति हुई है और हो रही है। हरियाणा प्रदे ा ने उस समय सारी बातों में नाम कमाया था लेकिन इस सरकार ने वह नाम खो दिया। जब से हमारे चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री बने है, इन्होंने तोकमाल ही कर दिया है 36 कि हिंसे को 63 में बदल दिया है। स्पीकर साहब जो उधर हमारे साथी ट्रेजरी बैंचिज पर बैठे है, वे पहले हमारे साथ हुआ करते थे लेकिन चौधरी भजन लाल जी इतने मधुर भाशी है। उनकी इतनी अलोरिंग परसनेलिटी है या उन्हें ऐसे तरीके आते है जिनके कारण जो व्यक्ति हमारे साथ अपोजी ान में बैठा करते थे, वे सभी उधर चले गये है। चौधरी अमर सिंह जी जब यहां पर बैठा करते थे तो वह कहा करते थे कि हम हरिजन मैम्बर तो मुख्य मंत्री से ऐसे छिपते फिरते है जैसे कोई सुंदर औरत किसी

बदमा ा से पीछा छुड़वाने के लिये छुपती फिरती हो लेकिन चौधरी अमर सिंह जी भी उनकी स्वीट कम्पनी, उनकी अलोरिंग परसनेलिटी को इग्नोर नहीं कर सके।

**मुख्य संसदीय सचिव (श्री अमर सिंह):** आपने भी तो हमारे साथ आने का वायदा किया था।

**श्री निहाल सिंहः** स्पीकर साहब, चौधरी फूल सिंह और श्री अमर सिंह जी ने तो मेरे साथ एक ही कमरे में रात गुजारी थी। उस टाईम तो वे ऐसी–वैसी बातें किया करते थे लेकिनआज उनके साथ पता नहीं किस तरह चले गये। जहां मुख्य मंत्री को परमात्मा ने अच्छी आदतें दी है, अच्छा स्वभाव दिया है, लिबरल एप्रोच है अगर इन्हें औरत बना दिया जाए तो हमारा यहां बैठना ही मु कल हो जाता। भगवान इन्हें फेयर सैक्स बना देता तो डाक्टर मंगल सैन जी भी उधर ही बैठते। इनमें किसी को अट्रैक्ट करने के बड़े गुण है। (हंसी)

स्पीकर साहब मैं डाक्टर साहब से माफी चाहता हूं क्योकि मजबूरी का मुझे पता नहीं था। दूसरी बात यह है कि इनमें मैनोबरिंग करने की बड़ी भारी काबलियत है। अभी पिछले दिनों हमारे दे ा में ए ियाड हुए थे। पाकिस्तान और हिंदुस्तान का हाकी मैच चल रहा था। उस समय श्रीमती इंदिरा गांधी, भजन लाल जी भी मैच देख रहे थे। हम भी वहीं मैच देख रहे थे। जब पाकिस्तान ने हिंदुस्तान पर 6–7 गोल कर दिये तो एक

गोल हिंदुस्तान ने पाक्सितान पर कर दिया। इंदिरा जी से किसी ने कहा कि आपने बड़ी भारी गलती की है, यह काम तो चौधरी भजन लाल जी के जिम्मे लगाना चाहिए था। वे इस मैच के फैसले का रिजल्ट ही बदल देते। वे या तो खिलाड़ियों से बात कर लेते, अगर वे काबू में न आते तो रैफरी को जरूर काबू कर लेते। ये अच्छे तरीके से काम कर सकते थे। (हंसी) लाल सिंह जी अभी हाउस में नहीं बैठे है लेनि उनहोंने अपने हलकें में जाकर लैक्चर दिया है कि अगर पांच साल तक चौधरी भजन लाल जी की यही सरकार रही तो हम सब को पानी पिला देंगे और सब को जिंदा ही स्वर्ग पहुंचा देंगे।

स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने चंडीगढ़ और वाटर डिसप्यूट के बारे में जो स्टैंड लिया वह बहुत अच्छा लिया। इन्होंने अपोजी ान के लोगों का भी सहयोग लिया। हमें खु ी है कि इन्होंने बड़ा अच्छा कदम उठाया है। अकालियों को एि ायाड में जाने से रोकना और वाटर डिसप्यूट और टैरेटरी के मामले में फर्म स्टैंड कायम रखना बड़ा अच्छा कदम है। अपोजी ान को साथ रखने से उनकी हौसलाअफजायी हुई है। हमें पूरी उम्मीद है कि वे भविश्य में भी अपने स्टैंड पर कायम रहेंगे। अगर मजबूरी की वजह से कोई चेंज हुई तो उसे भी हम समझते है लेकिन फिर भी उनका स्टैंड ठीक है लेकिन सब से बड़ा एतराज मुझे यह है कि सैंट्रल गवर्नमैंट ने कैबनिट की जो सब–कमेटी बनायी थी, उसमे हरियाणा की ओर से कोई मैम्बर

नहीं लियार गया। झगड़ा पंजाब और हरियाणा का था। जब पंजाब की ओर से केंद्र के मिनिस्टर सरदार बूटा सिंह को उस कमेटी मे मैम्बर ले लिया गया तो हमारे हरियाणा की ओर से जो केंद्रीय सरकार में मंत्री है उन्हें उस सब–कमेटी में मैम्बर क्यों नहीं लिया गया? क्या कारण था कि केंद्रीय सरकार ने हमारे हरियाणा के मिनिस्टर को इग्नोर किया, क्या उन्हें इस लायक नहीं समझा गया? हमारे केंद्रीय मंत्रियों या हरियाणा सरकार को इस बात पर एतराज उठाना चाहिए था कि जब पंजाब के मिनिस्टर को सब–कमेटी में लिया जा रहा है तो हरियाणा के केंद्रीय मंत्री को भी लिया जाना चाहिए और हरियाणा को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए था। राव बीरेंद्र सिंह केंद्रीय सरकार में कृशि मंत्री है और वे सरदार बूटा सिंह से सीनियर भी है लेकिन उनके बारे में विरोध किया गया इसलिए उन्हें उस कमेटी में भाामिल नहीं किया गया।

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब जो कुछ राव साहब कह रहे है, ऐसी बात नहीं है। बूटा सिंह जी पार्लियामैंटरी एफेयर्ज मिनिस्टर होने के नाते से उन्हें इस सब–कमेटी का मैम्बर बनाया गया है। पहले यह महकमा भीश्म नारायण जी के पास था लेकिन अब श्री बूटा सिंह जी के पास है इसलिए उन्हें इस कमेटी का मैम्बर बनाया है। उन्होंने कभी कोई ऐसी बात नहीं कही जो हरियाणा के हितों के खिलाफ हो।

**श्री निहाल सिंहः** हित में किया अहित में किया, प्वायंट यह नहीं है पंजाब और हरियाणा का झगड़ा है। दोनो ही पार्टियां है इसलिए उस सब–कमेटी में हरियाणा के किसी भी सैंटर के मिनिस्टर को लिया जाना चाहिए था। हम इस बात को ठीक नहीं समझते। हरियाणा का सैंट्रल मिनिस्टर भी लिया जाना चाहिए। जहां तक चंडीगढ़ का सवाल है। चंडीगढ़ के बारे में मुख्य मंत्री जी ने ठीक कहा है कि इसका 50–50 की रे ाों से बटवारा होना चाहिए। मैं भी उनकी बात सें सहमत हूं। अगर चंडीगढ़ को आधा आधा बांट दिया जाए तो हमें कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए। आज के दिन अगर हम कहीं पर नयी कैपिटल बनायेंगे तो उस पर बहुत ज्यादा पैसा लगेगा जिसका परिणाम यह होगा कि हरियाणा में आने वाले कम से कम तीस सालों के लिए हरियाणा की डिवैल्पमैंट ब्लाक हो जायेगी और जो पैसा हमको तरक्की के कामों के लिये नहरों और बिजली की व्यवस्था करने के लिये खर्च करना है, वह हम नहीं कर सकेंगे और हमारी डिवैल्पमैंट ब्लाक हो जायेगी। मैंने कई दफा मंत्रियों से बात की है और ऐसी बाते मैं अक्सर करता रहता हूं। जब हम अस्पताल या स्कूल की बिल्डिंग बनाने के लिये पैसे की बात करते है तो मंत्री जी कहते है कि क्या करें, पैसा ही नही है। जब आप नयी कैपिटल बनाओंगे फिर तो इससे भी ज्यादा खस्ता हालत हो जायेगी इसलिये जो मुख्य मंत्री जी ने 50:50 का सुझाव दिया है, मैं तो उससे एग्री करता हूं और वह सुझाव ठीक भी है। अगर वे इस सुझाव को नहीं मानते

तो हमें सैंटर से यह मांग करनी चाहिए कि कम से कम 300 करोड़ रूपया अपनी कैपिटल बनाने के लिये दें।

स्पीकर साहब, इसके साथ साथ मैं बिजली की जो दर बढायी गई है उसके बारे में भी अर्ज करना चाहता हूं। हमारे प्रदे ा में कई ऐसे इलाके है जहां पर पानी बहुत गहरा है वहां पर भी बिजली का वही बढ़ा हुआ रेट दिया गया है जो दूसरे इलाकों के लिये है। जो अब बिजली के रेट बढ़ाये गये है उसमें न तो पानी की गहराई का ख्याल रखा गया है न यह देखा गया है कि पानी निकालने में लागत कितनी आती है। ऐसे इलाके महेंद्रगढ़, भिवानी और झज्जर तहसील के है जहां यह दिक्कत है। इन इलाकों के लिये बिजली का रेट दूसरों के मुकाबले में प्रोपो र्निटली कम करना चाहिये। ताकि किसान को कुछ न कुछ राहत मिल सके। एक बात मैं और अर्ज करना चाहता हूं। (घंटी) स्पीकर साहब, मैंने आपके साथ स्पीकरि ाप का कांटैस्ट किया था। अगर मैं यहां पर बैठ जाता तो आपको खुली छूट दे देता, आप चाहे जितना मर्जी बोलते। (व्यवधान व भाोर) एक छोटी सी और अर्ज करना चाहता हूं। मुख्य मंत्री जी के पास चाहे जिस तरह से भी राज आया हो, हमने और हरियाणा की जनता ने मान लिया है। (व्यवधान व भाोर)

**एक आवाजः** जनता ने नहीं माना है। (व्यवधान व भाोर)

**श्री निहाल सिंहः** मैं तो मुख्य मंत्री जी से एक ही बात कहता हूं कि चाहे जिस तरीके से भी इनके पास राज आया हो, लेकिन उसको जस्टीफाई करने के लिये मेरी एक छोटी सी प्रार्थना स्वीकार कर लें। आप इस प्रदे ा को एक स्वच्छ और अच्छा एडमिनिस्ट्रे ान प्रदान करें ताकि यहां के लोगों को इंसाफ मिल सके। मुझे एक बात बड़े दुख के साथ कहनी पड़ती है कि आज सरकार की कोई कैडेबिलिटी नहीं है। इसकी साख इतनी गिर गयी है जितनी पहले कभी भी नहीं गिरी हुई थी। इसलिये मेरी आपके जरिये मुख्य मंत्री जी से यह रिकवैस्ट है कि आप इसको सुधारें। इस में सुधार तब हो सकता है जब आप सब को एक समान ट्रीट करेंगे। आपकों पता है कि डाकू या लुटेरे भी कई बार लूट लेते है लेकिन अगर वे अपनी लूट के उस माल में से किसी गरीब की लड़की की भाादी वगैरा कर देते है या किसी गरीब का घर बसा देते है या गरीब की मदद कर देते है तो कुछ समय बाद लोग यह भूल जाते है कि वे डाकू थे लुटेरे थे। वे उनको बैनीवुलैट कहने लग जाते है। मैं आपकों यह नहीं कहता कि आप डाकू हो या लूटेरे हो। लेकिन अगर सरकार किसी की कांस्टीच्युएंसी के साथ भेदभाव किये बगैर काम करेगी तो लोग इसको एप्री ाियेट करेंगे। जो कांगेस के लोग यहां पर बैठे है वे आपको सही रास्ता नहीं दिखायेंगे, वे आपको सही रास्ते पर नहीं चलने देंगे। जो भी बात ये कहेंगे उसको अपनी इज्जत का सवाल बनायेंगे अपने प्रैस्टिज का सवाल बनायेंगे और आपको गुमराह करके गलत रास्ते पर ले जायेगें। इसलिये आपको

अपोजी ान की बातों की तरफ भी ध्यान देना चाहिये। जो भी हम सुझाव देंगे वह आपके हित के लिये और प्रदे ा के हित के लिये देंगे। हम कोई भी गलत बात नहीं कहेंगे। इसलिये मैं आपसे यह रिक्वैस्ट करूंगा कि जितने भी डिवैल्पमैंट के काम है वे अपोजी ान की कांस्टीच्युएंसीज में भी करें। अब तो हरियाणा में डिसीडैंटस है ही नहीं। डिसीडैंटस का तो हरियाणा में नाम ही नहीं है। आप इस लिहाज से कि यह अपोजी ान की कांस्टीच्युएं ाी है अगर काम करेंगे तो बात बनने वाली नहीं है। चाहे स्कूल अपग्रेड करने हो चाहे सड़के बनानी हो चाहे दूसरे डिवैल्पमैंट के काम करने हों वह इस तरह से करे ं कि सारे हरियाणा में एक समान से डिवैल्पमैंट हो, पार्टी बेसिज पर काम नहीं करेंगे तो ठीक रहेगा। आपको यह पता है कि कांग्रेस वाले तो आपका कुद बिगाड़ नही सकते। इंदिरा गांधी चाहे सारे प्रदे ाों के मुख्यमंत्री बदल दे लेकिन हरियाणा के ंमुख्यमंत्री को नहीं बदल सकती क्योंकि वह जानती है कि इन की चीफ मिनिस्टरि ाप में प्रदे ा को भारी हित होगा। अगर आपकी ट्रांसफर होनी है तो वह सिर्फ पोस्ट ही ट्रांसफर होनी है। कल को अगर आप इधर आ जायेंगे तो आपकी चीफ मिनिस्टरि ाप तो रहेगी ही। इसलिये इन बातों से घबराने की आपको बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। धन्यवाद।

**श्री किताब सिंह (गोहाना):** स्पीकर साहरब, मैं आपकों अपनी बात सुनाना चाहता हूं। 23 तारीख को मैं और लगभग 3–4

सौ किसान अपनी मांगों को मनवाने के लिए जलूस की भाकल में एस0डी0एम0 कोर्ट की तरफ जा रहे थे। कोर्ट के गेट के सामने हमारे डी0एस0पी0 बाहर से आये हुए इंसपैक्टर्ज और पुलिस के सिपाही थे। 100 के करीब पुलिस कर्मचारी वहां पर खड़े थे। उन्होंने पूछा कि क्या गिरफतारी देना चाहते हो हमने कहा कि हां हम किसानेां के साथ हो रही बेइंसाफी के लिये गिरफतारी देंगे। उन्होंने कहा वहां पर बस खड़ी है उसमें बैठों आपको ले चलते है। हमको बसों में बिठाया गया और थाने ले जाया गया। उस वक्त कोई दस बजे का टाईम था। हमें थाने में भााम के सात बजे तक बिठाये रखा गया। सात बजे के लगभग हमें यह कह दिया गया कि अपनी घड़ियां और पैसे वगैरा सब उतार दो, हमने उतार दी। हम सब की तला ाी ली गयी। थाने के बाहर दो बसें खड़ी थीं। हम 23 आदमी थे। हमकों दो ग्रुपों में बांट दिया गया। एक दस आदमियों का और दूसरों तेरह आदमियों का ग्रुपबनाया गया। दस बादमियों के ग्रुप में मैं भी भाामिल था। तेरह आदमियों के ग्रुप में प्रीत सिंह प्रधान किसान यूनियन भाामिल था। भााम को अंधेरा हो चुका था। बसों में तीन वाली सीटों पर तो दो पुलिस के सिपाही और दो वाली सीट पर एक एक पुलिस का सिपाही बिठा दिया गया था। दो तीन आगे पीछे वाली सीटों पर केवल पुलिस वाले ही बैठे हुए थे। पहले तेरह आदमियों के ग्रुप को ले गये और फिर दस आदमियों के ग्रुप को यह कह कर ले जाया गया कि हम तुमको जेल में ले चलते है। उन्होंने बस के अंदर लाईट भी नहीं जलायी ताकि कोई आदमी किसी को पहचान

ही न सके। जब हम सात–सवा सात बजे के करीब वहां से चले तो चलने से पहले बार–बार मैंने उनसे कहा कि मैंने पे ाब करना है। उन्होंने कोई उतर नहीं दिया। जब हम पानीपत पहुंचे तो वहां पर फाटक बंद था और तकरीबन आठ बज रहे थे। वहां पर पुलिस वालों ने तो उतर कर पे ाब वगैरह कर लिया लेकिन जब मैंने उनसे कई बार कहा कि मैंने भी पे ाब करना है तो उन्होंने कहा कि बैठे रहो आपको पे ाब करायेंगे। लगभग नौ बजे तक वह फाटक बंद रहा। उकसे बाद हम पानीपत से भाामली की तरफ चल पड़े। जब वह भाामली रोड पर चलने लगे तो मैंने उनसे यह कहा कि इस तरफ तो हरियाणा की कोई जेल नहीं है। उन्होंने कहा कि आप बैठे रहिए। हम आपको जेल ही ले जाएंगे। मैंने कहा कि पे ाब में तकलीफ हो रही है आप पे ाब करवा दो लेकिन उन्होंने मुझे पे ाब नहीं करने दिया। **(11.00बजे)** जमुना कौस करने के बाद फिर मैंने कहा कि मैंने पे ाब जाना है मुझे बहुत दर्द हो रहा है मुझे तकलीफ हो रही है। उन्होंने कहा कपड़ों में ही कर लो। भाामली से बुढाना रोड पर पुलिस वाले हमको करीब नौ दस किलोमीटर ले गए और बस को वापिस मोड दिया और मुझे उतारने लगे मैंने कहा मैं नहीं उतरूंगा। मुझे पे ाब में रूकावट हो रही है या तो मुझे हरियाणा में ले चलो या किसी अस्पताल में ले चलो लेनिक उन्होनें मेरी बात नहीं मानी और मुझे वहीं उतारना चाहा लेकिन मैंने बस की सीट पकड़ ली। मेरे साथ उन्होंने काफी खींचातानी की जिससे मेरे कपड़े फट गए और मेरा च मा भी टूट गया (इस समय फटे हुए कपड़े तथा

च मा दिखाया गया)। जब मैंनें सीट नहीं छोड़ी तो पुलिस वालों ने मुझे पीटना भुरू कर दिया। फिर भी मैंने कह दिया कि मैं मर सकता हूं लेकिन सीट नहीं छोडूंगा। इस पर उन्होंने मेरा गला घोंट दिया और मुझे नीचे फैंक दिया। मैं बेहो ा हो गया। कुछ देर बाद मुझे हो ा आया तो मैंने देखा कि मेरे पास एक बुड्ढा जिसका नाम प्रहलाद सिंह था और एक नौजवान लड़का बैठे हुए है। मैंने उनकों कहा कि मुझे पे ााब की तकलीफ है। मुझे किसी डाक्टर के पास ले चलो। पास में ही एक भट्ठा था। वहां पर हमने सोये हुए दो मजदूर उठाएं और डाक्टर के विशय में पूछा। उन्होंने लिशाढ में डाक्टर बताया। लिशाढ़ गांव में दो आदमी उठाये और वह डाक्टर के पास गए डाक्टर की सहायता से मुझे पे ााब आ गया। फिर हम उसी जगह आए जहां पर वह बुड्ढा और नौजवान लड़का मिला था। जब हम वहां पर पहुंचे तो सात आदमी और मिल गए। इस तरह से हम नौ आदमी हो गए। वहां से हम बस में बैठकर भाामली में रात नौ बजे के करीब पहुंचे। भाामली जब हम बस स्टैंड पर पहुंचे तो हमारा एक और आदमी मिल गया। हम दस आदमी हो गए। हमने वहां पर चाय पी और फिर दूसरे बस स्टैंड की ओर चल पड़े। एक दुकान जो एग्रीकल्चर का सामान बनाती थी उस दुकान पर हमें एक आदमी मिल गया। हमने कुछ देर और इंतजार की और हम वहां पर इक्कीस आदमी इक्ट्ठे हो गए। वहां से हम हरियाणा रोडवेज की बस द्वारा हरियाणा के लिये चल पड़े। मैंने उस कंडक्टर को कहा कि मैं एम0एल0ए0 हूं और मेरा नाम यह है लेकिन उसने कोई

ध्यान नहीं दिया और वहां से बस चला दी। मैंने उसको किराये के 35 रूपए दिए और कहा कि बाकी रूपए पानीपत चल कर दे देंगे। लेकिन वह नहीं माना और कहने लगा कि तुम बदमा ा हो। मैं तुम्हें थाने ले चलता हूं और वह भााामली थाने में वापिस बस को ले गया। थाने में जा कर बस खड़ी कर दी। पुलिस वाले दौड़ कर आए। मैंने उनको सारी बात बताई और कहा मैं एम0एल0ए0 हूं लेकिन कंडक्टर ने पुलिस थाने में लिखकर दे दिया। वहां की पुलिस ने हमारी मदद की। वहां के भूतपूर्व एम0एल0ए0 बाबू सिंह को बुलाया। उसने हमारे आने का प्रबंध हमें पैसे देकर कर दिया। पानीपत से उन्नीस आदमी तो गोहाना चले गए और मैं और सुभाश दिल्ली चले गए। दिल्ली पहुंच कर हमने मनीरा बागड़ी और स्वामी इंद्रवे ा से सम्पर्क कायम करने की कोि ा ा की लेकिन वे नहीं मिलें। उसके बाद हमने मलिक साहब से सम्पर्क किया। वे मिल गए। उन्होंने चीफ मिनिस्टर से सम्पर्क किया। चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा कि आपके लोग भी तो ऐसा ही करते थे। मैं अपनी तकलीफ की वजह से सफदरजंग में दाखिल हो गया और अगले दिन दवाई लेकर गोहाना आ गया।

**श्री अध्यक्षः** जो भाब्द इन्होंने कहे है मैं इनकी पड़ताल कर लूंगा और मुख्य मंत्री जी से कहूंगा कि सारे हाउस के मैम्बर्ज की इज्जत रखना, इनको प्रोटैक ान देना इनका फर्ज बनता है। इस इंसीडैंट के बारे में वे किसी भी वक्त बता दें।

**चौधरी भजन लालः** मैं इसी वक्त बता देता हूं।

**श्री हीरा नंद आर्य:** अध्यक्ष महोदय क्योंकि मुख्य मंत्री पहले ही अपने विचार प्रकट कर चुके है इसलिए अब इन पर कोई भरोसा नही किया जा सकता। अगर आप एक कमेटी अप्वायंट कर दें तो उचित होगा।

**श्री अध्यक्ष:** मैंने जो कुछ कहना था वह कह दिया है।

**श्रीमती चंद्रावती:** स्पीकर साहब, आपने आ वासन दिया था कि मैं एक कमेटी नियुक्त करूंगा। हम यह चाहते है कि आप एक कमेटी अप्वायंट कर दें तो ठीक रहेगा।

**श्री अध्यक्ष:** आपको याद होगा, आप सब मैम्बर्ज ने कहा था कि वह प्रिविलिज का मासला नहीं बनता। आपने यह कहा था कि हमारे मैम्बर्ज ही हौसला अफजाई होनी चाहिए और इस तरह की वारदात आइंदा नहीं होनी चाहिए। मैंने आपको बार बार कहा था कि कमेटी मुकरर्र नहीं होगी। मैंने यह भी कहा था कि मैं देखूगां कि किसी मैम्बर्ज हो हैरान न किया जाए किसी के साथ इस तरह की वारदात न हो।

**श्रीमती चंद्रावती:** इतना ही कह दीजिए कि आप इंक्वायरी करेंगे।

**श्री अध्यक्ष:** मैंने जो कुछ कहना था कह दिया है।

**श्री मंगल सैन:** हमारा कहना तो यह है कि आप इंकवायरी कर लें और अपने आप को सैटिसफाई कर लें।

**श्री अध्यक्षः** अब आप कृपया बैठिए।

**श्री अजमेर चन्द मक्कडः** अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब ने हरियाणा में हो रहे कामों के बारे में अपने अभिभाशण में बताया है मैं उसी के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। मैं अपने साथियों से कहना चाहता हूं कि वे ध्यान से सुनें। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि मैंने दल बदल किया है। ( ाोर एवं व्यवधान) क्यों दल बदल किया है इसके कारणों के बारे में भी बताउंगा। मैं उन लोगों की तरह से नहीं हूं जो बाहर से कुछ और अन्दर से कुछ और है। स्पीकर साहब, जैसा इन्होंने परसों किया कि वोट तो इधर दे दिया और बैठे उधर है ऐसा मैं नहीं करूंगा। साथियों, मैं गवर्नर ऐड्रैस के बारे में चन्द भाब्द कहना चाहता हूं। मुझे आ ाा है कि आप भाान्ति से सुनेंगे। ( ाोर एवं व्यवधान)। जहां आप गलत कहने की हिम्मत रखते हैं वहां सच्चाई सुनने की भी हिम्मत रखिए। **इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी ई वर सिंह पदासीन हुए।** चेयरमैन साहब, गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस में बहुत सारी बातों का जिकर किया है। सबसे पहले मैं खेती बाडी के बारे में बताना चाहता ह। कि इस क्षेत्र में हरियाणा सरकार ने सराहनीय कार्य किये हैं। पिछली सरकार ने एक नारा दिया था कि भ्रश्टाचार बन्द और पानी का प्रबन्ध। यह उस सरकार का भी सराहनीय कदम था क्योकि इससे किसानों की भलाई होनी थी। अब वर्श 1983–84 का लक्ष्य 75.25 लाख टन नि चित किया गया है। सब्जियों और फलों के उत्पादन पर भी

वि ोश ध्यान देने का प्रस्ताव है। 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत बंजर क्षेत्रों का खासतौर पर तिलहन औद दालों के उत्पादन का बढाने के लिये वि ोश उपाय किये जा रहे है फिर भी हमारे ये अपोजि ान के भाई यह कहते है कि हरियाणा उन्नति नहीं कर रहा है। रावी व्यास के पानी के बारे में मैं आपके द्वारा हाउस को बताना चाहता हूं कि 1970 में इस बारे में एक अवार्ड हरियाणा को मिला था उसके अन्तर्गत चंडीगढ पंजाब को और फाजिल्का अबोहर हरियाणा को दिया गया। लेकिन इन अपोजि ान वालों ने उस अवार्ड को मानने से इंकार कर दिया। श्रीमति इंदिरा गांधी जी ने यह अवार्ड दिया था उस वक्त एजीटे ान हुए कई लोग मारे गये लेकिन बाद में अपोजि ान वालों ने मान लिया कि यह फैसला ठीक है कई लोगों की जानें भी गयी उसके बाद 1981 के अन्दर यह फैसला हुआ कि रावी व्यास का 3.5 एमएएफ पानी हरियाणा को मिलेगा। उस पर भी अपोजि ान वालों ने एजीटे ान की काफी झगडे पडे और जब अकालियों ने इस पर एतराज किया तो कहने लगे कि अगर इस फैसले को बदला गया तो हम एजीटे ान करेंगे। मेरा मतलब कहते का यह था कि अगर बाद में दोनों फैसलों को मानना ही था तो इतने सारे लोगों को मरवाने की क्या आव यकता थी। जब अकालियों ने मोर्चा लगाया तो हमारे साथियों ने कहा कि यह फैसला ठीक ही है। 3.5 एमएएफ से कम पानी रावी व्यास का हरियाणा को नहीं मिलना चाहिये बल्कि और ज्यादा मिलना चाहिये। कहने का मतलब यह है कि हमें अपनी बात पर स्थिर रहना चाहिये और यूं ही हरियाणा सरकार

की अच्छी नीतियों का विरोध नहीं करना चाहिये। हरियाणा सरकार ने हमेशा ही किसानों की भलाई के लिये हर मैदान में आवाज उठायी है। भारत सरकार ने भी इस बात पर गौर किया चूंकि रावी व्यास का काफी मात्रा में पानी पाकिस्तान को जा रहा है और हमारी स्टेटस को इसका बहुत कम लाभ हो रहा है इसलिये इस के लिए कुछ न कुछ किया जाए और पानी ज्यादा मात्रा में हमारे अपने किसानों को मिले। हरियाणा सरकार ने इसके लिये अपने हिस्से का 20 करोड रूपये पंजाब सरकार के पास जमा करवाया है और वहां पर नहर का काम चल रहा है। बेशक हरियाणा सरकार को इतनी बडी रकम देने के बाद बेशक हरियाणा सरकार को डिवैल्पमैंट के काम करने में दिक्कत आएगी लेकिन फिर भी सरकार ने किसानों की बहबूदी के लिये इतनी बडी रकम दी है ताकि भविश्य में हरियाणा का इलाका और ज्यादा खुशहाल हो सके। हरियाणा सरकार का यह बडा ही सराहनीय कदम है। अगर हमारे साथी यह सोच कर समझ कर चले कि इससे हमारे हरियाणा की तरक्की होगी तो वे कभी भी सरकार के ऐसे कामों को क्रिटींसाइज नहीं करेंगे लेकिन इनका तो यह काम ही हो गया है कि सरकार के हर काम की नुक्ताचीनी करनी ही है।

इससे आगे चेयरमैन साहब, मैं जंगलात के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। हमारे हरियाणा के अन्दर इस क्षेत्र में काफी सराहनीय काम हुए है। हम सभी बाहर टूर पर गये थे। हमने दूसरी स्टेटस में देखा कि जंगलात के क्षेत्र में ऐसा कोई काम

नहीं हुआ है। हमने मीटिंग में पूछा कि आपकी स्टेट मे ंजंगलात की तरफ भाायद कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा है पर हमारे हरियाणा के अन्दर तो हर तरफ हरियाली ही हरियाली है। उन्होंने इस बात को माना है कि आप हरियाणा हर क्षेत्र में भारत की सभी स्टेटस से आगे है। उन्होंने कहा कि हम इस बारे में धीरे धीरे इस ओर काम कर रहे है और हरियाणा की इस क्षेत्र में जितनी तारीख की जाए थोडी है।

चेयरमैन साहब, इसी तरह से तालीम के क्षेत्र में भी काफी तरक्की हुई है। यहां पर हरिजन बच्चों के लिये, बैक्वर्ड क्लासिज के बच्चों के लिये काफी सहूलतें दी गयी है। बच्चों को वजीफे दिये जाते है जिससे उनका हौंसला बढता है और बच्चे तालीम के मामले में काफी रूचि ले रहे हे। जब यहां पर कायदे और कानून की बात भी हो रही थी तो हमारे अपोजि ान के साथियों ने काफी भाोर किया। मैं इस बारे में एक बात अव य कहूंगा कि जो सही बात हो उसको हमें सही मान कर चलना चाहिये और जो गलत बात हो उसको गलत ही कहना चाहिये। आदमपुर हल्के मे ंएक पूरन चन्द नाम के आदमी है जो खाद वगैरह बेचने का काम करता है। वह किसानों को मिलावट की खाद बेचता था उसके खिलाफ केस दर्ज हुए है और 6 माह पहले लोग डीसी को मिले थे। डीसी साहब ने कहा कि यह आदमी किसानों को खाद मे मिलावट करके बेचता है। उन्होंने कहा कि अगर आप चाहते हैं कि आप लोगों को मिलावट वाली खाद मिले,

किसान लोग दुखी हो और किसानों को लूटा जाए तो फिर हम मुकदमा दर्ज नहीं करते। मैं खुद कहा कि अगर ऐसी बात है तो ऐसे आदमी के खिलाफ अव य कार्यवाही होनी चाहिये फिर भी यहां पर अपोजि ान वाले सरकार के खिलाफ ही बोल रहे है। इस पूरन चन्द को गिरफतार किया गया और उसके खिलाफ केस दर्ज करवाया गया। अब यह मामला कोर्ट में चल रहा है अगर वाकई मेरे साथी के साथ ज्यादती हुई है तो इसकी इन्क्वायरी होनी चाहिये और दोशियों को दण्ड मिलना चाहिये। ऐसा नहीं होना चाहिये कि एक आदमी किसानों के साथ खिलवाड करता हो और दूसरी तरफ उसकी हिमायत में हम लोगों को यहां बोलने की आज्ञा दें। जो लोग किसानों के साथ बेईमानी करते हैं उनको अव य सजा मिलनी चाहिये। जब हम डीसी को मिले थे तो भाई बलबीर सिंह भी मेरे साथ थे। डीसी ने जवाब दिया कि हमें सच्चाई की बात को छिपानी नहीं चाहिये। पूरन चन्द ऐसा आदमी था जिसको गिरफ्तार करके पुलिस ने हवालात में बन्द किया। अब कोर्ट की इसका फैसला करेंगी।

इससे आगे मैं हरियाणा के अन्दर मजदूरी की बात को लेता हूं। हम पिछले दिनों बंगाल के दौरे से होकर आये है। वहां पर हमने देखा कि एक मजदूर घोडे की जगह पर खुद गाडी को खींच रहा है। हमें यह देखकर बडा दुख हुआ। इस पर हमने वहां के कमेटी के सदस्यों से बातचीत की। हमने गाडी खींचने वाले आदमी से भी सवाल किया। उसने कहा कि एक हजार रूपये में

यह गाडी बन जाती है और जब लाईसेंस बन जाता है तो उसकी कीमत 10000 रूपये हो जाती है। स्पीकर साहब, जो कमेटी के चेयरमैन थे उनसे भी हमने बातचीत की और कहा कि आपकी सरकार ने इस तरफ कोई कदम नहीं उठाया। आपके राज्य में तो मजदूरी के नाम पर एक्सप्लायटे ान हो रही है। आपकी सरकार का यह नमूना है। उन्होंने हमें कहा कि यहां पर लोग 20 30 रिक ाा रजिस्टर्ड करवा लेते है और लोगों को किराये पर देते है। और फिर उस रिक ाा की कीमत दस गुणा हो जाती है। हमारे हरियाणा के अन्दर बाईलाज ऐसे हैं कि जिनके तहत एक आदमी को एक ही लाईसैन्स दिया जाता है और वह भी रिक ाा चलाने वाले को दिया जाता है न कि किसी मालिक को। चोरी से चाहे कोई कोई एक आध लाईसैन्स और बनवा ले लेकिन हमारे हरियाणा में इस पर पूरी नजर रखी जाती है। यह कितना अच्छा काम हमारी सरकार ने किया है। रिक ाा वालों को बैंकों से कर्जा भी दिलवाया जाता है और लोग इससे बहुत खु ा है। मैंने यह सिस्टम किसी और स्टेट में नहीं देखा। हरियाणा सरकार ने यह बहुत अच्छा काम किया है और हम इसके लिये सरकार की प्रं ासा किए बगैर नहीं रह सकते। हमने कई प्रान्तों में जाकर देखा है उसके मुकाबले में हरियाणा सरकार तरक्की के बहुत ज्यादा काम कर रही है। इस सरकार ने हर गांव को सडक के साथ मिलाने का, गांव गांव में पानी पहुंचाने का, हरिजनों को फ्री बिजली देने का और हरिजन बच्चों को वजीफे देने तथा हरिजन परिवारों को उपर उठाने के बहुत अच्छे काम किए है। हरिजनों

को दो दो हजार रूपये मकान बनाने के लिये ग्रांट भी दी है। (घंटी) अभी कुछ भाई मुख्यमंत्री जी के बारे में भाोर मचा रहे थे। सरकार ने मनाने का कोई तरीका होता है। अभी विपक्षीय माटिंग में आप लोगों ने चीफ मिनिस्टर साहब को नेता माना है। ( ाोर) क्या वे यही चीफ मिनिस्टर नहीं थे। (घंटी)

**आवाजें:** किसी ने नेता नहीं माना। ( ाोर)

**अमीर चन्द मक्कड:** इनको लोग हरियाणा का चीफ मिनिस्टर मान कर चले। इस बात में पूरी सच्चाई है आपने घंटी बजा दी है इसलिये इन भाब्दों के साथ मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

**चौधरी साहब सिंह सैनी (थानेसर):** चेयरमैन साहब, गवर्नर साहब का जो अभिभाशण है यह वास्तव में एक कागजी अभिभाशण है जो इसमें फिगर्ज दी गई है यह वास्तव में हरियाणा प्रदे ा की जनता के साथ एक धोखा है। मैं इस अभिभाशण का विरोध करने के लिये खडा हुआ हूं। इस अभिभाशण में जो कमियां है वे मैं इस सदमन के माध्यम से जनता को बताना चाहता हूं। यह अभिभाशण वास्तव में एक खोखला अभिभाशण है। इसके पैरा दो में ओलावृश्टि के बारे में जिक्र किया गया है। हमारे और भी माननीय सदस्यों ने इस ओर ध्यान दिलाया मैं भी इस बारे में कुछ कहना चाहता हूं। ओलों से जो किसानों को नुक्सान हआ उसका पूरा मुआवजा अभी तक किसानों को नहीं मिला है। अभी

बहुत सारा पैसा बांटने के लिये बाकी पडा ह। इसी प्रकार जहां पर फ्लड की वजह से बहुत पानी खडा हो जाता है वहां सारी फसल खराब हो जाती है। मैं कुरूक्षेत्र जिले की बात करता हूं चेयरमैन साहब, आप भी उसी जिले के हैं और आपको मालूम है कि वहां अभी हाडी की फसल के दौरान खेतों में बहुत ज्यादा पानी खडा होने के कारण हजारों एकड जमीन खराब हो गई जिसमें कहीं पर गेंहू की का त थी कहीं पर दूसरी फसल की का त थी वह सारी बर्बाद हो चुकी है। इसका मुख्य कारण यही हे कि वहां पर ट्रेनेज का सही इन्तजाम नहीं है जो नदी नाले है वे बन्द हो चुके है। जो फसल बर्बाद हुई उसके मुआवजे के बारे में इस अभिभाशण में कोई भी जिक्र नहीं है। इस अभिभाशण में ज्यादा जोर बीस सूत्री कार्यक्रम पर दिया गया है। वास्तव में यह भी कागजों में ही बीस नुकते दिये गये है कि इस प्रकार से हम इस दे ा और प्रदे ा की सेवा करेंगे। लेकिन वास्तविकता यह है कि हरिजनों को जो प्लाट दिये जाते है। वे इतनी गहरी जगह पर होते है कि वहां पर मकान बनाया ही नहीं जा सकता। इसी प्रकार से जब उनको मकान दिये जाते है तो उनमें मैटिरियल बहुत घटिया किस्म का लगाया जाता है। थोडी सी बारि ा हो जाएं तो उनकी छतें चोने लग जाती है। एक लोहाडा गांव है वहां पर हाउसिंग बोर्ड ने एक कालोनी बनाई है। वह अभी लोगों को हैंड ओवर भी नहीं की गई कि उनकी छतें लीक करनी भ्रुरू हो गई। लोगों ने चेयरमैन हाउसिंग बोर्ड डीसी और मुझे भी उस बारे में रिप्रजेंटै ान दी। जब मैंने एसडीओ से पूछा तो उन्होंने कोई

तसल्लीबक ा उत्तर नहीं दिया। अगर सरकार की ऐसी ही नीति है तो उन गरीब आदमियों को क्यों लूटा जाता है? इसकी बाकयदा इंक्वायरी होनी चाहिये। इसी तरह से खेडी मारकंडा तथा सावता गांव है वहां पर कोआप्रेटिव सोसायटीज के माध्यम से मकान बनाए गए है। उन मकानों में लकडी, ईंट और सीमेंट बगैरह जो मेटिरिल लगाया गया है उसमें बडा घपला हुआ है। कोआप्रेटिव सब इंस्पैक्टर तथा दूसरे स्टाफ ने कंस्ट्रैक ान का काम करवाया था। वे लोग पैसा खा गये। तो ये इनकी बीस सूत्री प्रोग्राम के दो नमूने है। वास्तविकता कुछ और है और कागजों में कुछ और है। चेयरमैन साहब, इस अभिभाशण में कृशि के बारे में भी बडा जोर दिया गया है कि हम किसानो के लिये बहुत कुछ करने जा रहे हैं। आप देखें कि कृशि हमारी किसा प्रकार से आगे बढ सकती है। उपज बढाने के लिये कई चीजों की जरूरत है जिनमे ंदो ही साधन अधिक प्रधान है पानी और बिजली। इसके इलावा सही खाद दी जाए। किसानों को उनकी उपज की सही कीमत दी जाए और सही बीज समय पर दिए जायें। सिंचाई मंत्री जी यहां बैठे हैं मैं उनके नोटिस में लाना चाहता हूं कि टयूबवैल को बिजली आधा घन्टा भी नहीं मिलती और ये कहते है कि रोजाना 6 घंटे मिलती है। सिंचाई तो अलग रही, उनको पीने का पानी भी नहीं मिलता। एक दो जगहों को छोडकर हमारे सारे एरिया में नहरी पानी नहीं है टयूबवैलों से सिंचाई होती है। बिजली न मिलने के कारण पूरा पानी नही मिलता। दूसरी तरफ जहां नहर का पानी है उस बारे में मंत्री महोदय ने एक आर्डर कर दिया है कि नहर का पानी टेल के

अन्त तक पहुंचना चाहिए। यह अच्छी बात है लेकिन जिन किसानों को पहले ठीक पानी मिलता था वह अब कम हो गया है। उनकी फसलों की पूरी सिंचाई नहीं हो पाती। इसका भी कोई प्रबन्ध होना चाहिये। जैसे घग्गर और मारकंडा नदियां है। और ऐसी ही जो दूसरी नदियां है इनके पानी से उस जमीन की सिंचाई का प्रबन्ध किया जाना चाहिए। थानेसर सब डिविजन में, रादौर और थानेसर हल्कों में सिंचाई का प्रबन्ध नहीं है। भाखडा नहर पहेवा के पि चमम साईड पर तो पानी देती है लेकिन पूर्वी साईड पर पानी नहीं जाता। जब आगमैंटे ान टयूबवैल से पानी खीचां जाता है तो दूसरे प्राइवेट टयूबवैल्ज बन्द हो जाते है। मैं चाहता हूं कि इस क्षेत्र में आगमैंटे ान टयूबवैल बन्द किये जाएं जो मैंने बाते बताई है। इसके बारे में इस अभिभाशण में कोई जिक नहीं है। चेयरमैन साहब, आपको पता है कि पिछले सै ान के दौरान बिजली के रेट बढाए गए थे। किसानों को कहा गया था कि एसवाईएल का पानी लाएंगे और इस के साथ ही साथ नाथपा झाकडी प्रोजैक्ट भी बनाया जायेगा। पैसा तो इक्टठा किया जा रहा है लेकिन न तो कोई एसवाईएल का काम भाुरू हो रहा है और न नाथपा झाकडी का प्रोजेक्ट भाुरू हो रहा है। हरियाणा सरकार ने जो पंजाब सरकार को पैसा दिया है वह पंजाब सरकार ने कुछ तो म ाीनरी पर खर्च कर दिया और बाकी अपने कर्मचारियों की तरखाह पर खर्च कर रही है। अगर ये दोनों प्रोजेक्ट कम्पलीट हो जाएं तो हरियाणा के किसानों को बहुत फायदा होगा। जहां तक एडमिनिस्ट्रे ान का सवाल है अभी

मुख्यमंत्री जी कह रहे थे कि हमारी पुलिस तो बहुत ही अच्छी है। लेकिन चेयरमैन साहब, पहेवा में एक थोनदार की पिटाई हुई और इनकी पुलिस उसकी रक्षा नहीं कर सकी। उस थानेदार का एक लोकल राजनैतिक आदमी ने चार दिन तक पुलिस में केस दर्ज नहीं होने दिया। चेयरमैन साहब, यह पुलिस एडमिनिस्ट्रे ान का हाल है। इसके अलावा मैं एक और बात कहना चाहता हूं कि कुरूक्षेत्र जिले में एक उमरी नाम का गांव है उस गांव के तीन गरीब किसान एक कांग्रेसी आदमी की सरपलस जमीन 10–15 साल से का त कर रहे थे, वह आदमी एक इनफल्युएंि ायल आदमी है। उसने उन तीनों गरीब किसानों को बहुत बुरी तरह से पीटा और जमीन में से उनको निकाल कर अपना कब्जा कर लिया। वह कांग्रेसी आदमी उन किसानों को और उनके परिवारों को अपने ट्रैक्टर में बिठा कर उमरी गांव से 15 मील दूर पालीवाल गांव में छोड आया। उन किसानों ने पुलिस में केस दर्ज करवाया लेकिन वह कांग्रेसी आदमी अभी तक अरैस्ट नहीं किया गया। इस सरकार के एडमिनिस्ट्रे ान का यह हाल है। यह सरकार दावे करती है कि हरियाणा की पुलिस बहुत अच्छी है जबकि यहां पर पुलिस की भी पिटाई होती है। चेयरमैन साहब, कुरूक्षेत्र में हरियाणा रोडवेज का बस का डिपो नहीं है जबकि कुरूक्षेत्र 1973 में जिला बना था। कुरूक्षेत्र एक धार्मिक और ऐतिहासिक स्थान है जिसके कारण कुरूक्षेत्र संसार में प्रसिद्ध है लेकिन वहां से कोई भी बस दूसरे स्थनों जैसे हरिद्वार, ऋशिके ा, कटडा, मथुरा, आगरा के लिए डायरेक्ट नहीं जाती। चेयरमैन साहब, मैं आप के

माध्यम से इस सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि कुरूक्षेत्र में बस डिपो बनाया जाए। एक मंत्री ने एक लोकस बस स्टैंड बनाने के लिये पत्थर रखा था लेकिन वह पत्थर इस सरकार की जाने को रो रहा है। अभी तक वह लोकल बस स्टैंड नहीं बनाया गया। इस लोकल बस स्टैंड को बनाने के लिए पैसा भी अलाट हो चुका था लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसके अलावा चेयरमैन साहब, में एक और बात कहना चाहता हूं। कुरूक्षेत्र रेलवे का जंक ान है वहां पर गाडियां बहुत आती जाती है रेलवे क्रासिंग पर एक ओवर ब्रिज बनाने के लिये केंद्रीय सरकार ने मंजूरी दी हुइ है। लेकिन उस ब्रिज को बनाने के लिये गवर्नमेंट की तरफ से कोई इनीि ाएटिव नहीं लिया जा रहा है। रेलवे क्रासिंग का फाटक आम तोर पर बन्द रहता है जिस के कारण दो दो घंटे ट्रैफिट जाम रहता हे। इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना है कि जल्दी से जल्दी उस ओवर ब्रिज को बनाया जाए ताकि लोगों की दिक्कते दूर हो सकें।

इसके अलावा चेयरमैन साहब, मैं हेल्थ विभाग के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहता हूं। कुरूक्षेत्र सरकारी अस्पताल में पे ोंटस को दवाईयां बिल्कुल नही मिलती है। उनको पर्ची बनाकर दे दी जाती है और कह दिया जाता है कि दवाई बाहर से लाओ। वहां पपर सरकारी अस्पताल मे ंइतनी लूट हे कि जो दवाई अस्पताल में दी जाती है। वहीं दवाई बाजार मे प्राईवेट दुकानों पर बिकती है। इसके अलावा लाडवा सरकारी अस्पताल में एक लेडी

डाक्टर लगी हुई है। उस अस्पताल में एक डिलिवरी का केस गया तो उस लेडी डाक्टर ने उस केस को अटैंड नहीं किया। उस औरत को टेबल पर लिटाया हुआ था लेकिन अटैंड नहीं किया और कहने लगी कि इसे करनाल अस्पताल में ले जाओ। जब उस औरत के रैलेटिव ने उस लेडी डाक्टर को रि वत दी तो उसने उस डिलिवरी केस को अटैंड किया। मैं यह बात हैल्थ मिनिस्टर महोदय के नोटिस मे भी लाया था लेकिन उन्होंने कहा कि ऐसे 90 परसैंट केसिज अस्पतालों में आते है मैं क्या कर सकती हूं। मंत्री महोदया की यह रिस्पोंसीबिल्टी है कि वह इस प्रकार के केसों की इन्क्वायरी करवाएं। उन्हें इस प्रकार के जवाब नहीं देने चाहिये। चेयरमैन साहब, मैं एक बात कोओप्रे ान विभाग के बारे मे ंकहना चाहता हूं। मोरथला कोआप्रेटिव सोसायटी के मिनी बैंक मैंनेजर धर्मवीर सिह हुडडा 1980–81 में था। वह दो साल लगातार कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी से डीपीएड का रैगुलर कोर्स अटैंड करता रहा और मिनि बैंक से तनखाह लेता रहा। उसके बारें में आज तक कोई इंक्वायरी नहीं की गई। अगर कोआप्रे ान मिनिस्टर साहब हाउस में बैठे है तो मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि वे इस बारे में इन्क्वायरी करवाएं और इस बात का पता लगांए कि वास्तव में उसने रैगूलर क्लासिज अटैंड करके मिनि बैंक से तनखाह ली है। आखिर में मैं यही कहूंगा कि इस अभिभाशण मे जितनी भी बातें कही गई है वे खोखली बातें है। और जनता की सेवा के लिए इसमें कोई बात नहीं कही। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं और अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

**चौधरी भागमलः** चेयरमैन साहब, 7 मार्च 1983 को गवर्नर साहब ने जो अभिभाशण दिया था मैं उसके बारे में अपने विचार प्रकट करने के लिए खडा हुआ हूं। इस अभिभाशण में 24–25 पैराग्राफस में हरियाणा की बहबूदी के लिए रूपरेखा दी गई है। उन पैराग्राफस में से सबसे पहले मैं पैराग्राफस एक के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहता हूं। इस पैराग्राफ में श्रीमति इंदिरा गांधी जी ने जो 20 प्वायंअ प्रोग्राम दिया है उसके बारे में जिक्र किया गया है। मैं समझता हूं कि इस अभिभाशण में जितनी भी बातें कही गई है। वे सारी इस 20 प्वायंट प्रोग्राम के बारे में ही कही गई है। चेयरमैन साहब, यह सरकार 20 प्वायंट प्रोग्राम के बारे में बहुत डींग मारती है और कहती है कि हमने यह कर दिया वह कर दिया लेकिन मैं समझता हूं कि यह 20 प्वायंट प्रोग्राम सिर्फ एडवर्टाइजमैंट का एक मीडिया है और कुछ नहीं है। चेयरमैन साहब, इस 20 प्वायंट प्रोग्राम के बारे में श्रीमति इंदिरा गाधंी जी की नीयत ठीक हो सकती है और वह दे ा की सेवा करना चाहती है लेकिन में समझता हुं कि इस बारे में हरियाणा सरकार की नीयत ठीक नहीं है। यह सरकार इस 20 प्वायंट प्रोग्राम को एडवर्टाइजमैंट का एक मीडिया बनाकर उसको एडवर्टाइज करना चाहती है। लोगों से वोट लेती है और इस तरह लोगों को मूर्ख बनाया जाता है। चेयरमैन साहब, इस अभिभाशण के पैराग्राफ 21 में ि ाडयूल्ड कास्टस की भलाई के बारे में जिकर किया गया है। इस बारे में कुछ आंकडे देकर बताना चाहता हूं कि यह सरकार हरिजनों की कितनी भलाई करना चाहती है। हरियाणा

में किसी भी गवर्नमैंट डिपार्टमैंट में क्लास वन टू थ्री और फोर में ि ाडयूल्ड कास्टस की रिजर्वे ान पूरी नहीं की जा रही है। चेयरमैन साहब, दुर्भाग्य की बात है कि हमारे हरियाणा प्रान्त में इस सरकार ने हरियाणा बनने के बाद कुछ दिन तक तो क्लास वन और टू में रिजर्वे ान रखी लेकिन कुछ समय बीत जाने के बाद यह पता नहीं लगता कि किन किन डिपार्टमैंट में कितने हरिजन क्लास वन और क्लास टू अफसर लगे हुए है। और न ही इस बारे में कभी कोई रिपोर्ट आई। यदि किसी डिपार्टमैंट से इस बारे में पूछा जाता है तो मालूम होता है कि इतने हरिजन क्लास वन और टू आफिसर है लेकिन रिजर्वे ान के हिसाब से फिर भी पूरे नहीं हे। सो ान वैल्फेयर डिपार्टमैंट से सभी डिपार्टमैंट की 31—12—1982 तक की रिपोर्टस आई है मैं उसके मुताबिक ि ाडयूल्ड कास्टस की रिजर्वे ान के आंकडे देना चाहूंगा। किसी भी डिपार्टमैंट में क्लास थ्री में ि ाडयूल्ड क्लास की रिजर्वे ान पूरी नहीं है। मैं आपको कई डिपार्टमैंटस के रिजर्वे ान के आंकडे बताना चाहूंगा जिसमें क्लास थ्री का ि ाडयूल्ड क्लास का रिजर्वे ान का कोटा पूरा नहीं है जबकि क्लास थ्री में क्लर्क, टाईपिस्ट और स्टैनोग्राफर आदि पोस्टे होती है। डायरेक्टर आरकाइव्ज हरियाणा के आफिस में ि ाडयूल्ड कास्टस का 20 परसैंट कोटा पूरा नहीं है। एडवाइजर सिविल एविए ान के आफिस में क्लास थ्री में 17.4 परसैंट की कमी है डायरैक्टर आयुवैदिक में 13.4 परसैंट की कमी है डायरैक्टर लोक बाडीज में 15.3 परसैंट की कमी है इंजीनियरिंग इन चीफ इरीगे ान के

ओफिस में 11.1 परसैंट की कमी है और कमी ानर अम्बाला डिविजन आफिस में तो सबसे ज्यादा घोटाला है वहां पर 17.7 परसैंट की कमी क्लास फोर मे हैं जबकि क्लास फोर के लिए ि ाडयूल्ड कास्टस के आदमी मिल सकते है लेकिन उन्हें क्लास फोर की भर्ती के लिए भी ि ाडयूल्ड कास्टस के आदमी नहीं मिलते। बडे अफसोस की बात है। इसी तरह से डायरैक्टर पंचायत की बात है। डायरैक्टर पंचायत तो बहुत बढिया आदमी है और मैं समझता हूं कि ऐसे डायरैक्टर सरकार के पास दो चार हो तो सरकार का काम बहुत अच्छा चल सकता है लेकिन अफसोस है कि उसके दफतर में भी अभी तक 6.3 परसैंट क्लास थ्री में ि ाडयूल्ड कास्टस का रिजर्वे ान का कोटा पूरा होने में कमी है। चेयरमैन साहब, इस रिजर्वे ान की कमी के बारे में तर्क यह लिया जाता है कि हमारे पास ि ाडयूल्ड कास्टस के आदमी रिक्रूट होकर नहीं आते। हरिजनों की भलाई के बारे में हरियाणा सरकार की इतनी एफीसियंसी है। चेयरमैन साहब, रिक्रटमेंट के लिये 3–3 और 4–4 साल से पोस्टें एडवर्टाइज हुई पडी है और लोगों की एप्लीके ांज एस0एस0एस0 बोर्ड के पास आई हुई है लेकिन उनका कोई रिजल्ट नहीं निकलता। रिजल्ट इसलिये नहीं निकलता क्याकि एस0एस0एस0 बोर्ड इनके घर का है, वहां पर इनके अपने आदमी है, ये अपनी मर्जी से जब जी चाहे रिजल्ट निकलवा लेते है और जो मर्जी आये वह काम करवाते है। चेयरमैन साहब, 3–3 और 4–4 साल से एस0एस0एस0 बोर्ड का रिजल्ट न आने के कारण डिपार्टमेंट वालां को एडहाक बेसिज पर लोग रिक्रट करने पडते है

जिसक ेकारण रिजर्वे न के भार्टफाल चलता रहता है। मेरे दूसरे साथ्यिों ने भी एस0एस0एस0 बोर्ड के बारे में बहुत सी बातें कही है और उन्होने जो बातें कही है वे ठीक भी नहीं है। मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि रिक्रूटमेंट के लिये जिन–2 पोसटों की एस0एस0एस0 बोर्ड ने एडवर्टाइजमेंट की हुई है ओर जिनको एडवार्टइज किये 6 महीने से ज्यादा समय हो गया है, उनका दो महनी के अन्दर–2 रिजल्ट डिक्लेयर करवा कर ि ाडयुल्ड कास्टस के रिजर्वे ान के कोटे मे जो कमी है, उसे पूरा के। मैं हरियाणा वधान सभा की वैल्फेयर आफ ि ाडयुल्ड कास्टस एंड ि ाडयुल्ड ट्राइब्स कमेटी का मैंबर हूं। हमने अपनी कमेटी की मीटिगं में चीफ सैक्रेटरी साहब और दुसरे सैक्रेटरी साहेबान से यह बात पुछी है। कि किसी भी डिपार्टमेंट में ि ाडयुल्ड कास्टस का रिजर्वे ान का कोटा पूरा नहीं है, इसका क्या कारण है? चेयरमैन सहब, हमारे चीफ सैक्रेट्ररी साहब चाहते है कि यह रिजर्वे ान का कोटा पुरा हो लेकिन उनकी भी मजबूरी है। वह कहते है कि जब तक एस0एस0एस0 बोर्ड वालें हमें आदमी रिक्रूट करके नहीं देगें, तब तक यह कमी पूरी नहीं हो सकती। इसके अलावा चेयरमैन सहब, उनकी जो एनुअल रिपोर्ट लिखी जाती है उनमें बडा झगड़ा है। जब एनुअल रिपोर्ट लिखी जाती है तो उसमें एवरेज रिपोर्ट लिख कर एप्रूव कर दी जाती है और वह एवरेज रिपोर्ट किसी भी कर्मचारी को कन्वे नहीं की जाती। जब परमो ान का नम्बर आता है तो उस समय उस एवरेज रिपोर्ट को बैड रिपोर्ट ट्रीट किया जाता है। यदि एवरेज रिपोर्ट को बैड रिपोर्ट ट्रीट करना है तो वह

कन्वे की जानी चाहिये ताकि कोई कमचारी अपनी कमी को दूर करके उसे गुड में कन्वर्ट कर सके। हमने यह प्वांयट वैलेफैयर आफ ि ाडयुल'ड कास्टस एंड ि ाडयुल्ड ट्राइब्स कमेटी में टेक–अप किया था। उसके बाद हमें पता लगा है कि अब गवर्नमेंट डिपार्टमेंटस ने एफीि ायंसी बार में एवरेज रिपोर्ट को गुड रिपोर्ट में ट्रीट करना भाुरू कर दिया है। और जितने भी एफीि ायेंसी बार के पैंडिगं केसजि थे, वे ठीक हो गये है लेकिन परमो ान के केसिज में अब भी 10 साल की एनुअल रिपेार्ट देखी जाती है। अगर उनमें 5 एवरेज रिपोर्टस हो तो कह दिया जाता है कि यह वैड रिपोर्ट है।, इसलिये यह परमेा ान नहीं की जा सकती। परमो ान के केसिज में एवरेज रिपोर्ट को बैड रिपोर्ट ट्रट कियाजा जाता है। चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि इस कमी को दूर किया जजए। इसके साथ–2 मैं हरिजनों के बारे में एक और बात कहना चाहता हू। जितने भी सरकारी स्कूल है, उनमे हरिजन बच्चों से फीस नहीं ली जाती। मैं समझता हूं कि 8वीं क्लास से उपर की क्लास में भी भाायद हरिजन बच्चों से फीस नहीं ली जाती ओर जितने भी प्राईवेट स्कूल है पहले वे भी प्राइरी क्लास तक हरिजन बच्चों से फीस नहीं लेते थे। अब हरियाणा सरकार का यह आर्डर हो गया है कि प्राइवेट स्कूलों में मिडल क्लास तक हरिजन बच्चों पर फीस नहीं लगेंगी, लेकिन अफसोस की बात है कि जितने भी प्राइवेट स्कूल है, वे हरिजन बच्चों से पूरी फीस वसूल कर रहे है। यदि कोई हरिजन बच्चा उनको फीस देने से इन्कार करता है तो वे

कहते है कि बसता उठाओ और अपने घर जाओ। जो हरिजन बच्चे प्राइवेट स्कूलों में एजुके ान प्राप्त कर रहे है उनकी फीस के लिये सो ाल वैलफेयर डिपार्टमेंट की तरफ से भी कोई प्रबंध नहीं किया गया। चेयरमैन साहब, जगाधरी में एक डी0डी0 अग्रवाल हाई स्कूल है, उन्होनें हरिजन बच्चों से इस साल की तो पूरी फीस ली ही है, पिछले साल की फीस भी ले ली है।

आज प्राईवेट स्कूलों में जो हरिजन बच्चें प्राईमरी तक पढते है, उनसे फीस ली जाती है, पहले यह फीस नहीं ली जाती थी। यदि ये बच्चे फीस नहीं देते तो उनको स्कूल से बाहर निकाल दिया जाता है। जगाधरी के पास एक हाई स्कूल है। वहां पर पिछले साल की फीस हरिजन बच्चों स`ले ली लेकिन एक साल गुजर जाने के बाद अभी तक सो ाल वैलफेयर डिपार्टमेंट की तरफ से स्कोलरि ाप का पैसा नहीं दिया गया। कहा गया है कि हरिजन लड़कियों को 10 रूप्या महीना स्कौलरि ाप दिया जाएगा। इस सम्बन्घ में, मैं आपको यह भी बताना चाहता हूं कि यदि दो, तीन दिन तक कोई लडकी किसी कारण स्कूल नहीं जा पाती तो उसका उस महीने का पैसा काट लिया जाता है। इन लडकियों के मां–बाप कई बार किसी आव यक काम के लिये धर पर एक दो दिन के लिये रख लेते है जिस कारण ये लडकियां स्कूल नहीं जा पाती। इसलिये उनके स्कूल न जाने पर जो पैसा काट लिया जाता है वह बनद होना चाहियै। चेयरमैन साहब, हालता यहां तक खराब है कि स्कौलरि ाप हर महीने न देकर

साल के आखिर में दिया जाता है। जब साल के आखिर में उनके मां–बाप को पैसे देने के लिये बुलाया जाता है तो कहते है आपका स्कौलरि ाप 50–60 रूप्ये ही है। मेरी यह प्रार्थना है कि इस पैसे को हर महीने दिया जाना चाहिये। किसी अध्यापक की नीयत खराब हो जाने के कारण यह भी हो सकता है कि साल के आखिर में उनको पूरा पैसा न भी मिले। चेयरमैन साहब, इसी प्राकर जो बच्चे हाई स्कूल, हायर–सैकेन्डरी स्कूल या बी0ए0 में पढते है उनसे भाुय में फीस ली जाती है और बाद में साल के आखिर में पैसा वापस किया जाता है। इस सम्बनध में मेरा सुझाव है कि बच्चों से एडमि ान के समय फीस न ली जाये बल्कि एडमि ान करते समय हरिजन बच्चों की लिस्ट बनाकर सो ाल वैलफैयर डिपार्टमेंट को भेज दी जाये औश्र सो ाल वैलफेयर डिपाट्रमेंट लिस्ट के मुताबिक स्कौलरि ाप सम्बन्धित स्कूलों मे भेज दे ताकि बच्चों को हर महीने स्कौलरि ाप मिलता रहे। चेयरमैन साहब, बच्चों की पढाई से सम्बन्धित जो बातें मैने कही है। उन पर गौर किया जाये। (घंटी) चेयरमैन साहब, आप बार–बार घंटी बजा रहे है। मैने अभी बहुत सारी बातें कहनी थी। मैने ंको–आप्रे ान डिपार्टमेंट, एग्रीकल्चर और दुसरे डिपार्टमेंटस के सम्बन्ध में भी कहना था।

चेयरमैन साहब, यहां पर कहा गया है कि हरियाणा प्रान्त में ला एंड आर्डर की स्थिति बहुत संतोशजनक है। चेयरमैन साहब, यमुनानगर के अन्दर 20–25 रोज से ला एंड आर्डर की

स्थिति बहुत ही खराब है। वहां पर कैनाल रैस्ट हाउस के अन्दर एक कमरे में एक आदमी को मार दिया गया लेकिन पुलिस ने अभी तक किसी को पकड़ा नहीं है। वहां पर चोरियां भी बढती जा रही है लेकिन पुलिस हर काम में नाकामायाब है। यमुनानगर की हालात यह है कि भााम को 7–8 बजें के बाद किसी भी व्यक्ति को अपने घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं पडती। सुनने में आया है कि कुछ वी0आईपी0 लोग बैठे है जिनके कारण पुलिस कुछ कर नहीं पा रही। यदि पुलिस की कमजोरी है तो वहां के एस0एच0ओ0 या दूसरे कर्मचारियों का तबादला कर दिया जाना चाहिये। (घंटी) चेयरमेन साहब, आप समय नहीं दे रहे इसलिये मैं गवर्नर के अभिभाशण का विरोध करते हुये अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

**प्रो0 सम्पत सिंह (भट्टू कलां):** चेयरमैन साहब, मै तीन चार दिन से गवर्नर एड्रैस को पढ रहा हू। मैने सारे अभिभाशण को अच्छी तरह से पढा है। सरकार ने इस अभिभाशण के अन्दर अलग–2 विभागों का अलग–2 ब्यौरा दिया है। इसमें जो ब्यौरा दिया गया है मैं उन सभी का विरोध करता हूं । लेकिन इसमें एक बात जो नहीं आई वह ट्रांसपोर्ट के सम्बन्ध में है। पिछले बजट में हाउस से ट्रांन्सपोर्ट के लिये कुछ पैसा पास करवाया गया था उसका जिक्र इस अभिभाशण में नही है। इसमें लिखा है कि सरकार ने बहुत अचीवमेंटस की है। हम भी चाहते है कि अचीवमेंटस हो। चेयरमैन साहब इस अभिभाशण में इन्होनें यह

नहीं लिखा कि ट्रांसपोर्ट मिनिस्टरी के लिये जो पैसा रखा गया था, उसमें से कितना पैसा खर्च करके बसें खरीदी गई। हमारे पास कितनी बसें थी, कितनी जिछले साल खरीद गई और इस साल कितनी खरीदने का विचार है साथ ही यह भी नहीं दिखाया गया कि कितनी आमदनी हुई है और कितना खर्च हुआ है। इस अभिभाशण को भाायद पब्लिक रिले ान विभाग ने तैयार किया होगा। ये बातें भाायद वहां पर हो सकता है, मिल जाये, लेकिन अभिभाशण में इसका कोई जिक नहीं किया गया। यदि गवर्नर साहब अभिभाशण के अन्दर इस सरकार की इन–एफि ायेंसी, कर्प ान और राजनीतिक व्यपारीकरण तथा प्रजातंत्र के कत्ल का जिक करते तो बात समझ में आती। चेयरमैन साहब, आज किसी महकमें में काम ठीक नही हो रहा है और न ही कोई महकमा फायदे में चल रहा है। सभी महकमें घाटें में है। हालात यहां तक खराब हो गये है कि मुलाजिमों को तनख्वाह तक देने को पैसा नहीं रह गया है। जो कर्मचारी डेलीवेजिज पर काम करते है उनको पैसे मिले हुये 6–6 महीने के करीब हो गये हैं चेयरमैन साहब, लाइब स्टाक फार्म हिसार तथा फोरेस्ट विभाग में काम कर रहे कर्मचारियो को तीन महीने से वेतन नहीं दिया गया। अगर अचीवमेंटस का जिक करते समय गवर्नर साहब, उस मिनिस्टर का जिक करते जिसने चण्डीगढ़ के एक होटल में अचीवमेंटस की तो अच्छा होगा। ये सब बातें मुझे इस अभिभाशण में नजर नहीं आई। आज किसान को न पानी मिल रहा है और न ही बिजली मिल रही हैं पानी की कमी से सभी लोग परे ाान है। पानी की कमी को

पूरा करवानें के लिये इन्होने दे ा की प्रधान मंत्री महोदया द्वारा पंजाब टैरिटरी में एस0वाई0एल0 नहर बनाने का पत्थर रखवाया था। जब दे ा की प्रधानंमंत्री कोई पत्थर रखा करती है तो उस पर काम हुआ करते है लेकिन इन द्वारा जो पत्थर रखवाया गया हैं उस पर आज तक काम नहीं हो पाया है। यह पत्थर मुख्यमंत्री या किसी मंत्री द्वारा नहीं रखा गया था कि साल दो साल या तीन साल बाद भी काम भ्रुरू न हो। प्रधानमंत्री द्वारा पत्थर रखने के बाद निर्धारित समय में काम खत्म होना चाहिये। प्रधान मंत्री ने पत्थर रखा है और पंजाब सरकार को 20 करोड रूपया दिया है और फिर भी उस पर काम भ्रुरू न हो इसमें कोई राज की बात नजर आती है। ये दुहाई दे रहे है कि हमने पंजाब सरकार को 20 करोड रूप्या नहर की खुदाई के लिये दे दिया हैं। मैं बताना चाहता हूं कि इन 20 करोड रूप्यों से पंजाब सरकार के चीफ इन्जीनियर, एस0ईज0 एक्सीयन, एस0डी0ओ0 और दुसरे कर्मचारियों को फायदा हो रहा है। पंजाब के ये अफसर अपनी गाडियों में चण्डीगढ आते है और हरियाणा का पैसा खराब करके चले जाते है।। इसके साथ ही इन्होने कहा है कि इन्होनें नहरें और खालें पक्की किये है। चेयरमैन साहब, इस सम्बनध में मैंने एक काल अटैन्ा न मो ान भी दिया था। जहां तक खालें पक्की करने का सवाल है वह मैं आपको बताता हूं। जहां जहां पर खाल पक्के किये गये है, उनके मोघें का लैवल उंचा तथा साइज कम कर दिया है जिसक`परिणाम स्वरूप किसान को तीसरे हिस्से का पानी भी नहीं मिल पाता। इसके दूसरी तरफ कई इलाकों में

सीपेज की समस्या है भी दिन प्रतिदिन बढती जा रही हैं सरकार को इस और ध्यान देकर इस समस्या का कोई न कोई समाधान करना चाहिये। सरकार खाल और नहरें पक्के करने के नाम पर पैसा खा रही है। बिजली की भी ये दुहाई दे रहे है कि किसनों को प्रतिदिन 14 घंटे बिजली दे रहे है। चेयरमैन साहब, आप भी किसान है और आप भी गांवो में जाते रहते है। आपने भी देखा होगा कि किसानों को तीन–चार घंटे से ज्यादा बिजली कभी नहीं मिल पाती। बिजली की कमी औश्र पानी की समस्या के कारण बेचारा किसान अपना उत्पादन नहीं बढा पा रहा है। ये कहते है कि उत्पादन बढा है जबकि मैं यक कहता हूं कि किसान आज की सरकार से बहुत दुखी है। यहां पर कहा गया है कि बिजली का उत्पादन बढाने के लिये थर्मल प्लांटस चालू किये गये है। चैयरमैन साहब, उनकी हालात यह है कि किसी भी थर्मल प्लांटस में 20–25 प्रति ात से ज्यादा प्रोडैक ान नहीं हो रही। इलैक्ट्रीसिटी डिपार्टमेंट में इनएफि ियेंसी और करप् ान का बोलबाला है। आज एच0एस0ई0बी0 में करोडों का माल खरीद हुआ है जो स्टोरों के अन्दर पडा है। मंत्री जी ने एक सवाल के रिटर्न जवाब में बताया था कि 7–8 करोड़ रूप्ये का माल पीछे का यूं का यूं पडा है। यह माल तकरीबन 100 करोड का है जो युं ही पडा–2 बरबाद हो रहा है। एक हजार करोड रूप्ये का एच0एस0ई0बी0 ने फाईनें ियल इन्स्टीच्यु ान से लोन ले रखा है ओर इसलिये इसमे घाटा है। इस अंसिस्टेंट डायरैक्टर विजिलैंस ने 8 फैक्ट्रियों की इन्कवायरी की थी जिसमें 10 लाख रूप्ये के अनऔथराइज्ड पावर एक्सपें ान

पकडी थी लेकिन उस इन्स्पैक्टर को वहां से बदल दिया गया क्योकि उसने बिजली की चोरी पकड़ कर इसकी बिंलिंग कर दी थी। ये उन प्रभाव ाली लोगों को फैक्ट्रियां थी जिनका सीधा सम्बन्ध मुख्यमंत्री जी से है, इसलिये इस इन्सपैक्टर को उस ब्रांच से बदल दिया गया ओर कह दिया जाओं , अब तुम आराम करो। यह ईनाम दिया था उसको। अगर कोई अफसर ईमानदारी से करप ान को पकडने की कोि ा ा करता है तो उसको बदल दिया जाता है। जहां ईमानदार आफिसर्ज को यह ईनाम मिलता हो वहां कैसे करप ान दूर हो सकती है?

चेयरमैन साहब, इसी तरह एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट, एग्रो–इंडस्ट्रीज कारपोरे ान , सीड कारपोरेशन मार्किटिंग बोर्ड ओर दूसरी स्टेट कारपोरे ान्ज में पैसा खाया जा रहा है, खाद खाई जा रही हैं चेयरमेन साहब, आप अचम्भा करेगें कि ये कीडे मार दवाइयां तक खा जाते है लेकिन इनकी सेहत पर असर नहीं हो रहा। ये कहते है कि प्रोडक ान बढी है ओर किसान की आमदन बढी है। कहां बढी है आमदन जो कुछ भी वह किसान ने मेहनत की है, रात दिन मेहनत करके अपनी इन्कम बढाई है, एप्वांयटमेंट देख ले, ट्रांस्फर देख ले, प्रमो ान देख ले, हर चीज के अन्दर पैसा चल रहा है, करप ान हो रही हैं जहां तक पोस्टिंग का ताल्लुक है पोस्टिंग की औक ान होती है, ठेके छूटते है। अगर एक थानेदार 10 हजार रूप्या दे कर थाने में आ जाता है तो दूसारा थानेदार 15 हजार देकर उसी थाने में आ जाता है। इसी

तरह अगर तीसरा थानेदार 20 हजार दे देता हे तो वह भी उसी थाने में आ जायेगा। जो थानेदार ज्यादा से ज्यादा पैसा देगा वहीं वहां आ जाता है। इस तरह पोस्टिंग के लिये औक न होती है। चेयरमैन सहब, जब आप फारेस्ट की बात देखे, उस वक्त हमारे मुख्य मंत्री जी ने इस बात को माना भा था कि यह फारेस्ट बोर्ड इस लिये बनाया गया है ताकि ये अपने काबिल दोस्त जो हमारे पहले वजीर भी रह चुके है , उनके गुणों का , उनकी काबलियत का उनकी योग्यता का फायदा उठास सकें और जंगलात में अच्छा काम हो सकै। चयेरमैन साहब, हम इनके कहने को मान लेते अगर इनमें काबलियत की कोई बात होती। अगर कागलियत की बात होगी तो वहीं होगी जहां से आदमी रिप्रेंजेट करता है क्या मैं पूछ सकता हूं कि उनहोनें क्यो छोडा था कुरूक्षेत्र और क्यों कैथल आये थे? जब कुरूक्षेत्र में आये तो लोगों ने इनको ठुकरा दिया। चेयरमैन साहब इनको फारैस्ट बोर्ड का चेयरमैन क्यों बनाया है। .. ..... .....(व्यवधान) चेयरमैन साहब आज इस किस्म के घपले हो रहे ह। इसी तरह से लैंड ग्रेंविग.....

**श्री प्यारा सिंहः** आन ए प्वांयट आफ आर्डर। चेयरमैन साहब, इन्होने जो कहा है.....यह कहना गलत बात है, इसको एक्सपंज किया जाये। (व्यवधान)

**Shri Verender Singh:** Nothing unparliamentry has been said. Your can check the record, Sir.

**Mr. Chairman:** If any insinuation has been made against some member that may be expunged.

**श्री राम बिलास भार्मा:** चेयरमैन सहब, एक्संपक ान के भी कुछ नियम होते है। जो बात विपक्ष कहता है उसको बिना किसी बात के एक्सपंज कर दिया जाये, यह ठीक नही। हमारे साथी ने जो कुछ कहा है वह एक्सपंज न किया जाये।(व्यवधान)

**Mr. Chairman:** Any remarks given in an indecent way will certainly be expunged and that is why I have expunged those words.

**प्रो0 सम्पत सिंह:** चेयरमैन साहब, हरियाणा में अचीवमेंट वाली कोई बात दिखाई नहीं देती, हर तरफ भ्रश्टाचार की बातें हो रही है। आपको पता है जो लोग पाकिस्तान से आये थे, जिनके पास पाकिस्तान में प्रोपर्टी थी, उनको भारत में भी जायदाद दे दी गई थी, लेकिन उनमें से कुछ लोग रह गये थे उनको जमीन देनी थी। चेयरमेन साहब , इस जमीन हड़पने के लिये आज हरियाणा में मुख्य मंत्री के भाई के नेतृत्व में मीजिया गैंग चला आ रहा है जो लैंड ग्रैब कर रहा है। जिस व्यक्ति को जमीन देनी चाहिये थी, उसकी जगर किसी दूसरे व्यक्ति को खडा करके दस्तखत करवाकर, अलाट करवा लेते है ओर पावर आफ अटौरनी खुद ले लेते हैं (व्यवधान) आज सारे हरियाणा मे जो लोग बाहर से आये थे, क्या वे सारे के सारे ही महमूदपुर रोही के थे? विपेज नारोटा जो करनाल जिले मे है वहां पर 11 एकड़ और 65 एकड, टोटल मिलाकर 76 एकड जमीन ग्रेब हुई है। इसी तरह जाने  वर गांव में

37 एकड ग्रेब हुई है जो करनाल जिले में है। इसी तरह गांव खुबरू जिला सोनीपत में 100 एकड़, गांव खजाखेडा जिला सिरसा में 14 एकड़ जमीन ग्रेब हुई है जो करोडो रूप्ये की है। इसी तरह चांवल व अबूब भाहर एरिया की जो सिरसा भाहर के साथ लगती है, उसको बेनामी करवाकर हडप लिया गयाहै। चेयरमेन साहब, इस तरह से लैंड ग्रेबिंग का स्कैंडल हरियाणा में सक्रिय है और इस स्केंडल को हाईयेस्ट अथारिटी से स्पोर्ट मिलती है।

चेयरमैन साहब, इसके अलावा राजस्थान के साथ जो इलाका लगता है उसमें कमी न खाने का सिलसिला चला हुआ है। गवर्नर एड्रस में तो ट्रांसपोर्ट का इतना जिक्र नहीं किया परन्तु मैं कर देता हूं। ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर साहब ने अपने रिटर्न जवाब में बताया था कि हिसार से भादरा को दो बस रूट जाते है। इन रूटों पर प्राईवेट बसें 1100 किलोमीटर रोज चलती हैं हरियाणा रोडवेज भी चलती है और 900 किलोमीटर रोजना सफर करती है। मंथली स्टेंटमेंट के मुताबिक दिसम्बर, 1982 में हरियाणा रोडवेज 27 हजार किलोमीटर सफर कती है ओर इसके मुकाबलें में प्राईवेट बस सर्विस 33 हजार किलोमीटर चलती है। चेयरमैन साहब, आप हैरान होगें कि दिसम्बर, 1982 में प्राईवेट बस आप्रेटर्ज ने एक हजार रूप्ये पैंसेजर टैक्स दिया है और इसके मुकाबले में उसी दौरान उसी रूट पर उसी वक्त हरियाणा रोडवेज ने 53 हजार रूप्ये पैसंजर टैक्स दिया है, यानि 53 गुणा ज्यादा टैकस हरियाणा रोडवेज ने दिया है, यह एक राज की बात है।

(व्यवधान) ये रूट परमिट राजस्थान गवर्नमेंट ने दिये है, हरियाणा गवर्नमेंट ने नहीं दिये। ये सारी की सारी बसें पुलिटिक्ल हाई–अप्स की है जो मुख्यमंत्री के रि तेदार है, इलिये ये टैकस नहीं देते। यही कारण है आज ट्रांसपोर्ट में करोडों रूप्ये का घाटा हो रहा है।

चेयरमैन साहब, ये ला एंड आर्डर की बात करते है कि हरियाणा में व्यवस्था ठीक है। अगर कानूनी व्यवस्था ठीक है तो जब से ये मुख्य मंत्री बने है तब स`अब तक 471 रेप के केसिज हरियाणा में हुये है और इनमें से मोसटली केसिज अनट्रेस्ड हैं जहां यह हालत हो वहां ला एंड आर्डर की पोजी ान कैसे ठीक कही जा सकती है। इसके दूसरी तरफ जो हमारे राजनैतिक साथी है, उनके खिलाफ झुठे मुकदमें बना दिये हैं चेयरमैन साहब, एक जगदी ा कुमार, एक्स एम0एम0ए0 है, उन्होने मुख मंत्री को वार्निंग दी थी। अगले दिन पता नहीं किसने वहां पर मर्डर कर दिया और इस मर्डर के बेसिज पर तीनों भाईयों को इस केस में इन्वाल्व कर लिया और अंडर सैक ान 302 के तहत गिरफतार कर लिया। (व्यवधान) चेयरमैन साहिब, इसी तरह से पंजाब से कुछ ट्रक हिसार में आये थे, उनके टायर लिकाल लिये गये। इस केस से संबंधित जब लोगों को पकडा गया तो बीच में श्री राजाराम को भी पकड लिया गया और 2–1–83 को हिसार थाने में बन्द कर दिया। मुझे यह कहने में कोई हियचक नहीं है क्योकि यह सच्ची बात है और यह आदमी मुख्यमंत्री के व्यापारी भाई के दामाद का

भाई है। ( ोम– ोम) चेयरमेन साहब, दे ा में आमदनी के साधन सारे के सारे खत्म कर दिये.....

**Mr. Chairman:** Your time is over. Please wind up now.

**ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा मेहरा):** आन ए प्वांयट आफ आर्डर। चेयरमैन साहब, मैं आनरेबल मैंबर साहब से दरखास्त करूंगा कि वे गवर्नर एड्रैस पर ही बोलें। जो कुछ ये बोल रहे है, क्या यह गवर्नर एड्रैस का पार्ट है? (व्यवधान) ऐसी बातें कहना आन दी फलौर आफ दी हाउस एलीगे ान लगाना ठीक नही, यह एक्संपज होना चाहिये। क्या यह बोलने का तरीका है? यह गलत तरीका है। (व्यवधान) This is not the way od debate, Sir. Every time we are observing that the allegations are leveled by the opposition benches which are highly objectionable.

**श्री वीरेन्द्र सिंह:** चेयरमैन साहब, सम्पत सिंह जी ने जो अभी कहा है कि उसका श्री जगदी ा नेहरा जी ने बुरा मनाया है और इन्होने यह कहा है कि यह एक्संपज होना चाहिये। When an hon'ble Member has given F.I.R. number date and everything तो ये कैसे कह सकते है कि यह एक्सपंज होना चाहिये।

**(12.00 बजे)**

**Shri Jagdish Nehra:** On a point of order Sir. Is it a way of speaking? Every time they are leveling allegations. (Interruptions).

**Mr. Chairman:** You please be seated.

**प्रो0 सम्पत सिंहः** चेयरमैन साहब मै। कह रहा था कि आमदनी के जितने रिसोर्सिज है, वे कट कर दिये है लेकिन यह कहते है कि हमने बडी भारी अचीवमेंट की है। मैं आप को एक मिसाल देना चाहता हूं कि जो फिल्में सामाजिक और धार्मिक होती है, उन का सरकार टैक्स माफं कर दिया करती है लेकिन हमारे हरियाणा में जिन फिल्मों का टैक्स माफ किया गया उनके नाम है, ''प्रीत न जाने रीत'', 'इन्साफ का तराजू', कोध और अत्याचार'। ''प्रीत न जाने रीत'' में तो 15 मिनट तक रेप क सीन चलता है लेकिन इस सरकार ने उसका भी टैक्स माफ कर दिया। यह किस आधार पर किया गया है? हमारे हरियाणा के मिनिस्टर है उनके वजारत में होने के कारण टैक्स माफ हुआ है। वे बम्बई गये थे, उसी दिन इसकी हीरोडन भार्मा कक्कड़ का बर्ड डे था। इन्होने बम्बई से वापिस आते ही उस फिल्म का हरियाणा में टैक्स माफ कर दिया।

**Mr. Chairman:** Mr. Sampat Singh, your time is over. Please be seated. (Interruptions) You have already taken 15 minutes.

**Prof. Smapat Singh:** I request your honour to allow me to speak for half a minute more. (Interruptions)

**श्री जगदी ा नेहराः** चेयरमैन साहब आप मेरी बात तो सुने। क्या यह गवर्नर एड्रैस पर बोलने का तरीका है?

**प्रो0 सम्पत सिंहः** आप यह डिसाईड नहीं कर सकते। चेयरमैन साहब डिसाइड कर सकते है कि मैं ठीक बोल रहा हूं या गलत बोल रहा हूं (विघन) चेयरमैन साहब मैं केवल आध मिनट लेना चाहता हूं।

**Mr. Chairman:** Please be seated. Now Sardar Piara Singh will speak.

**Prof. Sampat Singh:** Sir, I would again request your honour to allow me to speak for half a minute more.

**Mr. Chairman:** Please be seated. Why are you insisting again and again? Shri Piara Singh will speak now.

**Prof. Sampat Singh:** In compliance with your orders, I resume my seat.

**श्री प्यारा सिंह (पेहवा):** चेयरमैन साहब, बहन करतार देवी ने गवर्नर एड्रैस पर धन्यवाद का प्रस्ताव मुव किया है,? मैं उसकी ताइद करने के लिये खडा हुआ हूं। गवर्नर साहबन ने जो एड्रैस रखा है, उसे मेरे दोस्त उसकी कापियों को फाड कर हाउस से बाहर चले गये। गवर्नर साहब के अभिभाशण से स्पश्ट प्रतीत होता है कि हरियाणा में विकास के कार्य हुये है और एक प्रकार से हरियाणा को विकास की रेा ानी मिली है। गवर्नर साहब ने हर विभाग को थोडा–2 टच किया है। चेयरमैन साहब, सब से पहले उन्होने एग्रीकल्चर विभाग के विशय में लिखा है कि इस विभाग में क्या–2 सुधार हुये है या होने जा रहे है। अपोजी ान के साथियों को अपोजी ान अव य करनी चायिहे लेकिन जो सही बात हो

उसे सही मानना चाहिये। राज्य कृशि मार्केटिंग बोर्ड ने तर्वमान 41 मंडियों के लिये एक मास्टर प्लान तैयार किया है। चेयरमेन साहिब, मार्किटिग बोर्ड बहुत बडे बडे काम करने जा रहा है। सडकें बनायी जा रही है औश्र भी विकास के बडे भारी काम किये जा रहे ंहै। चेयरमैन साहब, सबसे बढिया काम यह हुआ है कि हमारी सरकार ने ऐसी दवाई मंगवायी है जिससे गन्दम के खेत में जो घास पैदा हो जाती थी, वह खत्म हो। इस साल तो वह कम मात्रा में आयी है। उसका प्रयोग करने सें किसानों को बडा लाभ हुआ है। उस दवाई ने खेतों में खाद का भी काम दिया है। और खेत में जों घास पैदा होती है वह भी खत्म कर दी है।(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुये) स्पीरक सहब, गवर्नर साहब के एड्रेस में हैल्थ डिपार्टमेंट के बारे में काफी कुछ लिखा गया है। गावां के लोगो को यकमु त रू प में स्वास्थय देख–रेख सुविधा की व्यवस्था करने के लिये राज्य के सभी जिलों में बहुप्रयोजनी स्वास्थय योजना लागू की गई है। इस योजना के अन्तर्गत 5000 जनसंख्या के पीछे एक पुरूश तथा एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की व्यवस्था की गई है। स्पीकर साहब कोआप्रेटिव विभाग में भी काफी सुधार हुआ है। हरियाणा सरकार कई नयी चीनी मिलं लगाने जा रही है। फरीदाबाद, जीन्द और भााहबाद में जल्दी ही मिलें लगने जा रही है। इसी प्रकार इन्डस्ट्री विभाग कें भी काफी उन्नति हुई है। हरियाणा मं काफी नयी इन्डस्ट्री लगी है। हरियाणा फाइने ांल कार्पोरेशन ने बेरोजगार लोगों को कर्जा भी दिया है। जो लोग बेरोजगार थे और नोकरी मांगते थे, उनहें सरकार ने कर्जा देकर

इन्डस्ट्री चालू करवा दी है। अब आप देखिये कि कितने ही अच्छे काम हमारी सरकार करने जा रही है। इन्डस्ट्री और ट्रांसपोर्ट विभाग में भी बडा भारी काम हुआ है। हमारे हरियाणा प्रदे ा मे कितनी ही नयी बसें चली हौ। एयर कन्डी न बसें भी कई चल गई है। जो हरियाणा में नयी बसें आई है उनसे कन्डक्टरों और ड्राइवरों को रोजगार मिलेगा।

स्पीकर साहब आप जानते है कि महकमा नहर में भी बहुत बडा काम हुआ है। हमारे अपने इलाके में जब आप इरीगे ान मिनिस्टर थे, उस टाईम पर झांसा गांव में सुलफानी लिफट इरीगे ान स्कीम आरम्भ की थी उससे हमारे एरिया को काफी लाभ होगा। इसी तरह से फरीदारबाद, जगाधरी औश्र पानीपत में नये थर्मल प्लांट लगने जा रहे है।

स्पीकर साहब, कल यहां हाउस में बहन भान्नो देवी के निधन पर श्रद्धांजलि देते समय एक बात कही गई कि उनहें दवाई समय पर नहीं मिली क्योंकि उनके पास पैसे की कमी थी। यह गलत बात है। मैं बहुत वि वास के साथ कह सकता हूं वह हमारी माता थी, उन्ही से मैने पोलिटिक्स में आने की प्रेरणा ली थी। चौधरी भजन लाल ने उनकी फ्रीडम फाइटर पैन ान भी लगा रखी थी। उनके इलाज पर 72 हजार 723 रूपये खर्च किये। मेरे दोस्त कह रहे थे कि वे बुरी अवस्था में मरी है। उन्होनें लास्ट में इच्छा प्रकट की थी कि मुझे यमुनानगर ले जाया जाये जहां मेरा अपना स्थान है। हम उसे वहीं पर लेकर गये। ज्यादा उम्र होने के नाते

से उनहै सुनना भी बन्द हो गया था । हमने उनके लिये कान में लगाने वाली म ाीन का प्रबन्ध करके दिया मैं उनसे गाहेबगाहें मिलता रहता था। मेरे दोस्तों को ऐसी बात नहीं कहनी चाहिये कि उनकी मृत्यु बहुत बुरी हालत में और दवाईयों या पैसे की कमी के कारण हुई। डा0 मंगल सैन जी यहां पर बैठे नहीं है, उन्हे सोच कर बात कहनी चाहिये। हरियाणा सरकार ने हर विभाग मे ंचाहे ट्रांसपोर्ट है, चाहे पब्लिक हैल्थ है, सब में बडी भारी डिवैल्पमेंट की है। चोधरी लाल सिंह जी बैठे है, उनहोने बताया कि 245 गावों में पीने का पानी दिया है। कहने का मतलब है कि हर विभाग में डिवैल्पमेंट के कार्य हुये है।

स्पीकर साहब, मैं हैरान हूं कि चौधरी भजनलाल ओर उनके साथी डिवैल्पमेंट के लिये भारत सरकार से इतना रूप्या कैसे लाते है? यहां से इतना रूप्या कैसे पैदा करते है, लाते है और खर्च करते है? आप लोगों की सूचना के लिये मैं यह बताना चाहता हूं कि हमारे गांवों में प ाुओं की देखभाल के लिये हजारों की तादाद में डिस्पैंसरियां खोली गई है। इतना ही नही, ि ाक्षा विभाग द्वारा 100 हाई स्कूल अपग्रेड कर दिये गये है और 200 के लगभग स्कूल पिछले साल में बनये गये है। इनमें साईंस टीचर्ज, मैथस के टीचर्ज और हैडमासटर्ज भी रखे गये है। मेरे दोस्त एस0एस0एस0 बोर्ड के बारे में यह कहते है कि वहां पर घपला चलता हैं स्पीकर साहब मैं यह बात ईमानदारी के साथ कहता हू कि मरे हल्के के कई लडके लाखों रूप्ये अपनी जेबों में लेकर

फिरते रहे लेकिन उनको नौकरी नहीं मिली। एक लडका जो हरिजन था और जो मैरिट पर ठीक था, केवल उसका नम्बर आया। उस बेचारे ने किसी को कोई पैसा नहीं दिया। इसलिये मैं इनसे पूछनाचाहता हूं कि कौन कहता है कि घपला है? अगर पैसा चलताथा तो मोरे हल्के के पांच नौजवान लाखों रूप्या जेबों में डालकर फिरते रहे, उनका नम्बर क्यों नही आया? यह प्रचार मात्र के लिये है, इसमें कोई सच्चाई नहीं है। मैं ईमानदारी से यह बात कहता हूं कि जब पिछले दिनों क्लर्क लिये गये तो मेरे हल्के से दो क्लर्क लिये थे। किसी एम0एल0एज0 के हिसाब से क्लर्कों की पोस्टों की बांट होती तो हरेक एम0एल0ए0 के हिस्से 20 आते मैं यह बात बडी ईमानदारी से कहता हूं ि कइस बात का प्रचार ज्यादा है लजेकिन हकीकत में कुछ भी नहीं है। लोगों केक इस गलत प्रचार को हम बन्द नहीं कर सकते क्योकि उनको अपनी बात कहने का अधिकार है हरियाणा में सो ाल वैल्फैयर डिपार्टमेंट का काम कितनी अच्दी तरह स`चल रहा है। यह इस बात से पता चलता है कि जब सें हमारी बहिन भाकुन्तला जी इस विभाग की मंत्री बनी है, हम रोज अखबारों में भी पढते है और मैने खुद भी देखा है कि कहीं वे स्वयं जाकर बेसहारा बच्चों की भाादियां करवा रही है, कहीं पर जाकर यह हरिजनों को कर्जे बांट रही है आज का पता नहीं कितने ही कर्ज और ग्रान्टें हरिजनोंमें बांट दिये हैं स्पीकर साहब, जहां तक हरियाणा में 20 सुत्री कार्यक्रम का ताल्लुक है, यह सरकार सब स्टेटों से आगे चल रही है। भारत में यह सबसे पहली स्टेट है जिसे बैकवर्ड क्लासिज निगम कायम

किया हैं स्पीकर साहब, चाहे हम किसी भी महकमें की बात करे सब जगह काम हो रहा है। हर महकमे ने बड़ी तरक्की की हैं जब मैं एम0एल0ए0 नहीं था, तो मैं चौधरी भजन लाल जी से पूछा करता था कि आप इतना पैसा कहां से लाते हो, इतनी सड़कें, इतने हस्तापाल, इतने कालेज और इतनी तहसीलों की बिल्डिगें कैसे बना दी है? स्पीकर साहब, आपको भी पजा है कि हरियाणामें कितनी तरक्की हुइ है। यह सब तरक्की चौधरी भजन लाल, उसके साथियों और सबसे ज्यादा इंदिरा गांधी की मेहरबानी की वजह से हुई है क्योकि हरियाणा 20 नुकाती प्रोग्राम को लागू करने में सारे भारतवर्श में सबसे आगे है। मेरे दोस्त जानबूझ कर ऐसी बातें करते है। मेरे दोस्त एक वन विभाग की बात कर रहे थे। सारे हरियाणा के अन्दर मैने देखा है सब जगह हरियाली ही हरियाली नजर आती हैं हमारे दोस्त कहते है िकइस तरह से आप अफसरों की डैपुटे ान पर नहीं ले सकते। मै इनहें कहना चाहता हूं कि जो एस0डी0ओ0 है, एक्स0ई0एन0 है या दुसरे बडें अफसर है , वे भी तो हमारे बोर्डो ओर कारपोरे ानों में डैपुटै ान पर चले जाते है। अगर इनको भी फारैस्ट बोर्ड में डैपुटे ान पर ले लिया गया है तो क्या जूर्म हो गया है? स्पीकर साहब, अख्रि मैं मैं, आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया । जय हिन्द।

**श्रीमती चन्द्रवती (बाढ़डा़):** स्पीकर सहाब, श्रीमती करतार देवी ने गवर्नर के अभिभाशण पर धन्यवाद का मो ान मूव किया है, मैं उसके उपर बोलना चाहती हूं। हम किस बात के लिये

गवर्नर का धन्यवाद दे। .....
.....लोग तो क्या बदलते होगें लेकिन इन्होनें बदल दी ओर कांग्रेस की सरकार बनायी। स्पीकरसाहब, 24 पैराग्राफ और 18 पन्ने के इस अभिभाशण में कुछ निगमों और बोर्डो के सिवाय मुझे कुछ नजर नहीं आया। एक बात जो मुझे इसमें नजर आयी वह यह है कि 58 एकड जमीन किसी इलैक्ट्रोनिक कम्पनी के लिये ली जा रही है। पता नहीं वह किसकी है?

**एक आवाजः** गवर्नमेंट आफ इंडिया की है।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** अगर गवर्नमेंट आफ इंडिया की पब्लिक सैक्टर में कोई कम्पनी है तो ठीक है लेकिन जमीन किसकी ली जा रही है? जमीन तो हमारे किसानों की ली जा रही हैं एक मारूमि के लिये भाई बंसी लाल जब मुख्यमंत्री थे, तो उनहोने दी थी, तब भी बडा भारी बावेला मचा था। स्पीकर साहब, आज तो रोजाना ही किसानों की जमीन लेकर इंउस्ट्रियलिस्टस को दी जा रही है, यह किसनों का बहुत बडा दुभार्ग्य है। आज गुड़गावं, सोनीपत और फरीदाबाद के नजदीक जो किसान बसते है, उनकी जमीन ली जा रही है। मैं एक बात सबूत के साथ बोलना चाहती हूं। फरीदाबाद और बल्लभगढ की कुछ जमीन का नोटिफीके न अन्डर सैक ान 4 किया गया है जिनमें 389 एकड जमीन एस्कोर्ट वालों के लिये ली जा रही हैं जहां पहले 389 एकड जमीन लेने के लिये नोटिस इ ा किया थ, उसमें से केवल

349 एकड जमीन ली जा रही है क्योकि बीच मे सिकी बडे इन्फलुएं ीयल आदमी की जमीन थी, वह छोड दी गयी है। वह कोई ऐसा आदमी होगा जिसने इनको दिल्ली के चुनाव के दौरान चन्दा दिया होगा। ऐसे बडे कारखाने है वालो की जमीन छोड दी और जो गरीब किसान है उनकी जमीन एक्वायर कने की बात भाुरू कर दी है। मेरे पास रिपोर्टस है। इन्होने 4 रूप्ये, 6 रूप्ये या 10 रूपये गज के हिसाब से जमीन ली है ओर उसको 150–200 रूप्ये गज के हिसाब से बेचेगे। एस्कोट्र को देगे। पहले भी मारूति कम्पनी को किसानों की जमीन दी थी लेंकिन अब ये एस्कोर्ट को लेकर दे रहे है । इस तरह किसान की सारी जमीन हडप की जा रही है। फिर यह कहते है कि हम किसान के लिये काम कर रहे है। इस तरह किान की सारी जमीन हडप की जा रही है।फिर यह कहते है कि हम किसान के लिये काम कर रहे है। स्पीकर साहब मेरे साथियों ने जो कुछ कहा है, मैं उसको दोबारा रिपीट नहीं करूंगी। पलवाल में चौधरी कल्याण सिंह की जमीन का भी नोटिफिके न से बाकी की जमीन एक्वायर कनेज ा रहे है। उनकी जमीन उस नोटिफीके ान हो चुका था। चुकि वे मिनिस्टर है, इसलिये उनकी जमीन तो छोड दी गयी ओर बाकी की जमीन एक्वायर करने जा रहे है। उनकी जमीन उस नोटिफीके ान से बाहर आ गयी है। और वह सिर्फ इसलिये बाहर आई ि कवह खुद एम0एल0ए0 है और मंत्री है। आजकल सरसों में खराब आ गया है इसलिये खराबा हो गया है क्योंकि खाद मिलावटी है। पिछले दिनों अखबारों में एक खबर छपी थी। असके अनुसार सैंटर के

वजीर राव साहब ने कहा था कि खसाद मिलावटी है। आप ही देखें, एक जिम्मेवार केन्द्रीय एग्रीक्लचर वजीर यह मानता है कि खाद में मिलावट है। इसके बावजूद खाद में मिलावट चल रही है। अपको पता ही है इस वजह से पिछले साल चने की फसल खराब हो गयी ओर अब सरसों की खराब होने लग रही है और वह इसलिये कि आप खाद खराब दे रहे हैं रावी ब्यास की बात तो मैं आपसे क्या कहूं। गवर्नर एड्रैस में तो आपने लिख दिया है कि रावी–ब्यास में हमारा हिस्सा है लेकिन यह नहीं लिखा कि कितना हिस्सा है। गवर्नर साहब ने केवल इसको पढना था, उन्होने पढ दिया। क्या आप उस हिस्से के बारे में भी उनके साथ कोई समझौता कर रहे है या कोई सोदा कर रहे है जो आापको एक बार सेंट्रल गवर्नमेंट दे चुकी है? इस मामले में हमने कहा था कि हम आपको अनक्वालिफाइड स्पोर्ट देने को तैयार है। हम इस चीज के खिलाफ थे कि 1976 में जो एग्रीमेंट हुआ था, जिसमें प्राईम मिनिसटर ने ऐवार्ड दिया था और उस ऐवार्ड को 1981 में फिर खोलकर हरियाणा के लोगों के साथ बहुत बेइन्साफी की है। मैं तो यह कहूंगी की इस मामले को दोबारा खोलकर अगर हरियाणा के लोगों के साथ धोखा किया तो यह कोई उचित बात नहीं होगी क्योकिं उससे हमारा सबसे जयादा नुकसाना हुआ। 1981 में जो दुबारा समझौता किया इसमें हमारासब से ज्यादा नुकसान हुआ।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली के बारे में कहना चाहती हूं। गवर्नर एड्रैस में नाथपा झाकडी का जिक यिका गया है ओर

बिजली के आंकडे दिये हैं मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहती हूं कि आज भी लोगों को बिजली नहीं मिल रही है। आज भी गावं के लोग बिजली के न मिलनेके कारण परे ाान है। मैं दावे के साथ कहती हूं ओर आप इंक्वायरी करवा लीजिये, आपको पता चल जायेगाकि बडे–2 साहूकार, बडे–2 कारखनेदार बिजली विभाग के स्टाु से मिलकरसबसे ज्यादा बिजली की चोरी करते है। बिजली के बारे में मेरे से पहले बोलने वाले साथी, काफी कुछ कह चुके है, इसलिये मैं थोडा ही कहूंगी। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में एक जय हिन्द इंवैस्टमेंट है उस फर्म से बोर्ड ने एक लाख बिजली के पोल खरीदने का वादा किया गया था। उसने 125 के0जी0 सीमेंट लगाना था लेकिन 125 के0जी0 सीमेंट लगाने की बजाये साठ के0जी0 सीमेंट लगा दिया। बाकी जो सीमेन्ट बचा उसको ब्लैक में बेच देता है। चीफ मिनिस्टर ने उसको 58 लाख रूप्ये काचैक दे दिया । ( ाोर एवं व्यवधान) मैं परचेज आर्डर का नम्बर भी दे देती हू। उसका नम्बर ळै एच0एस0ई0बी0–2046। परचेज आर्डरन में यह नम्बर मैंन् ान कर रखा है। सीमेंट कम इस्तेमाल किया इसलिये तो तीसरे रोज खम्भे टूट जाते है। मुझे पता लगा है, एक रिपोर्ट आई थी कि ये खम्भे नहीं खरीदने है लेकिन उसक रिपोर्ट पर स्याही डाल दी गई है और बावजूद इस रिपोर्ट के उस फर्म से खम्भे खरीदे जा रहे है।

स्पीकर साहब फौरेस्ट के बारे में काफी चर्चा हुई है। फौरेस्ट पहले सैंट्रल लिस्ट में था लेकिन 1976 में संविधान मे जो

42वीं सं ाोधन की गई, उसमें फोरेस्ट बोर्ड बनाने का कोई अधिकार नहीं है। अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड बैंक से जो पैसा आया है मूझे डर है उस पैसे का मिसयूज किया जायेगा। आप हाउस में आ वासन दिलवायें कि यह पैसा खाया नहीं जायेगा। जिस आफिसर की केवल आठ साल की सर्विस रह गई थी, उस बेचारे को एक तरफ बिठा दिया गया है । स्पीकरसाहब, हालत यह है कि जो ईमानदार ओर काम रकने वाले औफीसर्ज और कर्मचारी है, उनको एक किनारे लगा दिया गया है और जो बेईमान है जिनके साथ मिलकर ये भी खा सकें और वे भी खा सकें। उनको बडे–2 डिपार्टमेंटस दिये जाते है। अध्यक्ष महोदय, इसमें जंगलों काजिक किया गयाहै ,लकडी का भी जिक किया गयाहै। आज कस्बों में और गांवों में यह हालत है कि मिट्टी कातेल मिलता नहीं है। ओर जो थोडा बहुत मिलता भी है, वह इतना धुआं देता है कि आखें ही खराब हो जाती है। पहले गांव में जलाने के लिये ईंधन मिल जाता था लेकिन अब जलानके की लकडी की भारी कमी है। यह दावा करते हे कि जंगल लगा रहे है उसके बातजूद भी गांवमें जलाने के लिये लकडी ले आती थी पंचायतों की जमीन थी वहां से लकडी ले आती थी लेकिन आज पंचायतों की जमीन नहीं रही ओर न उनमें जंगल रहे। आज तो गांवों में न जंगल रहे ओर न जोहड रहे। हमचाहते है कि अधिक से अधिक जंगल लगाये जाये, अच्छी बात है ओर हम इसमें सरकार को सहयोग देगें।

अध्यक्ष महोदय, अब मैंरोजगार केबारे में कहना चाहती हूं। एक बडी अजीब बात मेरे नोटिस में आई है ओर मैं दिल से चाहती हूं ि कवह बात गलत हो। स्पीकरसाहब, बात यह है कि सुना है कि ए0डी0एज0 की पोस्टस की इंटरव्यू लेने के लिये जयपुर और नैनीताल काप्रोग्राम बनाया जा रहा हैं। क्या इनको हरियाणा में पढे लिखे एम0ए0, एल0एल0बी0, बी0ए0एल0एल0बी0 लउके नहीं मिलते? बहार से लडके लेने क्यों जा रहे है? स्पीकरसाहब, यहां पर हजारों लडकेपढे लिखे है लेकिन इनको वे पसन्द नहीं है।

**आवास तथा जेल मंत्री(चौधरी कल्याण सिंह):** अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकरसाहब, बहन जी ने फरमाया था कि मेरी जमीन छोड दी। मैं आपकी मारफत कहना चाहता हूं कि मेरी कोई जमीन नहीं है।

**श्री अध्यक्ष:** आप बाद में अपनी बात कह लेना।

**कृशि मंत्री (चौधरी सुरेन्द्र सिंह):** स्पीकर साहब, इन्होने यह भी कहा था कि हरियाणा के किसी मिनिस्टर ने माना था कि खाद खराब है इसलिये उसका नाम भी बता दे। कही मेरा नाम तो उसमें नहीं है। (हंसी)

**श्रीमती चन्द्रवती:** मैने आपका नाम नही लिया। अध्यक्ष महोदय, मैं कह रही थी कि मैने सुना है कि ए0डी0एज0 का

इन्टरव्यू जयपुर और नैनीताल में करने के लिये कोई डेट रख रहे है।

**चौधरी भजन लालः** स्पीकरसाहब, इनको सच्ची बात कहनी चाहिये। सुनी सुनाई बात हाउस में नहीं कहनी चाहिये।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** स्पीकरसाहब, मैं रोजगार के बारे में बोल रही थी। इन्होनें बेरोजगार नौजवानों की फिगर अढाई लाख बताई है। अढाई लाख नोजवानों के नाम नौकरी के लिये रोजगार विभाग के रजिस्ट्रर में दर्ज है। स्पीकर साहब, असल बात तो यह है कि सभी नौजवान रोजगार विभाग में अपना नाम नहीं खिाते जो नौजवान अपना नाम लिखाते है। अगरवे छः महीने में अपना नाम रिन्यू न कराये तो उनका नाम कट जाता है। इसलिये ये फिगर्ज कम्पलीट नहीं है। स्पकीर साहब, यह सरकार कहती है कि हम छोटे कारखाने लगायेंगे। इन्होनें लोगों के लिये बीस सूत्री प्रोग्राम बनायाहै लेकिन ये तो कोरी बात करते है, किसी चीज को इप्पलीमेंट नहीं करते। अध्यक्ष महोदय गवर्नर साहब के ऐड्रेस में सिर्फ यह कहा गया है कि उस विशय पर विचार किया जा रहा है ओर हमारी सरकार इस बारे मे जागरूक है। यह कही नही कहा कि हम यह करेगें । स्पीकर साहब, एक बात मैं और कहना चाहती हूं। आदमपुर का एक आदमी रहने वाला है.....चार पांच साल पहले वह आदमी आन रोड था लेकिन आज वह करोडपति है। हमने सुना है और यह फैक्ट भी है िकवह आदमी दस करोड रूप्या राजीव गांधी को दिल्ली केचुनावों में देकरआया है। अध्यक्ष

महेादय, उस आदमी को हरियाणा के चावल का कोटा दिया गया... .....

**श्री अध्यक्षः** उस आदमी कानाम रिकार्ड न किया जाये।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** अध्यक्ष महोदय, पाचं साल पहले वह आन रोड था। उसके पास खाने का साधन नहीं था लेकिन हरियाणा केचावल से वह करोडपति हो गया।

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, मैं ओन औथ कहता हूं कि ये बिल्कुल गलत कह रही है।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** स्पीकर साब, आप इसकी इन्कवारी करवा लें, अगर हम गलत होगें तो गलती मान लेगें।

**पंडित रो न लाल तिवाडीः** स्पीकरसाहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। बहन जी सीनीयर लेजिस्लेटर है , लीडर आफ दी अपोजी ान भी है और पुराने पार्लियामेंटेरियन भी है, इन्हें यहां पर हर बात सोच समझ कर कहनी चाहिये। इनहोने खुद फलैट भी कब्जे में कर रखा है और कोठी भी ले रखी है। ( ाोर एवं व्यवधान)

**श्रीमती चन्द्रावतीः** स्पीकर साहब, ये बिल्कूल गलत हैं जिम्मेवार आदमी को गैरजिम्मेदारी की बात नहीं कहीन चाहिये। मेरे पास फलैट नहीं है। किताब सिह के पास फलैट है। मैं इस हाउस को बताना चाहती हूं कि जब मैं एम0एल0ए0 बनी थी तो

मेरे नाम पर 24 नम्बर फलैट था। हमारी पार्टी के सिर्फ दो मैंबरों के पास फलैटस है। स्पीकर साहब, अब मैं फलैटस के सम्बन्ध में कुछ बोलनाचाहूंगी और यह बताना चाहूंगी कि जो लोग खुद गलत काम करते है उनको दूसरे भी गलत ही दिखायी देते है। अगर आप इजाजत दे तो मैं बताउं कि कौन कौन से लोग फलैटस में रहते है ओर कैसे इन फलैटस का इस्तेमाल हो रहाह ै। मैं गर्व के साथ कह सकती हूं कि आज तक गवर्नमेंट के एकसचैकर से , सारे हिन्दुस्तान में मै। ही एक ऐसी एम0एल0ए0 हूं जिसने सब से कम पैसा लिया है ओर मुझे अपने आप पर गर्व है।

स्पीकर साहब, एक हरियाणा हरिजन कल्याण निगम बनाया हुआ है। जिसमें हरिजनों की भलाई कमे लिये कार्य किया जाता है। इस सम्बन्ध मे मैं खुद यह मानकर चलती हूं ि कइस के बनने से कुछ लोगों का कल्याण जरूर हुआहै लेकिन आम हरिजन कास्तर उतनाउंचा नही उठा है, जितना उठना चाहिये था। एक पावडा गांव है, वहां मैं खुद गयी थी। इसगांव में इलैक्ट्रीसिटी नहीं हैं।

**समाज कल्याण मंत्री (श्रीमती भाकुन्तला भागवाडिया):** निगत तो इलैक्ट्रीसिटी लगा ही नहीं रहा, बहन जी।

**श्रीमती चन्द्रावती:** उनके बिलों पर एक एक रूप्या मीटर चार्जिज का लगाकर भेजा जाता हैं स्पकीर साहब, गवर्नर एड्रैस के अन्दर 20 सुत्री कार्यकम से सम्बन्धित चार पांच पैरा दिखाये गये

है लेकिन मुझे तो कोई काम हुआ नजर नहीं अता। हमारी जनता सरकार के वक्त में काम के बदले अनाज प्रोग्रम जरूर चलाया गयाथा जिससे गांव के आम गरीब आदमी अपने गांव में बैठकर इज्जत के साथ रोटी खाते थे लेकिन इस वक्त ज्यादातर सरपंचों के खिलाफ मुकदमें चल रहे है। बी0डी0ओ0 आते ही कहता है कि इतनी बोरी गेहूं दूंगा, ले लो ओर इतनी वापिस ले लुंगा। जैसा कि मुख्य मंत्री महोदय ने बतायाकि उनके पास इस तरह की कई ि ाकायतें आई है। (विघन)

**चौधरी भजन लालः** मैने यह कहा था कि श्री सिरी राम भार्मा कमेटी के पास इस तरह की कम्पलेंटस आई थी।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** स्पीकरसाहब, मेरा कहने का मतलब यह है कि सरकार दफतरों की एडमिनिस्ट्रे ान को जरा टोन अपन करने की कोि ा ा करे। दिल्ली में इन्दिरा जी इन से काफी खु ा है ओर आपके ये साथी भी कोई भागने वाले नहीं है इसलिय एडमिनिस्ट्रै ान की तरफ ध्यान दिजियेयगा। दफतर में न कोई अफसर बैठता है न कोई कर्मचारी बैठता है। फाइलों की मूवमैंटस भी ठीक नहीं है। कागज इधर से उधर नहीं जाता जब तक कि उन लोगों के लिये चाय पानी पगैरह का बन्दोबस्त न हो। धन्यवाद।

**मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सदन में पिछले तीन दिनारें से राज्यपाल महोदय के

अभिभाशण पर चर्चा चल रही है ओर मैने बडे गौर के साथ माननीय सदस्यों के विचार सुने। अच्छा होता अगर माननीय सदस्य राज्यपाल महोदय का अभिभाशण ध्यान से सुनते ओर राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में जो आंकडे द ार्ाये है, उनको पढकर माननीय सदस्य यहां पर कुछ कहते कोई ठोस सुझाव देते पर इन्होने सिवाये क्रिटीसिजम के और कुछ नहीं का। अगरये इस एड्रैस को पढते तो महसूस करते कि इस सरकार ने कितने अच्छे काम हर वर्ग के लिये ,चाहे किसानहो, चाहे पिछडीजाति के लोग हो, चाहे हरिजन हो, चाहे इकनामीक्ली वीकरसैक ानज के लोग हो, सभी के लिये इस सरकार ने बडे अच्छे–2 काम किये है। सभी वर्गों के लिये इस सरकार ने हर तरह के उन्नति के काम करने का भरसक प्रयत्न किया है। अध्यक्ष महोदय, आपको पता है कि यह चालू वर्श खत्म होने जा रहा हे और नया वर्श भाुरू होने जा रहा हैं हमने पिछले वर्श 320 करोड रूप्ये का खर्चा किया ळै और अब हम अगले वर्श में लगभग 407 करोड रूप्ये खर्च करने जा रहे हैं कोई 27 परसैंट ज्यादा ळै जोकि एक रिकार्ड है।

अध्यक्ष महेादय, माननीय सदस्यों ने ठोस सुझाव देने की बजाये सरकार की बहुत नुक्ताचीनी की है लेकिन कुछ कहने से पहले अगर इन्सान अपने गरेबान में मुंह डालकर देख ले तो फिर भाायद कभी गलत बात न कहे यह सदन है इस सदन की अपनी मर्यादाएं है, इसकी कुछ अपनी गरिमाएं है ओर यहांपर पीछे लिखा भी हुआ है कि या तो इस हाउस में प्रवे ा न कियाजाए

और अगर प्रवे ा किया जाये हतो जो कुछ कहा जाये वह सच कहा जाये। ( ाोर एवं व्यवधान)

**श्रीमती चन्द्रावतीः** यह आप अपने साथियों को सिखाइये कि इसका पालन करे।

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, इतनी गैर जिम्मेवारी की बात अगर माननीय सदस्य कहे तो उनके लिये यह भाोभा नहीं देता। श्री किताब सिंह के बारे में जो कुछ यहां पर कहागया, मैं सबसे पहले उस बारे स्थिति स्पश्ट करना चाहूंगां । इस सदन का हर मैंबर हमारे लिये सम्मानित है मैंबर है। और लोगों का चुना हुआ नुमाइन्दाह ै। उसको बेइज्जत करने का सरकार का कोई इरादा नहीं है और न ही आगे के लिये इसबात का प्र न ही उत्पन्न होता है, पर यंही यहां पर बातों को उछालना इन अपोजी ान के भाइयों के लिये भाौभा नहीं देता। किसी भी सदस्य के साथ किसी भी तरह की जयादती बरदा त नहीं की जायेगी। लेकिन इस मामले की एक हकीकत जो है, वह मै ंआपके सामने रखना चाहता हूं । एक गामडी गांव है। वहां पर 15—6—82 को हरिजनों को जमीन अलाट हुई है।

**श्री हीरानन्द आर्यः** स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। स्पीकर साहब, जब आपने इस बारे में इन्कवायरी करनी है तो मुख्य मंत्री उस बारे मे कैसे कुछ कह सकते है?

**चौधरी भजन लालः** आपकी बातों का जवाब तो मुझे देना पडेगा। मेहरबानी करके कोइ सदस्य बीच में कोई बात न कहें। जब आपकी तरफ से बोल रहे थे किसी सदस्य ने, चाहे कितना ही गलत आरोप लगाया हो, हम बीच में नहीं बोले थे। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि कि गामडी गांव में हरिजनों को सरप्लस जमीन अलाट हुई । वे कब्जा लेने गये तो कब्जा नहीं दिया गया। वे आकर डी0सी0 के पे ा हुये। उसके बाद तहसीलदार तथा कुछ पुलिस कर्मचारी वहां ये लेकिन उनको जानसे माने की धमकी दी गइ और बडा भारी तुफान खडाकर दिया। तहसीलदार बडी मु कल से वहां से निकलाअगर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज न करते तो क्या करते? कुल 38 आदमी गिरफतार कियें गये जिनके खिलाफ दफा 307, 107 और 151 के तहत मुकदमा दर्ज दिया गया। 23 आदमी तो 307 के तहत ओर बाकि 107 और 151 के तहत गिरफतार किये गये। उसके बाद वहां पर कुद लोग इकटठे हो कर आये और कहा कि इन आदमियों को छोडो। डी0एस0पी0 और एस0पी0 ने का कि इनको कैसे छोडा जाये, इन्होने तो जुर्म किया है? इनको तो अदालत ही छोडेगी। फिर उन लोगों ने उनका `घेराव किया। 22 तारीख को एस0डी0एम0 अपने घर से जीप में जा रहा था। रास्ते में उनकी जीप को रोका गया और लोग जीप के आगे लेट गये। उन्होनें एस0डी0एम0 के ख्लिाफ नारे लगाने भुरू कर दिये। डी0एस0पी0 और एस0एच0ओ0 नेएस0डी0एम0 को बडी मु कल से जीप में से

निकाल कर कोर्ट में पहुंचाया। उसके बाद उन लोगों ने जाकर कोर्ट के आगे धरना लगा दिया। (विघन)

**श्रीमती चन्द्रावतीः** स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं स्पीकर साहब, इनको यह बातें कहने का अधिकार तो तभी होना चाहिये था जब आप इस बारे में इनक्वायरी करवा लेते। ये आखिर में बोल रहे है, इस तरह से तो यह इनकी एक तरफा बात हो जायेगी। ( ाोर)

**श्री अध्यक्षः** बहिन जी, आप कृप्या बैठिये।

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, उसके बाद क्या हुआ कि किसी भी आदमी को कोर्ट में नही जाने दिया ओर कोर्ट का सारा काम रोक दिया वे साढे तीन बजे तक नारे लगाते रहें पुलिस ने उनके सामने बहुत हाथ जोडे ओर बउीमु कल से वहां से दूर किये। एक बात मैं सच्चाई की कहता हूं कि उस दिन उनके साथ किताब सिंह जी नही थे, लेकिन अगले दिन 23 तारीख को किताब सिंह जी 40–50 आदमी लेकर पहुंच गये, कोर्ट का घेराव किया ओर एस0डी0एम0 के खिलाफ नारे लगाये। कोर्ठ काम नहीं करने दिया। मजबूर होकर पुलिस को उनको तितर–बितर करना पडा। इन लोगों ने वहां पर मांगे रखी कि बिजली के बिल किसानों से नहीं लेने चाहिये, जो आदमी पकडे है उनको रिहाकियाजाये, उनके खिलाफ कोई केस दर्ज नहं होना चाहिये। बसों का किराया नहीं लेना चाहिये और खाल पक्के करने का

खर्चा नहीं लेना चाहिये। ( ाोर) आपके दल के चौधरी देवी लाल जी भी इस प्रान्त के मुख्य मंत्री रहे है। उस वक्त अगर चौधरी देवी लाल जी खालों और बिजली काखर्चा माफ करजाते और हम दोबारा लगादेते फिर तो बुरी बात थी।। अध्यक्ष महोदय, उधर के मैंबर साहेबान को भी पता है कि आज की सरकार ने खाल पक्के करने का खर्चा माफ किया हैं हमने अढाई एकड तक का तो सारा खच्र माफ कियाहै और उससे उपर का आधा खर्चा माफ किया हैं अगर इसका सारा हिसाब लगायाजाये तो आज की सरकार नेकिसनों का 200 करोड रूप्ये काफायदा कियाहै। ( ाोर) यह खर्चा हमने माफ किया है आपने नहीं किया।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** हमने 30 प्रति ात माफी की घोशणा कीथी। ( ाोर)

**श्री मनफूल सिहः** स्पीकरसाहब जो खाल पक्के बनाये गये थे क्या वे किसानों से पूछ कर बनाये गये थे?( ाोर)

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, उनके बाकायदा साइन होते है ओर हिस्सेदारों से पैसे वसूल होते हैं इन्होने सत पाल मलिक, एम0पी0 का नाम ले दिया। यह ठीक है, मै ंहरियाणा भवन में ठहरा हुआ था। मेरे पास टैलीफोन आया कि हमारा एम0एल0ए0 कहता है कि उसके साथ ज्यादती हुई है। मैनेकहा कि मुझे इस बारे में पता नहीं लेकिन मै ंइसकी फौरन जांच करवााउंगा। अगर कोई दोशी पाया गया तो उसको पूरी सजा

देगे। मैं एक एम.एल0ए0 की बेइज्जती अपनी बेइज्जती समझता हूं। उसके बाद मैने जाचं करवाई। ( ाोर) किताब सिंह जी ने कहा कि अगर यह बात मलिक साहब कह देत तो मैं गुनाहगार हुंगा।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर सहब, वह बात नहीं आई कि उनको यू0पी0 ले जाया गया था या नहीं? ( ाोर)

**चौधरी भजन लालः** बिल्कुल नहीं ले जाया गया। डा0 साहब आप खुद कह रहे थे कि उनको पानीपत के पास छोड दिया गया। ( ाोर) अध्यक्ष महेादय, एक बात और है कि जब भी डा0मंगल सैन, बहिन चनद्रावती और वीरेन्द्र सिंह जी खडे होते है तोदल बदल की बात करते है। मैं वीरेन्द्र सिह जी के बारे में बताना चाहताहूं कि ये पहले सै ानमें लोकदल की तरफॅ से बैठे थे, अगले सै ान में लोकदल (क) में पहुंच गये और अब जनतापार्टी में पहुंच गये। अब पता नहीं कहां पहुंचेगें? ( ाोर) अध्यक्ष महोदय, एक बात मुझे याद आ गई है कि किसी ने किसी के बेटे से पूछा कि तेरी जात क्या है? उसने कहा कि पहले तो मेरी मां जुलाहे के घर में ब्याही थी, फिर धोबी के चली गई ओश्र बाद में दर्जी के चली गई। उस आदमी ने पूछा आगे क्या हुआ तो उस लडके ने कहा कि आगे उसकी मर्जी। (हंसी व भाोर) आप सुनने की कृपा करे। मैने गलत बात क्या कही है मैने तेा वहीं कहा है कि आप पिछले सै ान में किसी और पार्टी में थे और इस सै ान मं किसी और पार्टी मं हो और अगले सै ान तक पता नहीं किस पार्टी मे मिलोगे? ( ाोर) अब भांकर लाल जी कहते है

कि जनता पार्टी का वाईस प्रैजीडेंट मैं हूं और चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी कहते है कि वाईस प्रैजीडैंट मैं हूं। चौधरी देवी लाल जील कहते है कि जनता पार्टी का प्रैजीडैंट मैं हूं उधर बलदेव तायल जी कहते है कि मैं हूं। हमें तो पता नहीं कौन क्या है।?( ाोर एवं विघन)

**श्रीमती चन्द्रावतीः** स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मुख्य मंत्री जी को राज्यपाल महोदय के अभिभाशण का स्वागत करनाह ै, वह करे। यह पार्टियों कीचर्चा नहीं कर सकते और इनकी अपनी कोई पार्टी भी नही है। ( ाोर एवं िवघन)

**चौधरी भजन लालः** बहन जी, आप जो मर्जी कहें, लेकिन आपने जो बातें कही है उनका तो मुझे जवाब देना ही पडै गा। आपने जो जो बातं कही है मैं उनका जवाब दे रहा हु। न ही मैने ऐसी कोई गलत बात कही हे और न ही गलत बात कहूगा। अध्यक्ष महोदय जब ये विरोधी पक्ष के भाई खडे हो कर बोलते है तो कुरप्ट है, कभी किसी जमीन के किस्से के बारे मे कहते है ओर कभी कहते है कि जुबान तो हम पकड नहीं सकते लेकिन , मैने बकायदा यह चैलेज किया हुआ है कि आप ऐसी एक भी बात साबित करके दिखायें मेरे विरोधी पक्ष के भाई कहते है कि आदमुपर में एक आदमी को खाद में मिलावट के सिलसिले में पकड लिया । दूसरी तरफ अभी थोडी देर पहले बहन चन्द्रावती जी ने कहा है कि खाद में बहुत मिलावट की जाती हैं किसी तरॅ तो आदमी को सही बोलना चाहियै कभी कहते है कि खाद में

मिलावट की जाती है और कभी कहते है कि खाद में मिलावट कने वाले आदमी को क्यों पकड लिया। अध्यक्ष महोदय, हमने सारे हरियाणा में खाद बेचने वालों की चैंकिग करवाई थी और यह भी कहा था कि जो भी आदमी खाद में मिलावट करके बेचता प्या जाए उसक`पकडा जाये। उसे आदमपुर में एक दुकानदार का खाद का सैम्पल नहीं भरा बल्कि तीन दुकानदारों के खाद के सैम्पल भरे गये है। दो दुकानदारों का खाद का सैम्पल भरा जा चुका था लेकिन जब तीसरे दूकानदार का सैम्पल भरने लगे तो उसने एतराज किया। उस दुकानदार के इससे पहले भी दो बार खाद के सैम्पल भरे जा चुके थे और उस समय भी खाद मं मिलावट पाई गई थी, उसके खिलाफ केस कोर्ट में चल रहे है। उस दुकानदार ने सैम्पल नहीं भ्रने दिया और सैम्पल भरने वाले आफिसर को पकड कर अपनी दुकान के अन्दर तीसरे खाने ले गया ओर बहुत बुरी तरह से पीटा। उस अफसर के 4–5 चोटें आई ओर उसके ड्राइवर के भी 5 चोंटें आई है। दूसरे लेागों ने बीच में आ कर उनको छुड़वाया। अगर आप इस तरह के आदमी की स्पोर्ट करें तो यह बउे भार्म की बात है। अध्यक्ष महेादय, मैं अपने हल्के में इलैक ान के दौरान एक ही दिन गया था और मैने वोट लेने में सारे देश के अनदर टौप किया है। ( ाोर एंव विघन) लोगों ने 46 हजार वोट मेरे सक्से में डाले थे और मै 26 हजार वोटों से जीत कर आयाथा। अध्यक्ष महेादय इनके नेता चौधरी देवी लाल जी ने 1972 में मेरे मुकाबले में इलैक ान लडा थरा, उनको मैने साढे ग्यारह हजार वोटों से हराया था। ( ाोर) आप सुनने की

कृपा करे। जब मैं 1977 में अपोजी ान में था उस समय 21 हजार वोटों से जीता था। मैं आदमपुर हल्के से एक बार नहीं बल्कि चार दफा इलैक्शन लड चुका हुं और चारों दफा वोटों की संख्या बढी है घटी नही। ( ाोर) इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, श्री हीरानन्द आर्य और प्रोफैसर सम्पत सिह ने एक बात कही। ..... .....। जो आदमी कायदे की बात न कहे उसे प्रोफैसर नहीं कहा जाना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, इन्होनें कहा कि जब .....उस समय यह सरकार गवर्नर साहब की हिफाजत नहीं कर सके, ऐसी सरकार को अस्तीफा दे देना चाहिये। इनके नेता चौधरी देवी लाल जी कहते है कि जिस आदमी ने .....मैं उसे 501 रूप्ये इनाम देने की घोशणा करता हूं यह बात उनहोने बकायदा पब्लिक जलसे में कही। इससे ज्यादा भार्म की बात और क्या हो सकती है?( ाोर एवं विघन) उन्होने यह बात बाकायदा पब्लिक जलसे में कही थी और उस आदमी से जेल में भी मिलकर आये थे। क्या ैधरी देवी लाल के लिये यह बात भाौभा देती है? फिर यह कहते है कि बवर्नर साहब का भाशण क्या सुने उनहोनें यह सरकार गलत बना दी। अध्यक्ष महोदय, अगर गवर्नर सहब, इनकी पार्टी के नेता को मुख्य मंत्री बना देते तो ठीक बात थी। ( ाोर एवं विघन)

**श्री0 मंगल सैनः** हम मैजोरिटी में थे ं। ( ाोर एवं विघन)

**चौधरी भजन लालः** आप एक सेकिण्ड के लिय भी मैजोरिटी में नही थे। अध्यक्ष महेादय, आप जानते है कि अपोजी ान पार्टी के 31 आदमी चुनाव जीत कर आये थे। हमारी पार्टी के 36 आदमी चुनाव जीत कर आये थे और जब 6 इनडिपैंडैट उसी दिन हमारे साथ आ गये तो हमारी पार्टी के 42 आदमी हो गये। ( ाोर एवं विघन)

**श्री अध्यक्षः** जब आप बोलते है और लीडर आफ दि अपोजी ान बोलती है तो बीच में इनकी तरफ से कभी भी कोई सदस्य नहीं बोलता। आप मुख्य मंत्री जी के एक–एक फिकरे के साथ बोल रहे है। ( ाोर एवं विघन)

**Shri Verender Singh:** He is to speak last of all Sir,स्पीकर साहब यदि आप इनको ऐसी बात कहने का हक देते है तो फिर बाद में हमें भी अपनी बात कहने का हक दें या फिर आप इनको कंट्राले करे।( ाोर एवं विघन)

**चौधरी भजन लालः** आपने गवर्नर साहब के अभिभाशण पर बोलते हुये जो जो बातें कही है मुण्े उनका जवाब तो देना ही पडेगा। मैने कोई भी गलत बात नहीं कही है मैं तो सिर्फ आपकी बातों का जवाब दे रहा हूं। चौधरी सम्पल सिंह ने यह बात कही है कि .....जो आदमी गवर्नर साहब की रक्षानहीं कर सकता, वह आदमी मुख्य मंत्री रहने के लायक नहीं हैं यह बात रिकार्ड में है। चौधरी देवी लाल जी ने उस आदमी को पबिलक मीाटिग में स्टेज पर लाकरयह कहा कि इस आदमी ने .....

..... बहुत बहादुरी का काम किया हे , बहुंत अच्छा काम किया है इसलिये मैं इसको 501 रूप्यें ईनाम देता हू। इससे ज्यादा गेरजिम्मेदारी की बात और क्या हो सकती है? ( ाोर एवं विधन) अध्यक्ष महोदय, इन्होने गवर्नर साहब के अभिभाशण पर बोलते हुये बार–2 यह कहा कि यह सरकार गलत बनी हैं अध्यक्ष महेादय, आप जानते है और संविधान का यह कायदा है कि जो सिगल बडी पार्टी होगी उसको रकार बनाने के लिये गवर्नर साहब का कहना पडेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे पुछता हूं कि चौधरी चरण सिंह प्रधान मंत्री कैसे बन गये। क्या उनके साथ एक दिन के लिये भी बहुमत था? ( ाोर एवं विधन) मैं यह हकीकत कह रहा हूं कि चौधरी चरण सिंह के सथ एक दिन के लिये भी बहुमत नहीं था। जिस आदमी के साथ एक दिन के लिये भी बहुमत न हो औश्र जो आदमी पर्लियामैंट मे अपना बहुमत पेश न कर सके, उस आदमी की पार्टी के लोग हाउस में खडे हजो कर यह कहें कि यह सरकार गलत बनी है यह उनके लिये बडे भार्म की बात है। जिस आदमी के पास एक दिन के लिय भी बहुमत न हो औश्र वह 6 महीने तक प्रधान मंत्री की कुर्सी पर बैठा रहे, इससे ज्यादा गलत बात और क्या हो सकती ळै? ( ाोर एवं विधन) छाज तो बोले छाननी क्या बोले जिसमें सैंकडों छेद। राश्ट्रपति जी ने चौधरी चरण सिंह को पार्लियामेंट में बहुमत पे ा करने के लिये तीन मेहनी का समय दियाथा, लेकिन गवर्नर साहब ने हमें अपना बहुमत पे ा रकने के किलये सिर्फ 30 दिन का समय दिया था और 30 दिन के बाद सै ान बुला करके हमने आपके ामने बहुमत

पे ा किया था। ( ाोर एवं विघन) आप जातते है कि चौधरी देवी लाल जी कैसे नेता है? जब उनका लडका घडियों के केस में पकडा गया था तो उनहोने उस समय कहा था कि यह मेरा लडका नहीं है। ( ाोर एवं विघन) अगर कोई गलत काम करेगा तो उसके खिलाफ तो कार्यवाही करनी ही पडेगी।( ाोर एवं विघन)

**(13.00 बजे)**

प्रोफेसर सम्पत सिंह ने भी बोलते हुये कहा कि आज करप ान बढ रही है और हर जगह रि वत ली जा रही हैं इनहोने यह भी कहा कि चीफ मिनिस्टर साहब भी रि वत ले रहे हैं आपको कोई बात कहने से पहले उसकी हकीकत को सामने रखनाचाहिये। आपको लोगों ने चुनकर भेजा है। किसी ठोस सबूत के आधार पर ही कोई आरोप लगाया जाये तो बात समझ आ सकती है। हमारे कई साथी नये नये चचुनकर आये। है। इनके पार्टी केलीडरों को इन्हें समझाना चाहिये कि हाउस में सिक तरह से बात की जाती है। हाउस कोई गली , चौपाल या गांव की पंचायत नहीं है जहां पर जो मन में आयेवही कहने लग जाये। आप यहां पर जो बात करते है। उसको सारा हरियाणा सुनता हैं ( ाोर) आप चौधरी देवी लाल के साथ रहे ह। पीछे तो आप हार गये थे। इस बार भी इसलिये जीत गये कि मैं उस हल्के में जा नहीं सका। ( ाोर) आप इस्तीफा देकर देख ले। तब पता लग जायेगा कि किस तरह से चुनाव लडा जाता है।

**Prof. Sampat Singh:** I accept this challenge. लेकिन आप भी इस्तीफा दे और मेरे सामने चुनाव लडें।

**चौधरी भजन लालः** मैं 26 हजार वोटों से जीत कर आया हूं । ( ाोर) आप बीच में क्यों बोल रहे । दूसरे बहन चन्द्रावती ने यह कहा कि हुकम सिंह के भाई ने एक ट्रक्टर जलवा दिया है। ( ाोर व्यवधान)

**श्रीमती चन्द्रावतीः** आप इन्क्वायरी तो करवा लें। ( ाोर)

**चौधरी भजन लालः** बहन जी, मेने पता किया हैं स्पीकर साहब वहां पर दो पार्टियों का झगडा था। कायदे कानून के अनुसार कोई भी व्यक्ति अपना निजी माल ट्रेक्टर द्वारा मंडी में ले सयजा सकता हैं और ला सकता हे लेकिन किराये पर नहीं ले जा सकता। इसकेस में हुआ यह है कि एक बनिया कोसली से अपने चावल– गवार आदि ट्रैक्टर के अन्दर डाल कर ले जाने लगा। हुक्म सिह के भाई वहां की ट्रक यूनियन के प्रेजीडैंट हैं ट्रक यूनियनों के सम्बन्ध मं कोई सरकारी कायदे कानून तो नहीं है लेकिन उनके अपने सिद्धांत है जिनके तहत वे अपना कारोबार चलाते है। कोसली का बनिया रामचन्द्र के ट्रैक्टर में सामान किराये पर लाद कर ले जा रहा था। इस पर ट्रक युनियन वालों ने एतराज किया कि कोई भी ट्रैक्टर वाला किराये पर । मंडी से सामान नहीं ले जा सकता। अब चुकि इस ट्रैक्टर में किराये का

माल था जिस कारण उनका आपस में झगडा हुआ। ( ाोर) यह मैं मानता हूं कि वहां पर छोटा–मौटा इन्सीडैंट हो गया हो।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** हुक्म सिंह के भाई ने रामचन्द्र का ट्रैक्टर जलवाया हैं जबकि वह किराये पर माल ढोने के लिये अपना ट्रैक्टर लेकर नहीं गया ाि वह तो अपने रि तेदार से मिलने के लिये गयाागि। ( ाोर) वहां पर 62 गांवों की पंचायत भी हुई थी।

**चौधरी भजन लालः** स्पीकर साहब, यह बात ठीक है कि वहां कुछ गांवों की पंचायत हुई थी। मैं आपको बताना चाहूंगा कि 62 गांवों की पंचयात नहीं हुई थी। यह पंचायत भी इसी सिलसिले में न हेाकर किसी और सिलसिले मे हुई थी। जो वहां पर छोटा–मोटा इनसीडेन्ट हुआ है, उसका मुकदमा दर्ज हुआ है।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** क्या आपने ट्रक वालों का अरैस्ट किया है?

**चौधरी भजन लालः** उनके खिलाु मुकदमा दर्ज हुआ है ( ाोर) एक बात डा0 साहब ने कही थी कि रोहतक के पास अपोजी ान पाटी वाले जलसा कर रहे थे। वहां पर हमने ट्रक भेज कर इनके जलसे में बाधा डाली। स्पीकर साहब, बात यह है कि जहां यह जलसा कर रहे थे वहां से एक ट्रक गुजरने लगा। सडक`के साि कई गली थी वहां पर आदमी खडे थे। ट्रक वाले

ने बकायदा हार्न बजाया लेकिन लेाग हटे नहीं ( ाोर) वहां पर किसी आदमी को कोई चोट नहीं हुई।

**श्री मंगल सैनः** मैं पुलिस के एस0पी0 से मिल कर आया हू। ट्रक ड्राईवर को अब गिरफतार कियाळै ंउसने जानबुझकर गडबड की थी। ( ाोर)

**चौधरी भजन लालः** उसको गिरफतार कर लिया है।

**श्री मंगल सैनः** जिस समय ट्रक ड्राईवर ने बाधा डालने की कोि ा ा की, उस समय हमने पुलिस को कहा था लेकिन पुलिस वहां पर खडी तमा ाा देखती रह। ( ाोर)

**श्रीमती चन्द्रावतीः** जिसका ट्रैक्टर जलाया गया है , उसको आप पैसे ही दिलवा दे।

**चौधरी भजन लालः** ट्रैक्टर जला नहीं हैं आपको किसी ने गलत कह दिया हैं इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, डा0 मंगल सैन ने और दूसरे महानुभावों ने चण्डीगढ़ अबोहर और फाज्लिका केबारे में बात कही है। यहां पर पानी का झगडा बार–2 उठाया जाता रहा है अध्यक्ष महोदय, मैं डा0 मंगल सैन, चौधरी देवी लाल, बहन चन्द्रावती और हरियाणा के जितने भी विरोधी पार्टी के दसुरे नेता है उनका आभारी हूं कि पानी के मामले पर और चण्डीगढ तथ अबोहर ाजिल्का के माममले मं ये पूरा साथ दे रहे हैं मेने इस मामले पर 5–6 बार मीटिगं की तो इनको हमे ाा बुलाया गया है और इनकी राय ली गई है। मै ंइनको बता देना चाहता हूं कि

जिस तरह से अये अपने स्टेंड पर है हम उससे ज्यादा अपने स्टेंड पर होगें लेकिन दुख कीबात यह है कि इनके नेता श्री वाजपाई जी ने पठानकोट में एक मीटिग के अनदर कहा है कि चण्डीगढ और अबोहर तथा फाजिल्का भी पंजाब को मिलना चाहिये ( ाोर)

**श्री मंगल सैनः** अध्यक्ष महेदय, जो आदमी हाउस से संबंध न रखता हो, उसका नाम चयहां पर नहीं लेना चाहिये।

**चौधरी भजन लालः** यह बात अखबारों में आई है।( ाोर)

**श्री अध्यक्षः** मैंने इस प्वायंट को स्टडी कियाहैं यदि कोई स्पीच पब्लिक मीटिंग में कही गई हो और स्टेट केबारे मे कही गई हो, उसका जिक्र यहां पर किया जा सकता है। लेकिन उनकी भाान के खिलाफ कोई बात कहना ठीक नहीं है।( ाोर)

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर सहब, जिस स्पीच का जिक्र ये कर रहे है उसके संबंध में मैने भी वाजपाई जी से बात की है। उनहोने ऐसी कोई स्पीच नहीं दी जतो हरियाणा के हितों के विरूद्ध हो । जो गलत खबर अखबारों में आई है उसके संबंध से पडोसी स्टेट के हमारे लीडर हितअभिलाशी जी आज प्रेस में स्टेटमेंट दे रहे है। ( ाोर)

**चौधरी भजन लालः** अब बाद में दे रहे होगें मैं आपको बता देना चाहता हूं कि मैं वाजपाई जी का बडा सम्मान करता हूं ।उनके प्रति मेरी पूरी इज्जत हैं इस समय हमारे दे ा में जो

निर्गुट सम्मेलन हो रहा है, उसमें भी उन्होने अपना पूरा योगदान दिया है उससे भी `द ा का सम्मान बढा हैं लेकिन उन्होने पठानकोट में कहा है कि चण्डीगढ अबोहर–फाजिल्का पंजाब को मिलना चाहिये। ( ाोर)

**श्री मंगल सैनः** उनहोने नहीं कहा। अखबार वालों ने रो।ग कोट किया हैं यह बात उनहोने कतई नहीं कही।

**चौधरी भजन लालः** डा0 साहब, मै ंआपकी तौ तारीफ करता हूं, आपकी बात ठीक थी। (व्यवधान) मैं उनके बार`में कह रहा हूं।

**श्री मंगल सैनः** उन्होने तो पार्लियामेंट में स्पीच दी थी और कहा था कि फाजिल्का और अबोहर हरियाणा को मिलना चाहिये। यह बात उनहोने कैटैगरिकली कही थी। (व्यवधान)

**चौधरी भजन लालः** आपके बार`में तो हमें कोई सन्देह नहीं, आपने तो हरियाणा के कौज को डिफैंड यिका है, मैं उनके बारे में कह रहाक हूं ।(व्यवधान)

**श्री मंगल सैनः** उनके बारे में आप गलत कह रहे है । आप हमारे लीडर को मलाईन करे के लिये, रिंगल आउट करनरे के लिये कह रहे है। आप अपना स्टेंड साफ करें कि क्या है? (व्यवधान)

**चौधरी भजन लालः** मेरा स्टेंड तो साफ है। आपकी तरह नहीं गंगा गये गंगा दास, जमना गये तो जमुना दास बन गये।

**श्री राम बिलास भार्माः** आन ए प्वांयट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब सदन के नेता है, ये हमारी पार्अी के लीडर जो आल इंडिया पार्टी के लीडर है, उनके बारे में जो 7 फरवरी की अखबार में खबर छपी है, उस का रैफैंस दे रहे हैं इस खबर कै बारे में तो बात करते है लेकिनह 15–16 जनवरी को नरवाना में जो जलासा हुआ था, उस मं उनहोने कैटेगरिकली कहा था कि वाटर का मामला री–ओपन करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। उनहोने री–ओपन करने के मामले का विरोध किया था। हमारी पार्टी के लीडर मुख्य मंत्रियों की बातेंमें भाामिल हुये थे।(व्यवधान)

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महेादय,जहां तक पानी का सवाल हैं, यह हरियाणा की जिन्दगी और मौत का सवाल है, यह कोई छोटी बात नहीं हैं 1976 में हरियाणा और पंजाब को आधा–2 पानी मिला था। इसके बाद 1981 में एग्रीमेंट हुआ लीकिन इस एग्रीमेंट पर काम हुआ ही नहीं, सारा मामला बीच में ही पडा रहा। 1981 के एग्रीमेंट के मुताबिक जो पानी पंजाब का बढ गया था वह पंजाब को मिलेगा, इस तरह से पंजाब का पानी 4.2 एम0ए0एफ हो गया, लेकिन इन्होने इस बात पर बडा भाोर मचाया कि हमारा हिस्सा पंजाब को दे दिया। लजेकिन हम जानते

थे कि आकलियों के वक्त में अकालियों ने सतलुज यमुना लिंक की खुदाई के लिय 1 करोड रूप्ये की मांग की थी और जमीन एक्वायर करने के लिये एक करोड रूप्या दिया था। इसी जगह पर, इसी हाउस में चौधरी देवी लाल ने 29 मार्च का कहा था कि सरदार प्रका ा सिंह बादल की अधक्षता में वहां मीटिगं होगी और कस्सी मार कर इसका उछ्घाटन करेगें पंजाब सरकार ने बकायादा तारीख भी लिखी थी कि फलां तारीख को उदघाटन करेगें। उस वक्त पंजाब सरकार ने बडी भारी खु ाी मनाई थी कि उनको बडा भारी फाायदा हेा गया है लेकिन इस बात के बावजुद भी अकाली भाईयों ने इस मसले को सियासी रंग देकर लोगों के सैन्टीमेंटस को उभारने कीकोि ा ा की है। अध्यक्ष महोदय, यह कहना कि सतुलज यमुना लिंक कैनाल के लिय पंजाब सरकार ने कुछ नहीं किया, ऐसी बात नहीं है। पंजाब सरकार ने जमीन एक्वायर कररने की कार्यवाही पूरी कर दी है। और नहर खोदने के लिये टैडर इन्वाईट कर लिये और तकरीबन अढाई तीन किलो मीटर नहर की खुदाई कर दी। अध्यक्ष महेादय, आप जानते है पहले जमीन एक्वायर करने मे कितनी दिक्कत आती है, टाईम तो लगता ही है। लेकिन जैसा मैने पहले कहा और प्रैस कान्फ्रैंस में भी कहा कि पानी के मामले में हमारा स्टेंड बिल्कुल फर्म हैं कुछ लोगों ने पुछा कि इस मसले का और क्या हल हो सकता है? मैने कहा हो सकता हैं उनहोने कहा क्या हो सकता है। मैने कहा कि एस0वाई0एल0 की कपैसिटी 4 एम0ए0एफ0 बना दो और यह नहर सैन्ट्रल गवर्नमेंट 15 महीनों के अन्दर–2 कम्पलीट करवा दे। इसके

बाद पंजाब का 4.2 एम0ए0एफ0 और हमारा 3.5 एम0ए0एफ0 जो हिस्सा है, इन दोनों हिस्सों को मिला दो, फिर हमारे साथ दोबार एग्रीमेंट कर लो और इस एग्रीमेंट पर अकाली भाई और पंजाब के मुख्य मंत्री दस्तखत करें ।औरदोबारा एग्रीमेंट हो जाए। जहां तक टैक्नीकल कमेटीज6 का ताल्लुक है। जितनी भी टैक्नीकल कमेटीज इस मामले में भारत सरकार ने बनाई है, सब ने हरियाणा के लिये ज्यादा पानी देने की सिफारि ा की है। हर कमेटी ने हरियाणा का पानी बढाया है। और हर कमेटी ने 3.5 एम0ए0एफ0 से ज्यादा पानी की रिकमेंडे ान की हैं अध्यक्ष महोदय, आप जानते है ख राजस्थान को पानी कैसे मिला। इस वजह से मिला क्योकि राजस्थान में हमे ाा सुखा पडता है। इस सुखी जमीन को आबाद करने के लिये राजस्थान को पानी को पानी दिया गया था ।आज अगर हरियाणा स्टेट पंजाब स्टेट से अलग न होती तो आज हरियाणा को 7 एम0ए0एफ0 पानी मिलता। आप देखें पंजाब मे आज कितना पानी है। पंजाब में 15.2 एम0ए0एफ0 दरियायी पानी है और 12.4एम0ए0एफ0 जमीन के नीचे का मीठा पानी है। दोनों पानी मिलाकर पंजाब के पास 27.6 एम0ए0एफ0 पानी है ।और इसके मुकाबले में हरियाणा में 8 एम0ए0एफ0 दरियायी पानी और 5.2 एम0ए0एफ0 जमीन के नीचे मीइा पानी है। हम नीचे केपानी को एक्सप्लोर करने के लिये एक हजार फुट नीचे गये, तब जाकर हमारा टोटल पानी 13.2 एम0ए0एफ0 बना है। हरियाणा के 13.2 एम0ए0एफ0 के मुकाबले मेंपंजाब के पास 27.6एम0ए0एफ0 पानी है यानि डबल से भी जयादा पानी है। अब एरिया के हिसाब से देख

ले। पंजाब का एरिया 124 लाख एकड है और हरियाणा का एरिया 110 लाख एकड है। पंजाब का काबलेका ात एरिया 106 लाख एकड है और हरियाणा का 96 लाख एकड हैं सिर्फ 10 लाख एकड पंजाब का एरिया ज्यादा है। पंजाब का 106 लाख एकड भुमि को सींचने के लिये 27.6 एम0ए0एफ0 पानी है और इसके मुकाबले में हरियाणा की 96 लाख एकड भुमि को सीचंने के लिये सिर्फ 13.2 एम0ए0एफ0 पानी हैं पंजाब ने काबलेका ात एरिया ज्यादा दिखा कर ज्यादा पानी इस्तेमाल करने की कोि ा की है। और इतना ज्यादा पानी इस्तम3ाल करने का परिणा हय हुआ कि काफी इलाके में वाटर लोगिंग हो गया। यह बात मैने अपनी स्पीच में भी यही कहाहै कि पंजाब में वाटर लौंगिग से बचने के लिये 40 लाख रूप्या बजट प्रोवाईड यिका है और इसके दूसरी तरफ हम हर साल ड्राट के प्रीााव से मर रहे है। एक तरफ ज्यादा पानी इस्तेमाल करने से वाटर लोगिंग हो रहा है और दूसरी तरफ ड्राट हो रहा है। इस ढंग से हमने अपना केस सैंट्रल गवर्नमेंट के सामने पुट किया हे और कोईग वजह नहीं कि हमें पानी के मामले में नीचा देखना पडे। हमारी प्राईम मिनिस्टर के हाथ मजबुत है किसी प्रकार की ज्यादती हमारे साथ नहीं होगी। (व्यवधान) अध्यक्ष महेादय डा0 साहब भी और चौधरी देवी लाल भी इसी सदन के मैंबर थे जब हरियाणा बनाथा। उस वक्त हरियाणा के वसथ कितनी बेइन्साफी हुई थी। उस वक्त अगर कोई आवाज उठाने वाला होता तो पंजाब का बंटवारा 60 ओर 40 के रे ाो से नहीं हेाता। ये 60 और 40 की रे ाों की बात करते हे, किस आधार

पर यह रे ाों फिक्स की गई थी। पंजाब का एरिया 124 लाख एकड है औरहरियाणा का एरिया 110 लाख एकड है। सिर्फ 14 लाख एकड का एरिया पंजाब के पास ज्यादा हैं जहां तक आबादी कातााल्लुक हैं हरियाणा की आबादी 1 करोड 31 लाखहै और पंजाब की आबादी 1 करोड 71 लाख एकड है। सिर्फ 14 लाख एकड का एरिया पंजाब के पास ज्यादा है। जहां तक आबादी कातालल्लुक है, हरियाणा की आबादी 1 करोड 31 लाख है और पंजाब की आबादी 1 करोड 71 लाख है। इस तरह आबादी का फर्क सिर्फ 40 लाख का हैं अगर इसको आधार माना जाये तो 47 परसेंट हरियाणा का हिस्सा बनता है और 53 परसैंट पंजाब का बनता हैकं अगर 53 और 47 की रे ाों स`बंटवारा होता तो बात समझ में आ सकती थी लेकिन 40 और 60 की रे ाों से बंटवारा हुआ है।

**श्री मंगल सैनः** स्पीकर साहब, मैं इस बात को कुरैक्ट करना चाहता हूं। जब यह बंटवारा हुआ तो उस समय पंजाब के मुख्य मंत्री ज्ञानी गुरमुख सिंह मुसाफिर थे औश्र हरियाणा के नये मुख्य मंत्री पंडित भगवत दयाल बने थे। अगर उस टाईम पर बंटवारे में कोई ज्यादती हुई है तो कांग्रेस गवर्नमेंट की वजह से हुई है।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** मेरी उस समय की स्पीच आप पढ कर देख ले। हमने पंडित भगवत दयाल का उस टाईम पर विरोध किया था कोकि उनही की वजह से हमें नुकसान हुआ हैं विधान

सभा का भी 25 और 75 रे ाों से बंटवारा हुआ। पंडित भगवत दयाल ने चण्डीगढ के इन्ट्रैस्ट को लुक–आफटर नहीं किया।

**सहकारिता मंत्री (चौधरी बीरेन्द्र सिंह):** स्पीकर साहब जब कांगेस पार्टी और कांग्रेस गवर्नमेंट हरियाणा के लिये लडाई लड रही थी तो जनसंघ वालों ने पानीपत में कांग्रेस के दो वरकरों को जिन्दा जलवाया था।

**श्री मंगल सैनः** हमने किसी को नहीं जलाया। भाई बंसी लाल जी उस लडाई में भाामिल थे।

**चौधरी भजन लालः** जहां तक चण्डीगढ का मसला है उस बारे में हमारा स्टेंन्ड फर्म हैं। अगर चन्डीगढ पंजाब को देना है तो फाजिल्का और अबोहर हरियाणा को उसी समय उसी टेबल पर देना होगा, बाद का कोई सवाल पैदा नहीं होता। अगर पंजाब वालों ने कहा है। कि बाकी इलाके के लिये कमी ान बैठाओं तो मैने कहा कि भााह कमी ान ने जो खरड तहसील, फाल्का–अबोहर औश्र हिन्दी बोलनेवाले इलाके हरियाणा को दिये थे , उनके उपर कमी ान बैठा दो, लेकिन उससे पहले चन्डीगढ को आधा–2 बांट दिया जाये। हमें कमी ान बैठाने पर कोई एतराज नहीं है। अगर आधा चन्डीगढ हमें मिल जाता है ओर हिन्प्दी एरिया के लिये कमी ान बैठ जाता है तो हरियाणा को कोई न्ुकसान होने वाला नहीं है। इस मामले पर ज्यादा बात कहूंगा तो पंजाब वाले इस बात को मानेगें भी नहीं इसलिये ज्यादा

बात कहने की आव यकता नहीं है। अगर यह बात हेा जये तो हरियाणा के लिये कोई बुरी बात नहीं। राव निहाल सिंह जी ने भी कहा था कि कैपिटल बनाने में बहुत ज्यादा पैसा लगेगा और हरियाणा की डिवैल्पमेंट रूकेगी, यह बात ठीक है। (विघन) मे। तो आपकी तारीफ करता हूं। ( ाोर)

**श्री मंगल सैनः** अगर मगर में आप हरियाणा का नुकसान न कर दे। हमें तो इसी बात का डर है।

**चौधरी भजन लालः** डाक्अर साहब, हिसाब–किताब की बात मैं जानता हूं हरियाणा को किसी भी हालत में नुकसान नहीं हेागा और हमारी प्रधान मंत्री के हाथों हरियाणा को किसी भी हालत में नुकसान नहीं होगा।

स्पीकर साहब, डाक्टर मंगल सैन जी ने कहा कि एि ायाडखेलों में हिस्सा लेने से दिलली जाने से के ाधारी अकालियों को रोका। मेरे तो अपने गुरू भी के ाधारी है। ऐसी बात नहीं है कि हमने सभी के ाधारियों को रोका हैं यह गलत बात है। हमने उन आदमियों को रोकने की कोि ा ा की थी जिनके बारे में यह भाक था कि ये वहां जा कर गडबड करेगें। हम हकीकत मान करचलते हैं अगर वहां जाकर वे गडबड करते, तो हमारे दे ा की इज्जत गिरती। जो कुछ हमने किया उसके पीछे हमारे दे ा की इज्जत का सवाल था। एि ायाड खेल हो रहे हो

और वे लोग वहां जाकर गड़बड़ करे तो हिन्दुस्तान की कौन सी इजजत बनने वाली थी?

## बैठक का समय बढ़ाना

**श्री अध्यक्षः** अगर हाउस सहमत हो तो हाउस कासमय आधा घंटा बढा दिया जाये।

**आवाजें:** जी हां, बढा दिया जाये।

**श्री अध्यक्षः** हाउस कासमय आधा घंटा बढाया जाता है।

## राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महेादय, मैं कह रहा था कि हर के ाधारी को रोकने का सवाल ही पैदा नहीं होता। पंजाब के आकाली भी हमारे भाई है लेकिन उनमें कुछ ऐसा एलीमेंट था जो दिल्ली में जाकर गडबड़ करना चाहता था और उस गडबड से हमारे दे ा की मर्यादा नीचे जाती थी। स्पीकरसाहब, जिस बात से हमारे देश की मर्यादा और प्रतिश्ठा घटे, वह बात हमें नहीं होने देनी चाहिये। आप लोग जानते है कि एि ायाड गेम हो ।आज जो सम्मिट होरही है, इनमें जाकर कोई व्यक्ति गडबड करे तो इससे हमारे दे ा की मर्यादा घटती है। हमने दे ा की मर्यादा और भाान को उंचा रखने के लिये ही ये कदम उठाये हैं हो सकता है कि किसी भाई के साथ ज्यादती हुई हो लेकिन जो आदमी उन बसों को चैक करते थे वे ही कहते थे कि हमारी इज्जत का सवबी

हैं चैक करने के प चात हमारे अधिकारी उन लोगों से माफी मांगते थे कि पांच मिनट के लिये आपको देरी हुई है, क्षमा चाहते है। इसलिये हमने जो कुछ भी किया है, वहदे ा के हित में किया है। आप लोगों को तो हमें इस बात के लिये बधाई देनी चाहिये। यह बात कहना कि बडा भारी अन्याय हो गया, यह गलत है। अगर उनको रोकने पर किसी भाई को तकलीफ हुई है तो हमें खेद है।

**श्री निहाल सिंहः** हाई कोट्र के जज को और रोहतक के डाक्टर को रोका गया। अगर किसी को गलत तरीके से रोका गया है तो पब्लिकली कह दो कि गलती से रोका गया।

**चौधरी भजन लालः** हमने किसी का अपमान नहीं किया। अगर किसी को तकलीफ हुई है तो हमें खेद है।

**श्री निहाल सिंहः** आप लोगो के रोकने से किसी को ठेस पहुंची हो तो आप उसके लिये माफी मांग लों।

**चौधरी भजन लालः** मैं पहले ही कह चुका हूं कि अगर किसी कोगलती से रोकने पर तकलीफ हुई है तो हम खेद प्रकट करते है, हमें यह कहने में झिझक नहीं । न ही हम किसी को परे ाान करना चाहते थे ओर न ही किसी की बेइज्जती करना चाहते थे। हमने ऐसा करके अपने ने ान की इज्जत बचाई है।

स्पीकर साहब, कुछ साथियों ने बोलते हुये प्राइवेट टीचर्ज की एजीटे ान के बारे में कहा। स्पीकर साहब, सभी साथियों को मालूम होगा कि सन् 1979–80 से पहले प्राइवेट

स्कूलों को 25 परसैंट ग्रान्ट मिलती थी परन्तु आज सरकार ने 25 को बजाये 75 परसैंट ग्रान्ट कर दी है। यह रिकार्ड की बात हैं आप ही बताइये इससे अधिक सहायता हम प्राईवेट स्कूलों की क्या कर सकते है? उनका प्राईवेट मैनेजमेंट है, प्राईवेट कन्ट्रोल है। हमें वेसे उनके साथ पूरी हमदर्दी है। अगर उनके साथ कोई ज्यादती की बात है तो सरकार उस पर जरूर गौर करेगी।

**श्री मंगल सैनः** आप लोगों के कहने पर उन्होने अपनी एजीटे ान को वापिस लिया था।

**चौधरी भजन लालः** हमारे कहने पर एजीटे ान वापिस नहीं लीथी। नेहरासाहब ने यह कह दिया है कि कोई आ वासन उनहें मेरी तरफ से नहीं दिया गयाथा।

**श्री मंगल सैनः** अगरउनहें कोई तकलीफ है तो वह दूर करनी चाहिये।

**चौधरी भजन लालः** स्पीकर साहब, कुछ माननीय सदस्यों ने यहां पर अच्छे सुझाव भी रखे है। मैं अच्छे सुझावों का आदर करता हूं चौधरी ई वर सिंहजी ने कौल कालेज को पूरा कालेज बनाने के बारे सुझाव रखा। यह मामला सरकार के विचारधीन है। सन 1983–84 में इसे पूरा कालेज बना दिा जायेगा। मेरी इस बारे में वाईस चान्सलर साहब से भी बात हुई थी कि अगले साल इसे पूरा कृशि कालेज बना दिया जाये। श्री धीरपाल सिंह जी ने कहा कि रोहतक के किसानों को पूरी

सबसिडी नहीं द गई केवल 20 लाख रूपया ही दिया गया जबकि दइूसरे जिलों में दो करोड रूपया दिया गया है। मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि सूखा गस्त इलाकों को राहत पहुंचाने के लिये 2.39 करोड रूपये की रा ि ा कृशि विभाग द्वारा छोटे किसानों में खाद की खरीद के लिये सबसिडी के रूप में दी जानी थी। जो इस प्रकार दी गई रोहतक को 20 लाख, गुडगांव को 35 लाख, फरीदाबाद को 15 लाख हिसार को 60 लाख भिवानी को 44 लाख, जीन्द को 20 लाख और महेन्द्रगढ को 45 लाख रूपये दिये गये। यह पैसा एरिया के हिसाब से दिया गया। जितना उस एरिया में नुकसान हुआ है उसी के हिा ब से पैसा दिया गयाह`। किसी भी जिले के साथ भेदभाव नहीं किया गया। श्री इन्द्र सिंह नैन ने कृशि मार्किटिंग बोर्ड की सराहना करते हुये कहा कि बरवाला तथा उकलाना की मंडियों को अच्छा बनाया जाये। बरवाला मंडी वि व बैंक की स्कीम के तहत 51.67 लाख रूपये की लागत से दिसम्बर, 1983 तक बन जायेगी। उकलाना मंडी में भी और संहूलतें मास्टर प्लान के तहत दे दी जायेगी। इसके अलावा श्री राम बिलास भार्मा ने भी बहुत सी बातें कही। एकबातउन्होने ओलावृश्टि के बारे में कही। उसका मंत्री महोदय ने पूरा जवाब देदिया हैं जहां तक बिजली की अवेलेबिलिटी का सवाल है। आज सारे हरियाणा प्रान्त में कही पर कोई पावर–कट नहीं है। केवल हरियाणा ही ऐसा प्रान्त है जहां पर किसानों को 12 से 18 घंटे तक रोजाना बिजली मिलती है। कोई भाई यूंह ी खडा हो कर कोई बात कह दे तो हमारे पास उसका कोई इलाज नहीं है आप बे ाक अभी टेलीफोन

करके पता करलीजिये या खुद जाकर देख लीजिये यह बात सही है। (व्यवधान व भाोर) बिजली कै बारे में तापघर प्लांट का जो लोड फैक्टर है, उसमें पहले के मुकाबले में बहुत ज्यादा सुधार हुआ हैं पहले यह लोड 41 प्रति ात हुआ करता था लेकिन अब यह 85 प्रति ात हो गया है। पहले 65 प्रति ात से ज्यादा कभी नहीं हुआ लेकिन पिछले दो महीनों से यह 85 प्रति ात के लगभग चल रहा है। इसके लिये मैं बिजली बोर्ड को बधाई देता हूं और मुबारिकबाद देता हूं। श्री ओम प्रका ा जी ने बिजली के रेट के बारे में काफी कुछ कहा। उन्होने यह कहा कि सुखे इलाकों में भी वही रेट कर दिये गये जो दूसरे इलाकों मे है पैसे का प्रबन्ध करना ही पडता हैं आप ही देखिये, हमारा नाथपा झाकडी प्रोजेक्ट बन रहा है और इसके साथ ही जमुना नगर हाइडल प्रोजैक्ट भी बन रहा है। हमने सिर्फ 5 पैसे बढाये है। जो छोटा जमीदार होगा वह थोड़ी बिजली कन्जयुम करेगा और उसको थोडा सा ज्यादा देना पडेगा। आज से लगभग पांच साल पहले, जब भैंस का चारा सस्ताथा, बिनौले का भाव सस्ता था, चने का भाव सस्ताथा, तो घी का भाव 15 रूपये किलो था, लेकिन अब बिनौले का भाव 200 रूपये बोरी का हो गया, चने का भाव मंहगा और घी का भाव भी आज 40 रूपये किलो हो गयाहै। यही बात बिजली पर भी लागू होती है। बिजली बनाने के लिये कोयला जलता है, तेल जलता है ओर फिर अधिकारी भी लगे हुये है जोयह काम करते है। हर तीन महीने बाद उनकी कोई न कोई मंग खडी हो जाती है, कभी बोतल की मांग आती है तो कभी उनके पे स्केलज बढाने पडते हैं

इस तरह से बोर्ड को जो 20 करोड रूपये का सालाना घाटा हो रहा है उसे सरकार को सबसीडाईज करना पडता है।

**एक आवाजः** घाटा चोरी की वजह से हो रहा है।

**चौधरीभजन लालः** हो सकता है चोरी की वजह से भी कुछ घाटा हो, मैं इस बात सै इनकार नहीं करता लेकिन मैं आपको इस बात का पूरा यकीन दिलाना चाहता हूं कि हम चोरी को रोकन ेकी भी पूरी–2 कोि ा ा करेगें।

**श्री हीरानन्द आर्यः** जहां पर 80–80 फुट की गहराई पर पानी है वहां पर बिजली के रेट के लिये कुछ तो कंसिड्रे ान होनी चाहिये।

**चौधरी भजन लालः** हमने इसबारे मे एक कमेटी बनाई हैं इसय सिलसिले में चौधरी भाम ेर सिंह और श्रीसुरेन्द्र सिंह जी मुझ से मिले भी थे,। इन्होने एक मीटिंग भी की थी। अगले मंगलवार को हम फिर मीटिंग कर रहे है जो भी पोसीबल होगा हम जरूर करने की कोि ा ा करेगें डाक्टर मंगल सैन ने नगरपालिकाओं के चुनाव के बारे मे ंभी कहा और यह भी कहा कि रोहतक भाहर की डिवैल्पमेंट कुछ कम हुई है। जहां तक नगरपालिकोओं के चुनावों का सम्बन्ध है, उसके बारे में आप लोग सभी जानते है कि हमें म्यूनिसिपल कमेटीज की हदबन्दी करनी पडती है। 1981 में हुई मतगणना के आधार पर वार्ड भी बनाने पडेगें। इसलि हमें थोडी देर के लिये इलैक ान आगे करने पडे

क्योकि यह काम अभी पूरा नहीं हुआ हैं। ज्यों ही यह कार्यवाही कम्पलीट हो जायेगी, हम वहां पर चुनाव करवा देगें जहां तक भाहर की हालत में सुधार कासम्बन्ध है उसके लिये हमन सारी स्कीम बना ली है।। बरसाती पानी के निकास की स्कीम बनाकर नगरपालिका को भेज दी गई है। इसके लिये कुछ पैसा भी इस साल के बजट में दे दिया गया है। हम यह चाहते है कि रोहतक ही नहीं सारे हरियाणा के सभी भाहरसुन्दर हो और लोगों को कोई असुविधा न हो। (व्यवधान एवं भाोर) श्री राम विलास भार्मा जी ने बहुत अच्छा सुझाव दिया है। कि हमारे स्कूलों के पाठयक्रम में नैतिक ि ाक्षा भी होनी चाहिये। मैं उनको यह बताना चाहता हूं कि हमने पहले ही नैतिक ि ाक्षा का विशय सभा पाइयक्रमों में सम्मिलित करने के आदे ा दे दिये है। ताकि लोगों की नैतिक ि ाक्षा में सुधार हो सके हमारे बच्चों को भी यह पता लग सके कि उनका अपने प्रति फर्ज क्या है? दे ा के प्रति फर्ज क्या है, समाज के प्रति क्या फर्ज है। औरउनका अपने परिवार के प्रति क्या फर्ज है। इसके अलावा डाक्टर भीम सिंह दहिया ने भी कुछ बाते कही। बडी अच्छी बात उन्होने कही। जो सुझाव उनकी तरफ से आये है, मै इस हाउस को यकीन दिलाना चाहता हूं कि उन पर विचार किया जायेगा। (व्यवधान एवं भाोर) इसके अलावा जितने ीाी यहां पर सुझाव आये है उन सब पर हम बडी गहराई से विचार करेगें औश्र जिन सुझाओं को हम मान लेगें, उन पर पूरी तरह से अमल करने की कोि ा ा करेंगें। इसके अलावा मनूल सिंह जी ने यह कहा कि असन्ध में जलघर नहीं है। परन्तु बनाया जाना

चाहिये। इस बारे मे ंपेाजीशन यह है कि असन्ध में 31 अक्तूबर, 1979 को 52.72 लाख रूपये की जल वितरण योजना मंजूर हुई थी। इसके लिये सरकार ने 10 लाख रूपया भी दे दिया ह। 15 लाख रूपये का ऋण जीवन बीमा निगम से भी मंजूर हो चुका है लेकिन जल घर की जमीन के बारे मे में कोई फैसला नहीं हो पाया है। फैसला हो जाने पर वहां तुरनत जलघर का निर्माण कार्य भाुरू कर दिया जायेगा। इसके अलावा श्री सागर राम गुप्ता ने भिवानी में जलघर बनाने का प्रस्ताव किया । मैं उनको यह बताना चाहता हूं कि वाहं के लिये जलघर बनाने के लिये 113 लाख रूपये का एक अनुमान बनाकर नगर पालिका भिवानी को भेज दिया गया है। हम उस पर जल्द ीही काम भाुरू करवा देगें । जहां तक एलनाबाद का ताल्लुक है पहले एलनाबाद इताना बउा कस्बा नहीं था। उस समय भी इसके लिये 52 लाख रूपये की स्कीम बनाई गई थी। जिसमें से साढ़े चौदह लाख के लगभग खर्च भी कर दिये थे लेकिन उसके बाद हमने इसको एक सब–तहसील बनायाऔर बलाक हैडक्वार्टर बनाया। अब यह एक भाहर की भाक्ल अखितयार कर गया है इसलिये उसके वाटर वर्क्स के लिये दुबारा एस्टीमेटस बनाये गये है। अब नये एस्टीमैटस के मुताबिक इस पर 68 लाख रूपया खर्च होगा। हम जल्दी ही इसको भाुरू करने की कोि ा ा करेगें। कई साथियों ने मिट्टी के तेल की भी चर्चा की। भारत सरकार की नीति के अनुसार मिट्टी के तेल की कीमत सबसीडाइज्ड और नान–सब्सीडाइज्ड रेट पर दिया जाता है। आप जानते है कि भारत सरकार की पलिसी के मुताबिक ही हमें काम

करना पडता हैं मैं समझता हूं कि भारत सरकार की इस पालिसी से लाभ ही होग, नुकसान नहीं होगा। (व्यवधान एवं भाोर) अध्यक्ष मेहादय, हरियाणा सरकार ने आज त िकिसी आदमी को चावल नहीं दिया है। आप जानते है। कि 90 प्रति ात चावल तो लैवी का होता है जिसे एफ0सी0आई0 खरीदती है और सीधा भारत सरकार को जाता हैं बाकी का 10 प्रति ात चावल फ्री रह जाता है जिसे मिल मालिक खरीदते ओर बेचते है। उनके बेचने खरीदने पर कोई पाबन्दी नहीं है। अगर किसी ने चावल का लाईसेंस लेकर कोई काम किया है तो इसका मतलब यहतो नहीं है कि उसने कोई हेरा–फेरी की है।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** आप इस मामले में सुभाश गायेल की इन्कवायरी करवा लो, सब कुछ पता लग जायेगा।

**चौधरी भजन लालः** अगर आप साबित करदें तो जो चाहे मुझे सजा दें मैं भुगतने के लिये तैयार हूं। (व्यवधान एवं भाोर)

स्पीकरसाहब, चौधरी नर सिंह एम0एल0ए0 ने भााहबाद में खाद और पैस्टीसाइज के बैग्ज में घपले की बात कही। इसकी इंक्वायरी करवांयेंगें और जो भी दोशी होगा उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जायेगी।

स्पीकर साहब, मार्किटिंग बोर्ड मे घपले की बात भी यहां पर कही गई हौै। हमने बाकायदा इंक्वायरी करके 29

सैक्रेटरीजत सस्पैंड किये आफिसर्ज के खिलाफ एक ान लिया है और स्पीकर सहाब, किसी के खिलफ भी, चाहे वह कितना ही बड़ा आफिसर क्यो न हो, कोई भी अधिकारी हो या कोई सियासी आदमी हो, जिसका कसूर होगा उसके खिलाफ हम एक ान लेगें। स्पीकरसाहब, यहां पर जिक्र किया गया कि दिल्ली के चुनावों के लिये दिया गया हो तो मैं अस्तीफा देने के लिये तैयार हूं। ( ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, यहां पर जमीन एक्वायर करने की बात की गई । इस संबंध में मेरा निवेदन है कि जब भी कोई ैक्टरी लगाई जाती है, बिजली के खम्बे ओर तार लगाये जाते है। सउकें बनाई जाती है डैम बनाये जाते है या नहर खोदी जाती है। जमीन तोलेनी ही पडेगी। बगैर जमीन के तो ये काम हो नहीं सकेगें।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** भाहरों में बडे–2 बिजनैस मैन है, बिग हाउसिज है,उनके पास भी तो जमीन है, आप उनकी जमीन ऐक्वायर करके गरीबों मे ंबांट दे। उनके पास बहुत जमीन खाली पडी है।

**चौधरीभजन लालः** बहन जी, भाहरों में सिकके पास जमीन खाली पउी हैं भाहर मे ंतो कोई जमीन खाली नही पडी ळै ंअध्यक्ष महोदय, हम मार्किट रेट पर जमीन खरीदते है। आजकल जो जमीन हम ऐकवायर करते है कम से कम सत्तर हजार रूपया प्रति एकड़ के रेट के हिसाब से किसान को पैसा देते है। अगर किसान उस जमीन में खेंती करके पैदावार ले तो उसको दो पैसे

प्रति रूपया का भी ब्याज नहीं पडेगा। दस बीस हजार रूपये फी एकड का अगर मुआवजा दे ंतब तो आप कह सकते है कि किसान के साथ जुल्म हो रहाहै।

**श्रीमती चन्द्रावतीः** आप यह कर दें कि जिस किसानकी जमीन ऐक्वायर करके इंडस्टरी लगाने के लिये दी गई है अगर उस जमीन पर इंडस्ट्रियलिस्ट पांच साल तक कोई इंडस्ट्री नहीं लगाता है तो वह जमीन किसान को वापिस कर दी जायेगी।

**चौधरी भजन लालः** बहन जी, हमने तो अब यह कर दिया है जो आदमी एक साल में इंडस्ट्री या फैक्टरी नहीं लगायेगा उसकी जमीन कैन्सिल कर दी जायेगी। स्पीकर साहब, पलवल मे ंचौधरी कल्याण सिंह ने जमीन के बारे मे जिक्र किया गया कि उनकी जमीन छोड दी गई। स्पीकर साहब, हमने वहां पर जमीन ऐक्वायर की थी। बहुत से किसान मुझे पलवल में मिले और यहां भी आये थे। उनहोने कहा कि हम छोटे किसान है। मेहरबानी करके हमारी जमीन ऐक्वायर न की जाये। हमने उनकी जमीन छोड दी। उसमें एक एकड जमीन चौधरी कल्याण सिंह की थी। अगर एक एकड जमीन उनकी छूट गई तो क्या हर्ज है।

**श्रीमती चन्द्रावती :** अगर ऐसा है तो झाड सेती की जमीन भी आप छोड दे।

**चौधरी भजन लालः** स्पीकर साहब, बिजली के पोल्ज के बारे में श्रीमती चन्द्रावती जी ने जिक्र किया कि पोल में 160

के0जी0 सीमेंन्ट लगना चाहिये था। लेकिन सिर्फ साठ के0जी0 सीमेन्ट लगाया गया । स्पीकर साहब इस बारे में इन्होने पहले जिक्र नहीं किया। स्पीकर साहब, मैं इनकी जांच करवांउगा, बकायदा इंक्वायरी करवाउंगा और जो भी दोशी पाया जायेगा। उसके खिलाफ सख्त ऐक ान लिया जतायेगा। फोरेट के बारे में भी यहां जिक्र किया गया है। मैं इसके बारे में कुछ नहीं कहना चाहता क्योकि वह मामला कोर्ट मे ंचल रहा हैं अन्त में मै सदन से प्रार्थना करता हूं कि बहन करतार देवी ने जो प्रस्ताव मूव किया है और चौधरी भले राम जी ने जिसका समर्थन कियाउस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास किया जाये।

## राज्यपाल के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान

**Mr. Speaker:** Now I will put the motion of thanks to the vote of the House.

Question is-

"That an Address fbe presented to the Governor in the following terms:

"That the members of the Haryana Vihdan Sabha assembled in this Session are deeply greateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 7th March, 1983."

**The motion was carried.**

**Mr. Speaker:** Hon. Members, the house stands adjourned till 2.00 P.M., on the 14th March, 1983

***13.47 hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 14th March, 1983.)